राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार,३० दिसंबर २०२० वर्ष-३, अंक -३३१ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

'कोरोना वैक्सीन में गाय का खून, हिंदू न लगवाएं टीका' स्वामी चक्रपाणि का दावा

नई दिल्ली। देश में कोरोना वैक्सीन अगले महीने से आने वाली है. लेकिन उससे पहले वैक्सीन को लेकर मजहबी उस्तादों ने विवाद शुरू कर दिया है. मुंबई की रजा अकादमी के बाद अब हिंदू महासभा नेता स्वामी चक्रपाणि ने दावा किया है कि अमेरिका में तैयार हुई कोरोना वैक्सीन में गाय का खून है. इसलिए सरकार को इस दवा को भारत में इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं देनी चाहिए.

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को भेजा ज्ञापन-देश के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को भेजे ज्ञापन में स्वामी चक्रपाणि ने कहा कि कोरोना खत्म होना चाहिए और वैक्सीन भी जल्द ही लगाई जानी चाहिए, लेकिन इसके चलते अपने धर्म को नष्ट नहीं किया जा सकता. उन्होंने कहा कि प्रत्येक नई दवाई के निर्माण के वक्त उसमें मिलाए जाने वाली चीजों की जानकारी दी जाती है तो आखिर कोरोना वैक्सीन के बारे में जानकारी क्यों नहीं मिलनी चाहिए.

'अमेरिका में तैयार हुई वैक्सीन में गाय का खून'

स्वामी चक्रपाणि ने कहा कि हमको ऐसी जानकारी मिली है कि अमेरिका में जो वैक्सीन तैयार हुई है, उसमें गाय के खून का इस्तेमाल किया गया है. सनातन धर्म में गाय को माता मानते हैं और ऐसे में अगर गाय के खून को हमारे शरीर में पहुंचाया जाता है तो उसे हमारे धर्म को नुकसान पहुंचाने की कोशिश होगी.

'सनातन धर्म को खत्म करने की साजिश' -उन्होंने कहा कि सनातन धर्म को खत्म करने को लेकर सालों से यह साजिश रची जा रही है. इसी वजह से हम चाहते हैं कि कोरोना को लेकर भी अगर विदेश से कोई वैक्सीन आ रही है तो उसके बारे में भी पहले पूरी जानकारी दी जाए. लोगों को सारे संशय दूर होने के बाद ही वैक्सीन लगाने का काम शुरू किया जाए. स्वामी चक्रपाणि ने कहा कि देश में विकसित हो रही कोरोना वैक्सीन के बारे में भी जानकारी जनता के सामने रखी जानी चाहिए.

सवाल, नसीहत और फटकार, अब UPA के नेतृत्व को लेकर शिवसेना ने कांग्रेस को घेरा, कहा- कितनी बड़ी पार्टी?

मुंबई। कांग्रेस और यूपीए को लेकर बीते कुछ दिनों से शिवसेना का स्टैंड काफी आक्रामक दिख रहा है। बीते दिनों किसान आंदोलन में सरकार की बेफिक्री का ठीकरा कांग्रेस पर फोड़ने के बाद शिवसेना ने आज एक बार फिर से अपने मुखपत्र सामना के जरिए यूपीए के नेतृत्व पर सवाल खड़े किए हैं। शिवेसना ने अपने संपादकीय में लिखा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन अर्थात 'यूपीए' का मजबूत होना समय की मांग है। मगर ये होगा कैसे? फिलहाल विरोधियों की एकता पर राष्ट्रीय मंथन शुरू है। 'यूपीए' का नेतृत्व कौन करेगा यह विवाद का मुद्दा नहीं है। मुद्दा ये है कि यूपीए को मजबूत बनाना है और भाजपा के समक्ष चुनौती के रूप में उसे खड़ा करना है। कांग्रेस पार्टी ये सब करने में समर्थ होगी तो उसका स्वागत है।

खुद बिहार की नीतीश कुमार सरकार असंतोष की ज्वालामुखी में धधक रही है। 'जदयू' के मणिपुर से छह विधायकों को भाजपा ने अपने में मिला ही लिया। साथ ही खबर है कि बिहार की 'जदयू' में सुरंग लगाकर भाजपा अपने दम पर मुख्यमंत्री को बिठाने की तैयारी में है।

कांग्रेस किस आकार की बड़ी पार्टी?

सामना में आगे लिखा है, कांग्रेस के नेता हरीश रावत का कहना है कि गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी के पास ही गठबंधन का नेतृत्व होता है। वे सही बोले हैं, लेकिन ये बड़ी पार्टी जमीन पर न चले। लोगों की अपेक्षा है कि वो एक बड़ी उड़ान भरे। बेशक कांग्रेस आज तक बड़ी पार्टी है लेकिन बड़ी मतलब किस आकार की? कांग्रेस के साथ ही तृणमूल और अन्नाद्रमुक जैसी पार्टियां संसद में हैं और ये सारी पार्टियां भाजपा विरोधी हैं। देश के विरोधी दल में एक खालीपन बन गया है और बिखरे हुए विपक्ष को एक झंडे के नीचे लाने की अपेक्षा की जाए तो कांग्रेस के मित्रों को इस पर आश्चर्य क्यों हो रहा है?

लोगों को बदलाव चाहिए- शिवसेना

शिवसेना ने कहा कि देश में भाजपा विरोधी असंतोष की चिंगारी भड़क रही है। लोगों को बदलाव चाहिए ही चाहिए, इसलिए वैकल्पिक नेतृत्व की आवश्यकता है। सवाल यह है कि ये कौन दे सकता है? सीधा और ताजा उदाहरण देखिए। कर्नाटक में 2023 में विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं। इस चुनाव के संदर्भ में पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा ने बड़ी घोषणा की है। 2023 का चुनाव जनता दल-सेक्युलर मतलब जेडीएस स्वतंत्र रूप से अपने बल पर लड़नेवाली है। कभी देवेगौड़ा कांग्रेस के साथी थे। कर्नाटक में उनके सुपुत्र कुमारस्वामी ने कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनाई। लेकिन आज दोनों पार्टियों में दरार है। देवेगौड़ा की पार्टी द्वारा अलग से चुनाव लड़ने का फायदा भारतीय जनता पार्टी को ही होगा। कर्नाटक ऐसा राज्य है जहां महाराष्ट्र की तरह कांग्रेस गांव-गांव तक फैली है। कर्नाटक में कांग्रेस को अच्छा नेतृत्व मिला हुआ है। यह कांग्रेस के अच्छे भविष्यवाला राज्य है। लेकिन मत विभाजन के खेल में भाजपा को फायदा हो जाता है इसलिए देवेगौड़ा और कुमारस्वामी को समझाने का काम कौन करेगा? देवेगौड़ा और कुमारस्वामी जैसे कई दल अन्य राज्यों में हैं।

जदयू को तोड़ने की तैयारी में भाजपा

खुद बिहार की नीतीश कुमार सरकार असंतोष की ज्वालामुखी में धधक रही है। 'जदयू' के मणिपुर से छह विधायकों को भाजपा ने अपने में मिला ही लिया। साथ ही खबर है कि बिहार की 'जदयू' में सुरंग लगाकर भाजपा अपने दम पर मुख्यमंत्री को बिठाने की तैयारी में है। वे बिहार में कांग्रेस और राजद जैसी पार्टियों के विधायक तोड़ने वाले हैं, ऐसा कहा जा रहा है। इसे रहने दें लेकिन जिस नीतीश कुमार को गोद में बिठाकर वे राजसत्ता चला रहे हैं, उन्हीं नीतीश कुमार की पार्टी को कमजोर करने का काम शुरू कर दिया गया है। इससे नीतीश कुमार बेचैन हैं और उन्होंने नाराजगी व्यक्त की है।

जदयू में उठा-पटक को गंभीरता से ले कांग्रेस

नीतीश कुमार ने 'जदयू' का राष्ट्रीय अध्यक्ष पद छोड़ दिया है। इस उठा-पटक को देश के विरोधी दल को गंभीरता से लेना चाहिए। कांग्रेस बड़ी पार्टी है ही। आजादी की लड़ाई में और आजादी के बाद देश को बनाने में कांग्रेस का बड़ा योगदान रहा है। लेकिन तब कांग्रेस के सामने कोई विकल्प नहीं था। विरोधी दल नाम मात्र का था। पंडित नेहरू और इंदिरा गांधी जैसे लोकप्रिय नेतृत्व से देश समृद्ध था। कांग्रेस अगर पत्थर को भी खड़ा कर देती तो लोग उसे खूब मतदान करते थे। उस दौरान कांग्रेस के विरोध में बोलना अपराध ठहराया जाता था। कांग्रेस को दलित, मुसलमान और ओबीसी का अच्छा-खासा समर्थन प्राप्त था। कांग्रेस एक विचारधारा थी और कांग्रेस के लिए लोग लाठियां खाने को भी तैयार थे। आज कांग्रेस के समर्थनवाली मतपेटी पहले जैसी नहीं रही। राज्यों की स्थानीय पार्टियों ने अपनी एक जगह बनाई है। हैदराबाद महानगरपालिका चुनाव के नतीजे भाजपा विरोधियों की आंखें खोलने वाले हैं।

विदेशी पर्यटकों के लिए कोविड स्वस्थ्य बीमा लागू करने की तैयारी

केंद्र सरकार कर रही विचार

नई दिल्ली। विदेशों की तर्ज पर अब भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों के लिए कोरोना स्वास्थ्य बीमा जरूरी होगा। कोरोना महामारी को देखते हुए पर्यटन मंत्रालय इस योजना को अमलीजामा पहनाने की तैयारी कर रहा है। वर्ष 2019 में करीब एक करोड़ नौ लाख विदेशी पर्यटक आए थे। पर्यटन मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कोरोना महामारी के मौजूदा हालात में स्वास्थ्य बीमा बेहद जरूरी है। कई देशों में वीज़ा के लिए स्वास्थ्य बीमा होना चाहिए। इसलिए भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों के लिए कोरोना स्वास्थ्य बीमा होना चाहिए। ताकि, विदेशी पर्यटकों को परेशानी का सामना न करना पड़े। मंत्रालय इस प्रस्ताव पर टूर ऑपरेटर और दूसरी संस्थाओं से भी चर्चा कर रहा है। आल इंडिया टूर ऑपरेटर के एक पदाधिकारी ने कहा कि इससे पर्यटकों की संख्या पर असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार से कहा है कि वह इसे सभी देशों के पर्यटकों के लिए अनिवार्य करने के बजाए चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाए ताकि पर्यटकों को परेशानी न हो। कई बीमा कंपनी विदेशों से आने वाले पर्यटकों के लिए कोरोना स्वास्थ्य बीमा

प्रोडक्ट लॉन्च भी कर दिए हैं। अन्य देशों में उड़ान भरने वाली एयरलाइंस के साथ इन बीमा कंपनियों ने समझौता भी कर लिया है। पर अभी यह सिर्फ पयर्टक की इच्छा पर निर्भर है।

बिहार में 6 दिनों से जारी जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल खत्म कराने में स्वास्थ्य विभाग ने नहीं की पहल

पटना। बिहार में स्वास्थ्य विभाग जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल समाप्त कराने को लेकर उदासीन बना हुआ है। राज्य के सभी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में पिछले छह दिनों से जारी जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल खत्म कराने को लेकर अब तक विभाग की ओर से कोई पहल नहीं की गयी है। बताया जाता है कि विभाग चाहता है कि मेडिकल कॉलेज अस्पतालों के प्राचार्य अपने स्तर से जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल समाप्त करने को लेकर कार्रवाई करें। इसके लिए विभागीय अधिकारियों द्वारा मौखिक रूप से लगातार मेडिकल कॉलेज अस्पतालों के प्राचार्य व अधीक्षकों को निर्देश दिये जा रहे हैं।

वहीं, मेडिकल कॉलेज अस्पतालों के प्राचार्य विभाग द्वारा कोई लिखित आदेश जारी नहीं होने से किसी प्रकार की कार्रवाई करने में असमर्थता जता रहे हैं। प्राचार्यों का मानना है कि जूनियर डॉक्टरों पर कार्रवाई किए जाने से सीधे वे उनके निशाने पर आ जाएंगे। इधर, हड़ताल के कारण लगातार छठे दिन भी अस्पतालों में मरीज परेशान रहे और इलाज के लिए इधर-उधर भटकते रहे।

वहीं, मेडिकल कॉलेज अस्पतालों के प्राचार्य विभाग द्वारा कोई लिखित आदेश जारी नहीं होने से किसी प्रकार की कार्रवाई करने में असमर्थता जता रहे हैं। प्राचार्यों का मानना है कि जूनियर डॉक्टरों पर कार्रवाई किए जाने से सीधे वे उनके निशाने पर आ जाएंगे।

आईएमए भी जूनियर डॉक्टरों के समर्थन में

जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन के ज्वाइंट सेक्रेट्री डॉ. कुंदन सुमन ने कहा कि आईएमए भी उनकी मांगों का समर्थन कर रहा है। उनकी ओर से स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव से आईएमए बिहार के अध्यक्ष डॉ. विमल कारक ने बात की है, लेकिन देर शाम तक उनकी मांगों को माने जाने की कोई सूचना नहीं मिली है। इस कारण हड़ताल आगे भी जारी रहेगी। अगर उनकी ओर से और विभाग से कोई सकारात्मक संदेश मिलेगा तभी मंगलवार को जूनियर डॉक्टर काम पर लौटे। नहीं तो हड़ताल लगातार सातवें दिन भी जारी रहेगी।

चार महीने पहले कराया था अवगत

जूनियर डॉक्टरों ने कहा कि मरीजों की कठिनाई की सारी जिम्मेवारी कॉलेज प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की है। उन्होंने 4 महीना पहले से अपनी मांगों के बारे में कॉलेज प्रशासन को अवगत कराया था, लेकिन कॉलेज प्रशासन ने उनकी नहीं सुनी। विभाग के प्रधान सचिव चार महीने से उनके स्टाइपेंड वृद्धि के प्रस्ताव को लटकाए हुए हैं। उस पर कोई ठोस निर्णय नहीं कर पाए। इसलिए मजबूरी में हड़ताल करनी पड़ी।

उत्तर भारत शीतलहर की चपेट में, कड़ाके की ठंड में होगा नया साल

नई दिल्ली। उत्तर भारत में अभी लोगों को कड़ाके की ठंड से तुरंत राहत मिलने के आसार नहीं नजर आ रहे हैं। उत्तर भारत के हिस्सों में 29-31 दिसंबर से रात के तापमान में 3-5 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है। कई राज्यों में शीतलहर चल रही है। यह बात भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने कही। सोमवार को आईएमडी ने कहा कि कि शीतलहर की स्थिति में दो जनवरी से कमी आने की संभावना है। उत्तर प्रदेश में छिटपुट क्षेत्रों में शीतलहर चलने की संभावना है। 30-31 दिसंबर के दौरान बिहार, झारखंड, गांगेय पश्चिम बंगाल और ओडिशा में कुछ स्थानों पर शीतलहर चलने की संभावना है। आईएमडी ने कहा, अगले तीन दिनों (29-31 दिसंबर) के दौरान उत्तर पश्चिमी भारत में न्यूनतम तापमान में 3-5 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हो सकती है। उसके बाद तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की मामूली वृद्धि होगी। राज्यों के लिए आरेंज चेतावनी भी जारी की गई है। आईएमडी ने कहा कि 28-30 दिसंबर के दौरान

उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और उत्तरी राजस्थान में अलग-अलग इलाकों में हाड़ कंपाने वाली शीतलहर चल सकती है। आईएमडी ने कहा, 31 दिसंबर से 2 जनवरी तक पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम उत्तर प्रदेश में कुछ इलाकों में सुबह के दौरान घना कोहरा छाने की संभावना है।

कोरोना के नए स्ट्रेन के लिए 31 जनवरी तक बढ़ाये गए सर्विलांस के दिशानिर्देश

नई दिल्ली। कोविड मामलों की निगरानी के पुराने दिशा निर्देशों को सरकार ने 31 जनवरी तक बढ़ा दिया है। केंद्र सरकार ने सोमवार को कहा कि देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में लगातार कमी आ रही है लेकिन दुनिया भर में संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ने और ब्रिटेन में इस वायरस का एक नया प्रकार सामने आने के मद्देनजर निगरानी और सतर्कता बनाए रखने की जरूरत है। मंत्रालय ने एक बयान

में कहा कि इसने कोविड-19 की (स्थिति की) निगरानी के सिलसिले में दिशानिर्देश जारी किए हैं और ये दिशानिर्देश 31 जनवरी तक प्रभावी रहेंगे।

मंत्रालय ने कहा कि देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों और संक्रमण के नए मामलों में लगातार कमी आ रही है, लेकिन वैश्विक स्तर पर मामले बढ़ने और ब्रिटेन में वायरस का एक नया प्रकार सामने आने के मद्देनजर निगरानी, रोकथाम और सतर्कता बरकरार रखने की जरूरत है।

गृह मंत्रालय ने कहा, 'निरूद्ध क्षेत्रों का सावधानीपूर्वक सीमांकन जारी रखा जाए, इन क्षेत्रों में संक्रमण के प्रसार के रोकथाम के लिए निर्धारित उपायों का सख्ती से पालन किया जाए। कोविड से जुड़े उपयुक्त व्यवहार को बढ़ावा दिया जाए और उन्हें सख्ती से लागू किया जाए तथा विभिन्न गतिवधियों के संदर्भ में सुझाई गई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का पूरी गंभीरता से पालन किया जाए।

अब हर तरह के आतंकी हमलों से निपटने में सक्षम होंगी राज्यों की पुलिस

नई दिल्ली। देश की सबसे सक्षम कमांडो फोर्स- नेशनल सिक्योरिटी गार्ड्स (एनएसजी) की तर्ज पर कई राज्यों में पुलिस बलों को नई सुरक्षा चुनौतियों के मद्देनजर बहु लक्ष्यीय हमलों से निपटने में सक्षम बनाया जाएगा। राज्यों के पुलिस बलों की एनएसजी के साथ साझा ट्रेनिंग को विस्तार दिया जाएगा। इसमें केंद्र राज्यों को मदद करेगा, जिससे राज्यों में काम करने वाली फोर्स भी ज्यादा चुनौतीपूर्ण स्थितियों का सामना कर सकें।

सूत्रों ने बताया, देश के अलग-अलग शहरों में अब तक हुए अलग-अलग तरह के हमलों को केस स्टडी के तौर पर ट्रेनिंग में रखा गया है। साथ ही दुनियाभर के आतंकी हमलों के रुझान और सुरक्षा विशेषज्ञ एजेंसियों के इनपुट को ध्यान में रखकर सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक से लैस किया जा रहा है। सूत्रों ने कहा कि आगामी बजट में भी सुरक्षा बलों को अत्याधुनिक तकनीक से लैस करने और आधुनिक जरूरतों के हिसाब से अपडेट करने की जरूरतों पर ध्यान देकर राशि का प्रावधान किया जाएगा।

सूत्रों ने कहा, एनएसजी द्वारा लगातार जवानों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। इसे राज्यों के स्तर पर विस्तार देने की योजना पर काम हो रहा है। सूत्रों ने कहा कि सुरक्षा बल अपनी पुख्ता तैयारी करना चाहते हैं कि अगर कभी

देश के दुश्मनों ने एक वक्त में कई शहरों को निशाना बनाने की साजिश रची तो उन्हें तत्काल मुंहतोड़ जवाब दिया जा सके। इसकी चर्चा आंतरिक सुरक्षा को लेकर बैठक में भी हुई थी।

सूत्रों ने कहा, सुरक्षा एजेंसिया चाहती हैं कि भारत जैसे देश मे ये तैयारी विभिन्न स्तरों पर होनी चाहिए। बैकअप प्लान के तहत राज्यो के सुरक्षा बलों में विशेष दस्ते बहु लक्ष्यीय से निपटने में सक्षम हों ये कोशिश हो रही है।

गौरतलब है कि वर्ष 2008 में हुए मुंबई हमले में एनएसजी ने इस तरह के हमले का सामना किया था। अब तकनीक और रणनीतिक तैयारियों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। इलेक्ट्रॉनिक गैजेट के अलावा कमांडो बल ने अपने कुत्तों के लिए के- 9 कैमरा सिस्टम भी

सूत्रों ने कहा कि आगामी बजट में भी सुरक्षा बलों को अत्याधुनिक तकनीक से लैस करने और आधुनिक जरूरतों के हिसाब से अपडेट करने की जरूरतों पर ध्यान देकर राशि का प्रावधान किया जाएगा।

खरीद लिया है। कई अत्याधुनिक उपकरण सुरक्षा बल के पास हैं जिनमे नुकसान को कम करते हुए आतंकी हमलों को नाकाम किया जा सके। किसी ऑपरेशन के दौरान 360 डिग्री नजर रखने की छमता सुरक्षा दस्तों के पास है। सूत्रों ने कहा, के- 9 आतंकियों के खिलाफ लड़ने के लिए कमांडरों को मजबूत बनाती है। इस तकनीक के जरिए ऑपरेशनल कमांडर को कुत्ते के चश्मे पर लगे कैमरों से यह पता चल जाता है कि वह किस संदिग्ध जगह या दुश्मन को देख रहा है।

गुरदासपुर, पठानकोट एयरबेस, उरी, पुलवामा जैसे आतंकी हमलों के बाद अर्धसैन्यबलों, एनएसजी के अलावा राज्य पुलिस बलों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने की विशेष मुहिम चली है। खासतौर पर जम्मू-कश्मीर और पंजाब जैसे सीमावर्ती राज्यों में पुलिस बलों की विशेष ट्रेनिंग पर जोर रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

वैक्सीन की तैयारी

जब कोरोना वैक्सीन करीब है, तब उसकी तैयारियों को अंतिम रूप देने की कवायद उपयोगी और जरूरी है। केंद्र सरकार ने देश के चार राज्यों के आठ जिलों को वैक्सीन अभियान के पूर्वाभ्यास के लिए चुना है और सोमवार-मंगलवार को पूरे प्रशासन को इस अभ्यास को पुख्ता करने में लगा दिया गया है। पूर्वाभ्यास के समय जो कमियां नजर आएंगी, उन्हें दूर करके वैक्सीन का एक पुख्ता तंत्र तैयार किया जाएगा। केंद्र ने देश के चारों कोनों के एक-एक राज्य को पूर्वाभ्यास के लिए चुना है। उत्तर में पंजाब, पूरब में असम, दक्षिण में आंध्र प्रदेश और पश्चिम में गुजरात के दो-दो जिलों को चुना गया है। चुने गए प्रत्येक जिले में पांच-पांच जगहों पर यह पूर्वाभ्यास किया जाएगा। किसी भी बड़े अभियान के पहले मशीनरी का परीक्षण बहुत जरूरी होता है। गौरतलब है कि आने वाली वैक्सीन न सिर्फ मूल्यवान, बल्कि जीवनरक्षक भी होगी। इसे विशिष्ट वस्तु के रूप में देखा जा रहा है और तमाम तरह की सुविधाओं के बीच इसे रखा जाना है। केवल स्वास्थ्य महकमे की ही नहीं, विशेष रूप से पुलिस महकमे की भी कदम-कदम पर जरूरत पड़ेगी। शायद पूरे जिला प्रशासन को अभियान में लगना पड़ेगा। इस पूर्वाभ्यास के दौरान प्रशासन अपनी क्षमताओं को परखेगा। वैक्सीन अभियान के हर चरण में लोगों की भूमिका तय की जाएगी। डॉक्टर से लेकर नर्स तक, बड़े अधिकारी से लेकर ड्राइवर और सर्वे करने वाले से पुलिसकर्मी तक, हरेक व्यक्ति को जिम्मेदारी देकर आजमाया जा रहा है। किसी भी संभावित प्रतिकूल स्थिति से कैसे निपटना है, यह अगर पहले ही समझ लिया जाए, तो बेहतर है। हालांकि, उन जिलों की परिस्थिति का अध्ययन जरूरी है, जो ज्यादा अभावग्रस्त हैं। हर राज्य में कुछ जिले संपन्न और कुछ अपेक्षाकृत पिछडे होते हैं, अत- किसी भी ऐसी तैयारी में पिछड़े जिलों का विशेष रूप से ध्यान रखना होगा। उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में ऐसे जिले भी होंगे, जहां सुरक्षाकर्मियों की संख्या कम होगी। चिकित्सा का मूलभूत ढांचा भी नहीं होगा, अर्थात वैक्सीन अभियान के पैमाने तय करते समय विशेष सावधान रहना पड़ेगा। केंद्र सरकार ने अपने स्तर से जिला स्तर तक बुनियादी ढांचे की पूरी योजना तैयार कर ली है। लगभग हरेक जिले में वैक्सीन की तैयारी चल रही है। हरेक जिला अस्पताल में वैक्सीन भंडार का निर्माण किया जा रहा है। विभिन्न स्तरों पर वैक्सीन अभियान के क्रियान्वयन के लिए चिकित्सा अधिकारियों, वैक्सीनेटर, वैकल्पिक वैक्सीनेटर, कोल्ड चेन हैंडलर, पर्यवेक्षक, डाटा प्रबंधक, समन्वयक और अन्य सभी के लिए विशिष्ट प्रशिक्षण और कार्य का मसौदा तैयार है, जिसे वैक्सीन आते ही लागू कर दिया जाएगा। करीब 29 हजार कोल्ड चेन पॉइंट, 240 वॉक-इन कूलर, 70 वॉक-इन फीजर, 45 हजार आइस-लाइनेड रेफ्रिजरेटर, 41 हजार डीप फीजर्स, 300 सोलर रेफ्रिजरेटर तैयार हैं। राज्यों की पूरी मदद की जा रही है, लेकिन असली परीक्षा तो इस वैक्सीन अभियान में शामिल कर्मियों व जनसेवकों की निष्ठा और कार्यकुशलता की होगी। ढांचा खड़ा कर देना ही पर्याप्त नहीं है। हमने कोरोना के समय देखा है, मूलभूत ढांचा होने के बावजूद कई जगह मरीजों की सही सेवा नहीं हो सकी है। इसलिए सुनिश्चित करना होगा कि वैसी ही स्थिति वैक्सीन अभियान के समय कहीं न बनने पाए।

आज के ट्वीट

आंसू

पहले कर्नाटक आईफोन की फैक्ट्री में तोड़फोड़ फिर महाराष्ट्र में अमेजन के गोदाम और ऑफिस में तोड़फोड़ और पंजाब में जिओ के 1600 टॉवर तोड़े गए और कुछ दिन बाद बेरोजगारी और अर्थव्यवस्था पर आंसू बहाएंगे

-- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

बैंकों की सुनहरी तस्वीर के अंतर्विरोध

भरत झुनझुनवाला

सम्पूर्ण विश्व के बैंक आज संकट में हैं। अमेरिका के बैंकों के लाभ जून में ही 30 प्रतिशत गिर गये थे। आज इनकी स्थिति ज्यादा कठिन है। कई विद्वानों का मानना है कि सम्पूर्ण वैश्विक बैंकिंग व्यवस्था पर संकट आ सकता है। इसके विपरीत भारत के बैंक, विशेषकर सार्वजनिक बैंक, बहुत ही सुदृढ़ दिख रहे हैं। इनके लाभ उत्तरोत्तर बढ़ रहे हैं और इन पर किसी प्रकार का संकट नहीं दिखता है। बैंकों की इस सुदृढ़ता पर संदेह उठता है क्योंकि जमीनी स्तर पर ऋण लेने वालों की स्थिति अच्छी नहीं दिखती है। उत्तराखंड के एक दुकानदार ने बताया कि कोचिंग और प्राइवेट स्कूलों का कारोबार लगभग शून्यप्राय हो गया है। दूसरे ने बताया कि उद्यमियों ने लोन लेते समय जो पोस्ट डेटेड चेक दे रखे थे, उनका भी भुगतान वे नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि उनकी आय में गिरावट आ गयी है। तीसरे ने बताया कि कुछ व्यापारी अपने व्यक्तिगत खर्चों में कटौती करके बैंकों से लिए गये ऋण का भुगतान कर रहे हैं क्योंकि सरकार ने इस समय बैंकों के ऋण की अदायगी पर सख्ती कर रखी है। वे झंझट नहीं मोल लेना चाहते। एक छोटे चार्टर्ड अकाउंटेंट ने बताया कि पूर्व में जो छोटे व्यापारी जीएसटी रिटर्न भरने के लिए 1000 रुपये की फीस अदा करते थे, वे आज 600 से 700 रुपये ही दे रहे हैं क्योंकि उनके पास आय नहीं है। वैश्विक मूल्यांकनों के अनुसार भारत की जीडीपी पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 7 प्रतिशत कम रहेगी। अत: प्रश्न यह है कि इस जमीनी दबाव के बावजूद हमारे बैंक इतने सुदृढ़ कैसे दिख रहे हैं? विषय की जानकारी के लिए हमें अपने बैंकों द्वारा दिए गये ऋणों की तह में जाना होगा। एक रपट के अनुसार हमारे बैंकों द्वारा दिए गये कुल ऋण में बड़ी कम्पनियों का हिस्सा 33 प्रतिशत, विदेशी कंपनियों का 13 प्रतिशत और कृषि का 9 प्रतिशत है। ये तीनों क्षेत्र मूल रूप से सुदृढ़ हैं। इसलिए इन्हें दिए गये ये 55 प्रतिशत ऋण सुदृढ़ होंगे, ऐसा हम मान सकते हैं। शेष 45 प्रतिशत में 33 प्रतिशत रिटेल को एवं 12 प्रतिशत ऋण छोटे उद्योगों को दिए गये हैं। इनकी सुदृढ़ता पर विचार करना होगा। रिटेल क्षेत्र में दिए गये ऋण का एक हिस्सा वाहनों के लिए है। इसमें 80 प्रतिशत सरकारी कर्मियों अथवा सार्वजनिक इकाइयों के कर्मियों को दिए गये हैं। रिटेल का दूसरा हिस्सा पर्सनल लोन यानी व्यक्तिगत लोन है। इसमें 94 प्रतिशत सरकारी अथवा सार्वजनिक इकाइयों के कर्मियों को दिए गये हैं। तीसरा हिस्सा प्रापर्टी का है, जिसमें 50 प्रतिशत ऋण सरकारी अथवा सार्वजनिक इकाइयों के कर्मियों को और 20 प्रतिशत ऋण बड़ी कम्पनियों के कर्मियों को दिए गये हैं। इस प्रकार बैंकों द्वारा रिटेल क्षेत्र में दिए गये ऋण में से 81 प्रतिशत ऋण सरकारी अथवा सार्वजनिक इकाइयों के कर्मियों अथवा बड़ी कम्पनियों के कर्मियों को दिए गये हैं। इन्हें हम सुदृढ़ मान सकते हैं। इसका रहस्य यह है कि ये लोग मूल अर्थव्यवस्था के बाहर हैं। टैक्सी चालक की टैक्सी चले या न चले, ट्रांसपोर्ट ऑफिसर द्वारा लिए गए ऋण की अदायगी हो ही जाएगी, चूंकि उसके वेतन सुरक्षित हैं। हमारे बैंकों द्वारा दिए गये शेष 12 प्रतिशत ऋण छोटी इकाइयों को दिए गये हैं। इनमें भी संकट नहीं दिखता है, जिसके तीन कारण हमें ध्यान में रखने होंगे। पहला यह कि कोविड संकट के दौरान सरकार ने बैंकों को लोन की रिपेमेंट को स्थगित करने को कहा था, जिसे 'मोरिटोरियम' कहा जाता है। इसलिए छोटी इकाइयों पर रिपेमेंट का बोझ तत्काल नहीं पड़ा है। दूसरा कारण यह है कि कोविड संकट के चलते सरकार ने बैंकों को कहा था कि लिए गये ऋण की अदायगी की मियाद को आगे बढ़ा दें, जिसे 'रीशेड्यूल' कहा जाता है। लोन रीशेड्यूल होने के कारण फिलहाल छोटे उद्योगों को रीपेमेंट नहीं करना पड़ा है और बैंकों पर अभी संकट नहीं आया है। तीसरा कारण यह है कि सरकार ने तीन लाख करोड़ रुपये की योजना बनाई है, जिसके अंतर्गत बैंकों द्वारा छोटे उद्योगों को दिए गये अतिरिक्त ऋण की गारंटी केन्द्र सरकार ने ली है। इस योजना के अंतर्गत छोटे उद्योगों द्वारा जो ऋण लिए जा रहे हैं, उसका एक हिस्सा वे पूर्व में बैंकों से लिए गये ऋण की अदायगी के लिए कर रहे हो सकते हैं। जिसके कारण तत्काल उन पर और उन्हें ऋण देने वाले बैंकों पर संकट नहीं आ पड़ा है। यानी इस क्षेत्र कि सुदृढ़ता वर्तमान देनदारी को पीछे हटाने के कारण दिख रही है। समग्रता से अवलोकन करें तो हमारे बैंकों द्वारा 55 प्रतिशत ऋण बड़ी कम्पनियों, विदेशी कम्पनियों और कृषि क्षेत्र को दिए गये जो सुदृढ़ हैं। इनके द्वारा 33 प्रतिशत ऋण जो रिटेल को दिए गये, वे मूलत: सरकारी एवं सार्वजनिक इकाइयों के कर्मियों को दिए गये हैं, इसलिए ये सुदृढ़ हैं। छोटी इकाइयों को जो 12 प्रतिशत ऋण दिए गये, उन पर तत्काल संकट नहीं दिखता है क्योंकि इन्हें मोरिटोरियम आदि के माध्यम से तात्कालिक राहत दे दी गयी है। लेकिन बैंकों द्वारा दिए गये ऋणों की इस वर्तमान स्थिरता का यह अर्थ नहीं है कि हमारी अर्थव्यवस्था सुदृढ़ है और आगे भी इन ऋणों की स्थिति स्थिर बनी रहेगी। वास्तव में देश की अर्थव्यवस्था दो भागों में विभक्त हो गयी है। एक हिस्सा सार्वजनिक इकाइयों और बड़ी कम्पनियों एवं इनके कर्मचारियों का है जो सुदृढ़ है। इस हिस्से को ही हमारे बैंक ऋण दे रहे हैं। एक गणना के अनुसार देश की 133 करोड़ जनता में से 10 करोड़ ही इस हिस्से में आते होंगे। इनके अतिरिक्त जो 123 करोड़ देश के नागरिक हैं, उनकी परिस्थिति कठिन है, जैसा कि दुकानदारों आदि के वक्तव्यों से ऊपर बताया गया है। इन्हें हमारी बैंकिंग व्यवस्था ऋण भी कम ही दे रही है। यानी बैंकों की सुदृढ़ता इसलिए है कि वे आम आदमी और देश की जनता को ऋण दे ही नहीं रहे हैं। उनका कार्य क्षेत्र देश के समृद्ध बड़ी कंपनियों एवं सरकारी कर्मियों तक सिमट कर रह गया है। जब जनता को ऋण देंगे ही नहीं तो संकट कहां से आएगा? बैंकों का जो राष्ट्रीयकरण 1971 में किया गया था, वह आज उलट गया है। इनका राष्ट्रीयकरण इसलिए किया गया था कि ये ग्रामीण और गरीब क्षेत्रों को ऋण देंगे। आज ये उसी क्षेत्र को ऋण से वंचित कर रहे हैं। इसलिए वर्तमान में बैंकों की सुदृढ़ता वैसी ही है जैसे पानी पर तैरता तेल रंगबिरंगी झांकी का अहसास पैदा कराता है अथवा एयरकंडीशन रूम में बैठे हुए को बाहर चलने वाली आंधी का अहसास नहीं होता। देश की अर्थव्यवस्था मूलत: कठिनाई में है। यद्यपि बैंक सुदृढ़ हैं, चूंकि इन्हें देश की अर्थव्यवस्था से कुछ लेना-देना नहीं है और संभवत: आगे भी सुदृढ़ ही रहेंगे।

लेखक आर्थिक मामलों के जानकार हैं।

ज्ञान गंगा

क्रांति यानी आनंद

आचार्य रजनीश ओशो/ ऐसा होता है कि हम अक्सर दुखी रहना ही चुनते हैं। ऐसा क्यों है कि हमें इतना होश नहीं कि यह हमारा ही चुनाव है? यह मनुष्य की समस्याओं में सब से क्लिष्ट समस्या है। इसे गहरे में सोचना होगा, और यह किताबी बात नहीं है। इसका संबंध आपसे है। हर व्यक्ति इसी तरह का व्यवहार कर रहा है। सदा गलत ही चुनने का, सदा उदास, अवसाद से भरे हुए, दुखी रहने का व्यवहार। इसके गहरे कारण रहे होंगे और हां, कारण हैं। पहली बात, व्यक्ति की परवरिश की उसके जीवन में बहुत बड़ी भूमिका है। अगर आप दुखी हैं तो उससे आपको कुछ मिलता है। अगर आप प्रसन्न है तो आप कुछ खोते हैं। शुरु आत में ही एक सचेत बच्चा इस अंतर को समझने लगता है। वह जब भी दुखी होता है, हर व्यक्ति उससे सहानुभूति जतलाता है, उसे सहानुभूति मिलती है। हर व्यक्ति उससे प्रेमपूर्ण होने का प्रयास करता है, उसे प्रेम मिलता है। और इससे भी अधिक ञ्वह जब भी उदास होता है, हर व्यक्ति उसकी ओर ध्यान देता है उसे सभी का ध्यान मिलता है। और यह ध्यान अहंकार की खुराक है। बल्कि यूं कहें कि यह एक नशा है। यह आपको बल देता है। और आप सोचते हैं कि आप कुछ हो। तभी अपनी ओर ध्यान आकर्षित करने की इतनी आवश्यकता, इतनी प्रबल इच्छा रहती है। अगर हर व्यक्ति आपको देख रहा है, आप बड़े हो जाते हैं, अगर आपकी ओर कोई ध्यान नहीं देता तो आपको लगता है जैसे आप हैं ही नहीं, आप नहीं रहे, आप नाकुछ हो गए। लोगों का आपकी ओर ध्यान देने का अर्थ है कि वे आपका ध्यान रखते हैं। इससे आपको बल मिलता है। अहंकार रिश्तों में जीता है। जितने अधिक लोग आपकी ओर ध्यान देंगे उतना आपका अहंकार बढ़ेगा। अगर कोई आपकी ओर नहीं देखता तो अहंकार विसर्जित हो जाता है। अगर कोई आपको भूल गया है तो अहंकार कैसे जिएगा? तो आपको कैसे लगेगा कि आप हैं। तभी तो समाज-संस्थाओं, क्लबों इत्यादि की जरूरत रहती है। क्लब पूरे विश्व में मौजूद हैं, रोटरी, लायंस, मेसोनिक..लाखों क्लब, लाखों ग्रुप, सोसायटी व क्लब केवल इसलिए हैं कि जिन व्यक्तियों की ओर कभी ध्यान न जा सका उनको ध्यान मिल सके। किसी देश का राष्ट्रपति होना तो संभव नहीं है, हां कोर्पोरेशन का मेयर तो हुआ ही जा सकता है। लायंस क्लब का प्रेसिडेंट होना आसान है। तब विशेष समूह आपकी ओर ध्यान देता है। आप बड़े महान हो जाते हैं-बिना कुछ किए।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती हैं।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन हानि की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है। व्यर्थ क विवाद में न पड़ें।

तुला व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मकर राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ के विवाद रहेंगे।

कुम्भ आर्थिक उन्नति के योग हैं। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी लेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। रोजी रोजगार की दिशा में उन्नति होगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के कारण तनाव हो सकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

सशस्त्र बलों में सेवा के अवसर का प्रश्न

अनूप भटनागर

हमारी न्यायपालिका ने हाल के वर्षों में समलैंगिक और ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों को गरिमा के साथ जीने सहित अनेक नागरिक अधिकार प्रदान किये हैं। सवाल उठता है कि क्या भविष्य में सरकार ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों को सशस्त्र बल में सेवा के अवसर प्रदान करेगी। अगर सरकार ऐसा करती है तो क्या ट्रांसजेंडर के लिये सैन्य बलों से संबंधित कानूनों में तीसरे लिंग के रूप में एक अलग वर्ग बनाया जायेगा? जैसा कि राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो में जेल में बंद कैदियों के संबंध में किया गया है। गृह मंत्रालय की इस दिशा में पहल के बावजूद यह सवाल उठने की वजह केरल की एक ट्रांसजेंडर छात्रा की याचिका है जो एनसीसी में पंजीकरण कराना चाहती है लेकिन संबंधित कानूनों में ट्रांसजेंडर के लिये कोई प्रावधान नहीं होने की वजह से वह इससे वंचित है। केन्द्र सरकार का तर्क है कि भारतीय सशस्त्र बल में ट्रांसजेंडर के प्रवेश के लिये कोई प्रावधान नहीं है। इस समय दो ही तरह की पुलिंग और स्त्रीलिंग डिवीजन होती है और तीसरे लिंग के लिये एक नयी डिवीजन गठित करना केन्द्र सरकार का विशेषाधिकार है। यही नहीं, केन्द्र और एनसीसी ने यह भी दलील दी है कि जहां तक एनसीसी कैडेट के रूप में पंजीकरण का संबंध है तो इसके लिये सिर्फ वे छात्र ही पंजीकरण करा सकते हैं जो एनसीसी कानून, 1948 की धारा 6 में प्रतिपादित पात्रता को पूरी करते हों अर्थात सिर्फ पुलिंग और स्त्रीलिंग। एनसीसी कानून, 1948 की धारा 6 (2) के अनुसार किसी भी विश्वविद्यालय या स्कूल की स्त्रीलिंग की डिवीजन में कोई भी छात्रा कैडेट के रूप में अपना पंजीकरण करा सकती है। अब सवाल ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्य के पंजीकरण का है तो केन्द्र सरकार ने केरल उच्च न्यायालय से कहा है कि प्राधिकारियों द्वारा विस्तार से विचार-विमर्श के बगैर पुरुष या स्त्रीलिंग श्रेणी से इतर किसी भी अभ्यर्थी को शामिल करने के गंभीर दूरगामी नतीजे होंगे। इन नतीजों की ओर इशारा करते हुए यह तर्क दिया गया है कि ट्रांसजेंडर को एक कैडेट के रूप में पंजीकृत करने की अनुमति उसे सेवा चयन बोर्ड की परीक्षा में भी शामिल होने का अवसर प्रदान करेगी लेकिन इस समय भारतीय सशस्त्र बलों में ट्रांसजेंडर के प्रवेश के लिये कोई प्रावधान नहीं है। इस मामले की सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय ने एनसीसी में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के पंजीकरण के बारे में कोई नीति तैयार करने में विफल रहने के लिये केन्द्र सरकार की आलोचना भी की है। उच्च न्यायालय ने इस मामले की सुनवाई के दौरान बेहद महत्वपूर्ण टिप्पणी की थी कि दुनिया ने तरक्की कर ली है और सरकार 19वीं सदी में ही नहीं रह सकती है। लेकिन इस दिशा में कोई भी कदम उठाने के लिये सबसे पहले भारतीय सशस्त्र बलों में ट्रांसजेंडरों के प्रवेश के लिये कानूनी प्रावधान करने की आवश्यकता होगी। इस संबंध में उच्चतम न्यायालय के 2014 के फैसले का प्रमुखता से जिक्र किया जा रहा है, जिसमें ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को तीसरा लिंग घोषित करते हुए कहा गया था कि वे भी दूसरे नागरिकों को मिले सभी अधिकारों और सुविधाओं को प्राप्त करने के हकदार हैं। न्यायालय ने 2014 में एक फैसले में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को तीसरा लिंग घोषित करते हुए कहा था कि वे भी दूसरे नागरिकों को मिले सभी अधिकारों और सुविधाओं को प्राप्त करने के हकदार हैं। इसी तरह, सितंबर, 2018 में न्यायालय ने एकांत में सहमति से समलैंगिक यौन संबंधों को अपराध के दायरे से बाहर करते हुए कहा था कि एलजीबीटीक्यू समुदाय के सदस्यों को भी संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारों के तहत गरिमा के साथ जीने का अधिकार है। न्यायालय की 2018 की व्यवस्था के बावजूद अभी भी हमारे देश में समलैंगिक विवाह को मान्यता नहीं है। स्थिति यह है कि इस तरह के कुछ समलैंगिक जोड़े इस समय अपने विवाह के पंजीकरण के लिये कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। कई समलैंगिक जोड़ों की याचिकाओं पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने केन्द्र से जवाब भी मांगा है। लेकिन सामाजिक सोच में तेजी से हो रहे बदलाव को देखते हुए ऐसा लगता है कि दूसरे देशों की तरह ही भारत में भी देर-सवेर इस समुदाय के सदस्यों को सशस्त्र बलों में प्रवेश देने के बारे में सरकार को नीतिगत निर्णय लेना पड़ सकता है। समलैंगिक और ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों के बारे में इस तरह की आशा करने की एक वजह न्यायालय की प्रगतिशील सोच है। इसी सोच का नतीजा है कि केन्द्र ने काफी ना-नुकुर के बाद न्यायालय के हस्तक्षेप करने पर केन्द्र द्वारा सेना और नौसेना में शार्ट सर्विस कमीशन की महिला सैन्य अधिकारियों को स्थाई कमीशन दिया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विरोध के नाम पर दूरसंचार सुविधाओं को नुकसान पहुंचाना, सेवाएं बाधित करना निंदनीय: COAI

नई दिल्ली: दूरसंचार उद्योग के संगठन सीओएआई ने पंजाब में किसानों के विरोध प्रदर्शन के दौरान 1,500 से अधिक मोबाइल टावरों को निशाना बनाए जाने की मंगलवार को कड़ी निंदा की। संगठन ने कहा कि विरोध प्रदर्शन के नाम पर दूरसंचार नेटवर्क के बुनियादी ढांचे के साथ तोड़फोड़ और सेवाओं में व्यवधान निंदनीय है। सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) के महानिदेशक एसपी कोचर ने दूरसंचार सेवाओं को लाखों लोगों की जीवन रेखा बताते हुए कहा कि दूरसंचार सेवाएं बाधित होने से आम आदमियों को काफी असुविधा हो रही है, जिनके लिए मोबाइल सेवाएं आवश्यक हैं। सीओएआई ने एक बयान में कहा, ''हालांकि हम किसी भी मुद्दे पर लोगों के अधिकार का सम्मान करते हैं लेकिन विरोध प्रदर्शन के नाम पर दूरसंचार नेटवर्क के बुनियादी ढांचे में तोड़फोड़ और दूरसंचार सेवाओं को बाधित करने की कड़ी निंदा की जाती है।'' सीओएआई के सदस्यों में रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि तीन नये कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसानों के द्वारा पंजाब में 1,500 से अधिक दूरसंचार टावरों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। इससे कुछ क्षेत्रों में दूरसंचार सेवाएं ठप्प हो गईं।

एलजी ने किया नए क्यूएनईडी मिनी एलईडी टीवी का अनावरण

सोल। एलजी ने अगले साल आयोजित होने वाले वर्चुअल कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स शो (सीईएस) से पहले अपने नए मिनी एलईडी टीवी का अनावरण कर दिया है। इसका नाम एलजी क्यूएनईडी टीवी है। लिक्विड क्रिस्टल डिस्प्ले (एलसीडी) वाले इस टीवी में बैकलाइट के तौर पर अल्ट्रा स्मॉल एलईडी का इस्तेमाल किया गया है। जेडडी नेट की रिपोर्ट के मुताबिक, क्यूएनईडी मिनी एलईडी टीवी का मकसद अन्य एलसीडी मॉडलों की तुलना में अधिक बेहतर ब्राइटनेस और कॉन्ट्रास्ट उपलब्ध कराना है। एलजी की तरफ से पेश किया गया यह नया मॉडल क्वांटम डॉट और नैनोसेल टेक्नोलॉजी से लैस है और इसमें अपने एक लाइट सोर्स के रूप में मिनी एलईडी का इस्तेमाल किया गया है। मिनी एलईडी लाइट एलईडी लाइट का एक ही एक छोटा रूप है, जो एक साथ कई संख्याओं में जोड़े जाते हैं। ये करीब-करीब हजारों की तादात में होते हैं। इसके 8के रिजॉल्यूशन वाले 86 इंच के एलजी क्यूएनईडी टीवी में बैकलाइट के तौर पर 30,000 एलईडी शामिल किए गए हैं। कंपनी का दावा है कि इसका कॉन्ट्रास्ट रेशियो वन मिलियन टू-1 है। ठीक इसी तरह से एलजी ने इस टीवी में क्वांटम डॉट और नैनोसेल टेक्नोलॉजी का उपयोग किया है। कंपनी के मुताबिक, यह पहली बार है, जब इसे किसी टीवी में शामिल किया गया है, ताकि रंगों के प्रदर्शन को और अधिक सटीक और बेहतर बनाया जा सके।

शेयर बाजारों में तेजी जारी, सेंसेक्स, निफ्टी का नया रिकॉर्ड

मुंबई.

वैश्विक और घरेलू बाजारों के सकारात्मक रुख के बीच शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में लाभ दर्ज हुआ और सेंसेक्स तथा निफ्टी अपने नए उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 259.33 अंक या 0.55 प्रतिशत की बढ़त के साथ 47,613.08 अंक के अपने नए रिकॉर्ड पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने अपना सर्वकालिक उच्चस्तर 47,714.55 अंक भी छुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 59.40 अंक या 0.43 प्रतिशत की बढ़त के साथ अपने नए उच्चस्तर 13,932.60 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 13,967.60 अंक के रिकॉर्ड तक गया। सेंसेक्स की कंपनियों में इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई और आईटीसी के शेयर लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर नेस्ले, एनटीपीसी, पावरग्रिड, डॉ रेड्डीज लैब, रिलायंस इंडस्ट्रीज, ओएनजीसी और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में गिरावट आई। अमेरिका द्वारा बहुप्रतीक्षित कोरोना वायरस राहत पैकेज को मंजूरी के बाद सकारात्मक वैश्विक रुख के बीच अन्य एशियाई बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2,300 अरब डॉलर के व्यय विधेयक पर दस्तखत कर दिए हैं। इसमें 900 अरब डॉलर का कोरोना वायरस राहत पैकेज शामिल है। इस बीच,

वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल वायदा 0.88 प्रतिशत की बढ़त के साथ 51.40 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। शेयर बाजारों के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने सोमवार को शुद्ध रूप से 1,588.93 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

भारत ने मलेशिया से आयातित एल्युमीनियम उत्पादों पर निर्यात सब्सिडी की जांच शुरू की

नई दिल्ली: भारत ने मलेशिया द्वारा एल्युमीनियम उत्पादों पर दी जा रही निर्यात सब्सिडी की जांच शुरू कर दी है। इस बारे में घरेलू उद्योग की ओर से शिकायत की गई थी। एक अधिसूचना के अनुसार वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने सब्सिडी रोधी जांच शुरू की है। जांच के जरिए यह पता लगाया जाएगा कि क्या मलेशिया के 'एल्युमीनियम प्राइमरी फाउंड्री अलॉय इन्गोट% के निर्यात के लिए सब्सिडी कार्यक्रम से घरेलू उद्योग प्रभावित हो रहा है। इस उत्पाद का इस्तेमाल मुख्य रूप वाहन और इस्पात एप्लिकेशंस में होता है। वेदांता लि. और भारत एल्युमीनियम कंपनी लि. ने निदेशालय के समक्ष आवेदन दायर कर मलेशिया से आयातित उत्पाद पर सब्सिडी की जांच का आग्रह किया था। इन कंपनियों का आरोप है कि मलेशिया से सब्सिडी वाले आयात की वजह से घरेलू उद्योग प्रभावित हो रहा है। डीजीटीआर की अधिसूचना में कहा गया है कि इन कंपनियों ने इस उत्पाद के आयात पर प्रतिपूर्ति शुल्क लगाने का आग्रह किया है।

आईटीएटी ने टाटा समूह के न्यासों का कर-छूट का दर्जा कायम रखा

नयी दिल्ली, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) ने टाटा समूह के तीन न्यासों (ट्रस्ट) का कर- छूट का दर्जा कायम रखा है। न्यायाधिकरण ने आयकर विभाग के उस आदेश को खारिज कर दिया है, जिसमें इस आधार पर न्यासों के कर छूट वाला दर्जा समाप्त करने की चेतावनी दी गई थी कि इन न्यासों के पास टाटा संस के शेयर हैं। इसके साथ ही आईटीएटी ने टाटा संस के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री द्वारा समूह प्रमुख के पद से हटने के बाद आयकर विभाग को दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए उनकी निंदा की है। आईटीएटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति पीपी भट्ट और उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार की मुंबई पीठ ने 28 दिसंबर को तीन अलग-अलग आदेश पारित कर रतन टाटा ट्रस्ट, जेआरडी टाटा ट्रस्ट और दोराबजी टाटा ट्रस्ट के कर- मुक्त होने के दर्जे को कायम रखा है। आईटीएटी ने कहा कि आयकर विभाग ने मार्च, 2019 में संशोधित आदेश जारी कर इन तीन न्यासों के करमुक्त होने का दर्जा समाप्त करने की जो बात उठाई थी, उसके पीछे कोई कानूनी आधार नहीं है। तीनों न्यासों के पास टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस की करीब 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है। आयकर आयुक्त (छूट) (सीआईटी-ई) ने ट्रस्टों के पास टाटा संस के दशकों पुराने स्वामित्व को पलटने की चेतावनी दी थी। उनका आरोप था कि यह इस तरह की शेयरधारिता आयकार कानूनों के खिलाफ है। टाटा ट्रस्ट ने सीआईटी-ई के दावे को खारिज करते हुए इसके खिलाफ न्यायाधिकरण में अपील की थी। इसके साथ ही आईटीएटी ने मिस्त्री की भी खिंचाई की है। न्यायाधिकरण ने कहा कि मिस्त्री ने जैसा व्यवहार किया है ऐसा कॉरपोरेट दुनिया में सुनने को नहीं मिलता है। न्यायाधिकरण ने निष्कर्ष दिया कि टाटा संस के चेयरमैन पद से हटाए जाने के कुछ सप्ताह बाद मिस्त्री ने आयकर विभाग को कंपनी की अनुमति के बिना दस्तावेज उपलब्ध कराए। इसे 'अंतर्रात्मा की आवाज और नैतिकता' नहीं माना जा सकता।

एविएशन सेक्टर में टाटा का बड़ा फैसला: टाटा संस खरीदेगी एयर एशिया इंडिया की 83.67% हिस्सेदारी

बिजनेस डेस्क:

बहुत जल्द टाटा संस एयर एशिया इंडिया की 83.67 फीसदी तक हिस्सेदारी खरीद लेगी। यह जानकारी सूत्रों से मिली है। एयर एशिया इंडिया टाटा संस और एयर एशिया बर्हाड का जॉइंट वेंचर है। एयर एशिया बर्हाड मलेशिया की एयरलाइन है। इस समय टाटा संस की एयर एशिया इंडिया में 51 फीसदी हिस्सेदारी है, जिसे ये 83.67 फीसदी तक बढ़ाएगी। एयर एशिया इंडिया की 49 फीसदी हिस्सेदारी एयर एशिया बर्हाड के पास है।

क्या है टाटा संस का मकसद

इस नई डील के पीछे 2 बड़े कारण है। पहला मलेशियन एयरलाइंस अपने भारतीय कारोबार से बाहर निकलना चाहती है। दूसरे टाटा संस एयर इंडिया के लिए बोली लगाने के लिए कंपनी तैयार रखना चाहती है। विस्तारा में टाटा संस के अन्य जॉइंट वेंचर पार्टनर सिंगापुर एयरलाइंस को निवेश के लिए राजी किया जाना है। टाटा संस एयर एशिया इंडिया में नियंत्रण हिस्सेदारी खरीदने के लिए कई महीनों से बातचीत कर रही है।

एयर इंडिया को खरीदने में दिलचस्पी

14 दिसंबर को टाटा संस ने एयर इंडिया को खरीदने के लिए दिलचस्पी दिखाई है। इसने सिंगापुर एयरलाइंस को भी निवेश के लिए राजी करने का प्रयास किया। मगर वे अभी तक तैयारी नहीं हुई है। इसका मतलब ये है कि टाटा संस को अपनी अलग एयरलाइन इकाई (एयर एशिया इंडिया) के जरिए ही एयर इंडिया के लिए बोली दाखिल करने की पड़ेगी। एयर इंडिया की बोली में एयर इंडिया एक्सप्रेस और इसकी स्थानीय लो-फेयर इकाई शामिल है।

एयर एशिया इंडिया का प्लान

पिछले महीने एयर एशिया इंडिया ने भारत से बाहर निकलने का साफ संकेत दिया था। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार भारत में ग्रुप को काफी नुकसान हो रहा है। हाल ही में खबर आई थी कि एयर एशिया एयर एशिया इंडिया में केवल 13 फीसदी हिस्सेदारी रखेगी। खबर में बताया गया था कि टाटा संस एयर एशिया इंडिया में हिस्सदारी 87 फीसदी तक बढ़ाएगी। महामारी के बीच अत्यधिक चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का हवाला देते हुए एयरएशिया ने जापान में अपने कारोबार को भी बंद कर दिया है।

नये कृषि कानून से देश के आलू उत्पादकों को फायदा : सीपीआरआई

शिमला।

मोदी सरकार द्वारा लागू नये कृषि कानूनों के विरोध में चले रहे किसान आंदोलन के बीच केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान (सीपीआरआई), शिमला के निदेशक डॉ. मनोज कुमार ने मंगलवार को कहा कि कृषि सुधार कानूनों से देश के आलू उत्पादक किसानों को फायदा होगा। डॉ. कुमार ने कहा कि देश में आलू के विकास एवं किसानों के कल्याण के लिए कृषि सुधार कानून प्रासंगिक हैं। डॉ. कुमार ने आईएएनएस से खास बातचीत में कहा कि देश में लगभग 20 लाख हेक्टेयर रकबा में आलू की खेती होती है और उससे 520 लाख टन आलू का उत्पादन होता है। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में आलू के अधिक उत्पादन के कारण किसानों को अपनी उपज के उचित दाम ना मिलने से काफी नुकसान उठाना पड़ा है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के तहत आने वाले संस्थान, सीपीआरआई के विजन-2050 के अनुसार, अगले तीस वर्षों में आलू का उत्पादन करीब 12.5 करोड़ टन करने का लक्ष्य है जिसके लिए आलू की खेती 35 लाख हेक्टेयर में होगी। सीपीआरआई के निदेशक ने बताया कि अभी जहां आलू के कुल उत्पादन का सिर्फ आठ से नौ फीसदी 8-9 प्रतिशत ही प्रसंस्करण होता है जबकि निर्यात एक फीसदी से भी कम होता है। उन्होंने कहा कि आलू उत्पादन के सतत विकास को देखते हुए इसका प्रसंस्करण बढ़ाकर 21 प्रतिशत और निर्यात दो फीसदी करने की आवश्यकता है। इसलिए प्रसंस्करण जहां अभी 40 लाख टन हो रहा है उसे बढ़ाकर 250 लाख टन करना होगा और निर्यात जो अभी 5 लाख टन हो रहा उसे बढ़ाकर 25 लाख टन करना है। उन्होंने कहा कि इस आलू के महत्वकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने के लिए एवं किसानों के लाभ के लिए नए कृषि सुधारों को अपनाने की आवश्यकता है, जिसमें किसानों तक उन्नत तकनीक व आधारभूत संरचना (शीतगृह निर्माण, उचित परिवहन एवं विपणन व्यवस्था) आदि की जरूरतों की पूर्ति करना संभव होगा। डॉ. कुमार ने कहा, नए कृषि सुधारों के अंतर्गत किसान अपनी उपज को लाभप्रद स्थान पर बेचकर अधिक मुनाफा कमा सकता है। नया कानून किसानों को लाभकारी मूल्य पर अपनी उपज बेचने की स्वतंत्रता देता है। इस बदलाव के जरिए किसानों और व्यापारियों को उपज की बिक्री और खरीद से संबंधित आजादी मिलेगी, जिससे अच्छा माहौल पैदा होगा और दाम भी बेहतर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि किसान अब अपनी उपज देश में कहीं भी, किसी भी व्यक्ति या संस्था को बेच सकते हैं। इसके जरिए सरकार एक देश, एक बाजार की परिकल्पना की बात कर रही है। कृषि में लाए जा रहे बदलावों से किसानों की आमदनी बढ़ेगी, उन्हें नए अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि इससे सबसे ज्यादा फायदा छोटे किसानों को होगा। बागवानी विशेषज्ञ डॉ. कुमार ने कहा कि देश में आलू का उत्पादन 80 प्रतिशत मैदानी भागों में होता है, जहां से यह अन्य राज्यों विशेषकर दक्षिणी भागों तक पहुंचता है, इसलिए एक देश एक बाजार की परिकल्पना से उत्पादक और उपभोक्ता दोनों को लाभ मिलता है। उन्होंने कहा कि कान्ट्रैक्ट फार्मिंग किसानों एवं उद्योगपतियों के मध्य एक सामंजस्य स्थापित करती है। इसके तहत किसानों को उनकी फसलों का लाभकारी दाम मिलना सुनिश्चित होगा और जोखिम को कम करने में सहायक मदद मिलेगी। उन्होंने आईएएनएस को बताया कि आलू की अनुबंधित खेती पिछले कई वर्षों से की जा रही है और इसके अंतर्गत लगभग 50 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग होती है। विशेषकर आलू प्रसंस्करण उद्योगों के अंतर्गत कच्चा माल की आपूर्ति इसी से होती है। उन्होंने कहा कि इससे किसानों को गुणवत्ता युक्त कृषि इनपुट (निवेश) बीज एवं कृषि रसायन मिलना और उद्योगों को वांछित कच्चा माल आपूर्ति की सुनिश्चित हुई है और उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि नये कानून के तहत कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग में केवल किसान की उपज का अनुबंध होगा और उसकी जमीन पर उसका पूरा अधिकार होगा। ये कृषि सुधार किसानों को समानता के आधार पर मुनाफा देने वाले खाद्य उद्योगों एवं निर्यातकों से जुड़ने में सक्षम बनाएगा। डॉ. कुमार ने कहा कि नए कृषि कानून का उद्देश्य किसानों को, स्वयं सहायता समूहों और एफपीओ को कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग से सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि इस क्रम में देश में संचालित किसान रेल आलू उत्पादक किसानों को अपनी उपज देश के उन हिस्सों में भेजने व्यवस्था प्रदान करती है जहां पर आलू की मांग ज्यादा है और उसे उपज की बेहतर कीमत मिल सकती है। किसान रेल एक चलता फिरता कोल्ड स्टोरेज है। इसमें आलू पूरी सुरक्षा के साथ एक जगह से दूसरी जगह पहुंच रहा है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर शुरू किया गया पैसेंजर ट्रैकिंग सिस्टम, यात्रियों को होगा फायदा

बिजनेस डेस्क:

यात्रियों की सुविधा के लिए इंदिरा गांधी इंटरनेशनल हवाई अड्डे पर नई ट्रैकिंग प्रणाली की शुरुआत की गई है। आईजीआई एयरपोर्ट की संचालक संस्था दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (DIAL) के अनुसार, नई यात्री ट्रैकिंग प्रणाली की शुरुआत से यात्रियों का एयरपोर्ट पर प्रतीक्षा समय कम करने, परिचालन क्षमता बढ़ाने और यात्री प्रवाह प्रबंधन को सुनिश्चित करने में एयरपोर्ट के अधिकारियों को मदद मिलेगी। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के मुताबिक, हवाईअड्डे पर यात्रियों को सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण प्रदान करने के लिए कई इनोवेटिव उपाय पेश किए हैं। इसके अलावा टर्मिनल-3 के कई एरिया में कोविड-19 को लेकर सोशल डिस्टेंसिंग को भी बनाए रखा जाएगा।

लगाया गया है सॉफ्टवेयर

बता दें पैसेंजर ट्रैकिंग सिस्टम (PTS) की मदद से विभिन्न स्थानों पर कतार प्रबंधन प्रणाली, चेक-इन और सुरक्षा जांच जैसी विभिन्न प्रक्रियाओं में लगने वाले प्रतीक्षा समय पर लाइव नजर रखी जा सकेगी। डायल ने एक बयान में कहा है कि उसने हवाईअड्डे के टर्मिनल-3 पर एक्सओविस का पीटीएस सॉफ्टवेयर लगाया है, जिससे किसी भी समय हवाईअड्डे के किस क्षेत्र में कितने यात्री हैं और यात्रियों को कितना इंतजार करना पड़ रहा है, इसकी रीयल टाइम की जानकारी मिलती रहेगी।

भेजा जाएगा अधिकारियों को अलर्ट

सॉफ्टवेयर के जरिए जिस भी एरिए में भीड़ होगी वहां पर पहले पूरी टीम को अलर्ट भेजा जाएगा। इसके बाद अगर 10 मिनट तक भीड़ कम नहीं हुई तो प्रबंधन में शामिल उच्चाधिकारियों के पास अलर्ट पहुंच जाएगा।

Air India को पिछले साल 3,600 करोड़ रुपए का हुआ नुकसान

नई दिल्ली:

सरकारी विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया को पिछले वित्त वर्ष में 3,600 करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ा। नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी की मौजूदगी में एयर इंडिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राजीव बंसल ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बंसल ने कहा, ''एयर इंडिया और उसकी पांच उपांगी कंपनियों के वित्त वर्ष 2019-20 के वित्तीय लेखाजोखा को अंतिम रूप दिया जा चुका है। पिछले साल 3,600 करोड़ रुपए का नकद नुकसान हुआ। यह उससे एक साल पहले की तुलना में कम से कम है। एयर इंडिया पर पहले से ही हजारों करोड़ रुपए की देनदारी है। उसके विनिवेश की प्रक्रिया अभी जारी है जिसमें एयर इंडिया और उसकी दो उपांगी कंपनियों में एयर इंडिया की पूरी हिस्सेदारी बेची जाएगी। पुरी ने बताया कि इसके लिए कई अभिरुचि पत्र आए हैं और पांच जनवरी तक उनमें पात्र बोलीदाताओं का चयन करके वित्तीय बोली आमंत्रित की जाएगी। वित्तीय बोली जमा कराने के लिए 90 दिन का समय दिया जाएगा। बंसल ने बताया कि कोविड-काल में उड़ानों पर पूर्ण प्रतिबंध के बाद धीरे-धीरे यात्रियों की संख्या बढ़ने के साथ सरकारी एयरलाइंस के वित्तीय प्रदर्शन में भी सुधार हो रहा है। उन्होंने कोई आंकड़ा साझा नहीं किया लेकिन कहा ''हमारे लिए दूसरी तिमाही पहली तिमाही से बेहतर रही और तीसरी तिमाही दूसरी तिमाही से बेहतर है। उन्होंने बताया कि वंदे भारत मिशन के तहत एयर इंडिया समूह ने अब तक 6,250 से अधिक उड़ानों का संचालन किया है। इनमें 10 लाख यात्री स्वदेश आए हैं जबकि साढ़े छह लाख यात्री विदेश गये हैं।

अमेजन ने किया मेगा सैलेरी डेज सेल का ऐलान

नई दिल्ली।

नए साल के स्वागत में अमेजन डॉट इन ने मंगलवार को मेगा सैलरी डेज का ऐलान किया है, जिसके तहत टीवी, फर्नीचर, होम एप्लायंसेज, स्पोर्ट्स, ऑटो प्रोडक्ट्स, खिलौने सहित कई चीजों पर भारी छूट दी जाएगी। अमेजन पर ग्राहक 1 जनवरी से 3 जनवरी के बीच आकर्षक कीमतों पर अपने पसंदीदा ब्रांड और उत्पादों का चुनाव कर सकेंगे। कंपनी ने अपने एक बयान में कहा है, अमेजन डॉट इन पर मेगा सैलरी डेज के दौरान ग्राहक सैमसंग, एलजी, व्हर्लपूल, आईएफबह, गोदरेज सहित कई बड़े ब्रांड्स के महंगे उत्पादों पर भारी बचत कर सकते हैं। होमटाउन, कॉयरफिट, स्लीपवेल के अलावा बोट, सोनी, जेबीएल पर भी छूट दी जाएगी। सेल में बड़े उपकरणों पर 40 प्रतिशत, सबसे अधिक बिकने वाली वाशिंग मशीनों पर 35 प्रतिशत और एयर कंडीनशर्स पर भी 35 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी। इनके अलावा, माइक्रोवेव पर भी ग्राहक 40 प्रतिशत तक की छूट का आनंद ले पाएंगे और टीवी सेट पर भी 30 प्रतिशत तक की छूट रहेगी। बैंक ऑफ बड़ौदा के क्रेडिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड ईएमआई का उपयोग करने वाले ग्राहकों को 10 प्रतिशत यानि कि 1,250 रुपये तक की तत्काल छूट मिलेगी और ईएमआई लेनदेन पर 1500 रुपये तक की छूट मिलेगी।

ब्रिटेन की उड़ानों पर लगा प्रतिबंध बढ़ाया जा सकता है : पुरी

नई दिल्ली।

नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि ब्रिटेन से आने वाली उड़ानों पर 31 दिसंबर के बाद भी प्रतिबंध जारी रहने की संभावना है। मंत्री के अनुसार, निलंबन से पहले ब्रिटेन और भारत के बीच सप्ताह में 60 से अधिक उड़ानों का परिचालन किया जा रहा था। पुरी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि प्रतिबंध आगे बढ़ाने या नहीं बढ़ाने पर अभी विचार चल रहा है। इस पर फैसला कोविड-19 से निपटने के लिए बने मंत्रियों के समूह को करना है, जिसमें वह भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अस्थायी प्रतिबंध कुछ समय के लिए बढ़ाया जायेगा। ब्रिटेन में कोविड-19 वायरस के एक नये स्ट्रेन का संक्रमण तेजी से फैलने की जानकारी के बाद सरकार ने ब्रिटेन से या वहां से होकर आने वाली उड़ानों के 22 दिसंबर की आधी रात से भारत में उतरने पर प्रतिबंध लगा दिया था। यह प्रतिबंध 31 दिसंबर की आधी रात तक के

लिए लगाया गया था। निलंबन से पहले एयरलाइन कंपनी विस्तारा, एयर इंडिया, वर्जिन अटलांटिक और ब्रिटिश एयरवेज दोनों देशों के बीच उड़ानों का संचालन कर रही थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

» मेलबर्न टेस्ट में टीम इंडिया की बड़ी जीत, 8 विकेट से जीता बॉक्सिंग डे टेस्ट...

पहले टेस्ट में मिली हार का टीम इंडिया ने लिया बदला, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न में हासिल की महाविजय

मेलबर्न। (एजेंसी)।

एडीलेड में मिले जख्मों पर मरहम लगाते हुए भारतीय क्रिकेट टीम ने दूसरे टेस्ट के चौथे दिन मंगलवार को खेल के हर विभाग में ऑस्ट्रेलिया का 'मानमर्दन' करते हुए आठ विकेट से जीत के साथ चार मैचों की श्रृंखला में 1 . 1 से बराबरी कर ली। लंच के समय ऑस्ट्रेलिया को 200 रन पर आउट करने के बाद भारत को मात्र 70 रन का लक्ष्य मिला जिसे उसने दो विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 195 रन पर आउट करने के बाद भारत ने 326 रन बनाये थे। एडीलेड में अपने न्यूनतम टेस्ट स्कोर 36 रन पर आउट होने से मिले जख्मों पर इस जीत से मरहम लगेगा। इसके साथ ही अपने नियमित कप्तान और आईसीसी दशक के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर विराट कोहली की गैर मौजूदगी में मिली इस जीत में अजिंक्य रहाणे ने अपनी कुशल कप्तानी का लोहा मनवाने के साथ पहली पारी में शतक भी ठोका।

रहाणे की कप्तानी में भारत ने अब तक खेले तीनों टेस्ट में जीत दर्ज की है जिनमें दो आस्ट्रेलिया के खिलाफ और एक जीत अफगानिस्तान के खिलाफ मिली। छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने दूसरी पारी में मयंक अग्रवाल (पांच) और चेतेश्वर पुजारा (तीन) के विकेट गंवा दिये। इसके बाद हालांकि शुभमन गिल (36 गेंद में 35 रन) और रहाणे (40 गेंद में 27 रन) ने टीम को जीत तक पहुंचाया। टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले गिल ने दोनों पारियों में आस्ट्रेलिया के खतरनाक तेज आक्रमण को बखूबी झेलकर साबित कर दिया कि वह भविष्य के सितारे हैं। वहीं उमेश यादव के चोटिल होने के बावजूद मोहम्मद सिराज ने उनकी कमी महसूस नहीं होने दी और पहले ही टेस्ट में प्रभावित किया। अपने कल के स्कोर छह विकेट पर 136 रन से आगे खेलते हुए आस्ट्रेलियाई टीम 200 रन पर आउट हो गई। भारत के लिये जसप्रीत बुमराह ने 27 ओवर में दो और सिराज ने 21 . 3 ओवर में 37 रन देकर तीन विकेट लिये। दोनों ने अनुशासित गेंदबाजी करते हुए संयम से काम लिया और सपाट पिच पर बहुत प्रयोग की कोशिश नहीं की। रविचंद्रन अश्विन ने 37 . 1 ओवर में 71 रन देकर दो विकेट लिये जबकि रविंद्र जडेजा ने 14 ओवर में 28 रन देकर दो विकेट चटकाये।

आस्ट्रेलिया के लिये कैमरन ग्रीन और पैट कमिंस ने सातवें विकेट के लिये 57 रन जोड़े लेकिन दूसरी नयी गेंद का सामना नहीं कर सके। ग्रीन ने 146 गेंद में 45 रन बनाये जबकि कमिंस ने 103 गेंद में 22 रन की पारी खेली। रहाणे ने चौथे दिन सुबह बुमराह से तीन ओवर का स्पैल ही कराया क्योंकि गेंद पुरानी होने से मदद नहीं मिल रही थी। इसके बाद उन्हें हटा दिया ताकि वह दूसरी नयी गेंद से तरोताजा होकर गेंदबाजी कर सके। बुमराह ने कप्तान के फैसले को सही साबित करते हुए दूसरी नयी गेंद से कमिंस का विकेट लिया। उनके बल्ले और जबड़े के बीच उछली गेंद को दूसरी स्लिप में मयंक अग्रवाल ने लपका। ग्रीन ने सिराज को पूल शॉट खेलने का प्रयास किया लेकिन मिडविकेट पर जडेजा ने कैच लपक लिया। इसके बाद सिराज ने नाथन लियोन को विकेट के पीछे ऋषभ पंत के हाथों लपकवाया। पहले सत्र में भारतीयों ने ढीली गेंदें नहीं फेंकी लेकिन आक्रमण खतरनाक भी नहीं दिखा। इसका श्रेय ग्रीन और कमिंस को भी जाता है जिन्होंने कोई जोखिम नहीं लिया। दोनों ने 192 गेंदों में 50 रन की साझेदारी की।

कप्तान रहाणे ने की गिल और सिराज की जमकर तारीफ, दिया जीत का श्रेय

मेलबर्न। भारतीय कप्तान अजिंक्य रहाणे ने ऑस्ट्रेलिया को दूसरे टेस्ट में हराकर श्रृंखला में बराबरी के बाद टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले शुभमन गिल और मोहम्मद सिराज की तारीफ की। एडीलेड में पहले टेस्ट में न्यूनतम टेस्ट स्कोर 36 रन पर आउट होने के दस दिन बाद भारत ने आस्ट्रेलिया को आठ विकेट से हराया। गिल ने नाबाद 35 और 45 रन की पारियां खेली जबकि सिराज ने मैच में पांच विकेट लिये। रहाणे ने मैच के बाद कहा ,'' मुझे सभी खिलाड़ियों पर गर्व है। मैं सिराज और गिल को श्रेय देना चाहूंगा जिन्होंने जबर्दस्त जीवट का प्रदर्शन किया। एडीलेड में मिली हार के बाद ऐसा प्रदर्शन देखना सुखद था।'' उन्होंने कहा कि नये खिलाड़ियों के लिये लगातार अनुशासित प्रदर्शन कर पाना आसान नहीं होता लेकिन गिल और सिराज ने दिखाया कि यह कैसे किया जाता है। उन्होंने कहा ,'' शुभमन के प्रथम श्रेणी कैरियर और उसके खेल के बारे में हम सभी जानते हैं। उसने इस स्तर पर अपने स्वाभाविक शॉट्स जिस तरह से खेले, उसकी परिपक्वता भी पता चलती है।''

भारत से मिली हार के बाद स्टीव स्मिथ ने दिया रविचंद्रन अश्विन को लेकर ये बयान

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने मंगलवार को स्वीकार किया कि उन्होंने भारतीय आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को दबाव बनाने का मौका दिया और अपने कैरियर में किसी स्पिनर को उन्होंने ऐसा पहले करने नहीं दिया था। भारत के खिलाफ मौजूदा टेस्ट श्रृंखला में स्मिथ अभी तक कोई उल्लेखनीय पारी नहीं खेल सके हैं। भारत ने दूसरा टेस्ट आठ विकेट से जीतकर श्रृंखला में 1 . 1 से बराबरी की। स्मिथ ने सेन रेडियो से कहा ,'' मैंने अश्विन को उतना अच्छे से खेला नहीं है, जितना खेलना चाहिये था। मुझे उस पर दबाव बनाना चाहिये था।'' उन्होंने कहा ,'' मैंने उसे हावी होने दिया। ऐसा अपने कैरियर में किसी स्पिनर को मैंने नहीं करने दिया था। '' उन्होंने कहा कि वह लंबी पारी खेलने को बेकरार है जो इस साल हो नहीं पा रहा है। उन्होंने कहा ,''यह दोधारी तलवार है लेकिन मुझे लगता है कि मुझे आत्मविश्वास के साथ अपना स्वाभाविक खेल खेलना होगा। मैं क्रीज पर टिककर खेलना चाहता हूं जो सबसे जरूरी है। इस साल मैंने सबसे लंबी पारी 64 गेंदों की खेली है जो वनडे मैच में खेली थी।''

तेंदुलकर, कोहली समेत क्रिकेट जगत ने की मेलबर्न टेस्ट जीतने पर भारतीय टीम की जमकर तारीफ

नयी दिल्ली। सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली समेत भारतीय क्रिकेट जगत ने एडीलेड में मिली शर्मनाक हार के बाद मेलबर्न टेस्ट जीतकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वापसी करने वाली भारतीय टीम की तारीफ की। अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में भारत ने दूसरा टेस्ट आठ विकेट से जीतकर श्रृंखला में 1 . 1 से बराबरी की। रहाणे ने मोर्चे से अगुवाई करते हुए पहली पारी में 112 रन बनाये। तेंदुलकर ने ट्वीट किया ,''विराट, रोहित, ईशांत और शमी के बिना टेस्ट जीतना बड़ी उपलब्धि है। टीम इंडिया ने पहले टेस्ट की हार को भुलाकर जो जज्बा दिखाया, वह काबिले तारीफ है। शानदार जीत। शानदार प्रदर्शन टीम इंडिया।'' पहले टेस्ट में कप्तानी के बाद पितृत्व अवकाश पर स्वदेश लौटे कोहली ने कहा ,'' क्या शानदार जीत है। पूरी टीम का शानदार प्रयास। मैं टीम के लिये और खास तौर पर अजिंक्य रहाणे के लिये बहुत खुश हूं जिसने उम्दा कप्तानी की। यहां से अब आगे और ऊपर जाना है।''

कोच रवि शास्त्री ने कहा, क्रिकेट इतिहास की सबसे शानदार वापसी में से एक

मेलबर्न। भारत के मुख्य कोच रवि शास्त्री ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में मंगलवार को अपनी टीम की आठ विकेट की जीत को खेल के इतिहास की 'सबसे शानदार वापसी में से एक' करार दिया। भारत को एडीलेड में पहले टेस्ट में शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा था। एडीलेड में पहले टेस्ट की दूसरी पारी में टीम के 36 रन पर सिमटने के बाद शास्त्री ने दूसरे टेस्ट में शानदार प्रदर्शन के लिए पूरी टीम की सराहना की और इस दौरान पदार्पण कर रहे शुभमन गिल और मोहम्मद सिराज की विशेष तारीफ की। शास्त्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह भारतीय क्रिकेट ही नहीं बल्कि विश्व क्रिकेट में खेल के इतिहास की सबसे शानदार वापसी में से एक होगी।' उन्होंने कहा, '36 रन पर आउट होने के बाद तीन दिन में हार जाना और फिर इसके बाद पलटवार के लिए तैयार रहना शानदार है। लड़कों ने जो जज्बा दिखाया उसके लिए वे श्रेय के हकदार हैं। यह असली जज्बा है।' पूर्व भारतीय आलराउंडर शास्त्री का मानना है कि कोविड-19 महामारी से प्रभावित साल में इस तरह की जीत से निश्चित तौर पर भारतीय प्रशंसकों के चेहरे पर खुशी लौटेगी।

भारत से हार के बाद टीम ऑस्ट्रेलिया को लगा एक और झटका; पूरी टीम पर 40 प्रतिशत जुर्माना

मेलबर्न। (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम पर भारत के खिलाफ मंगलवार को यहां संपन्न दूसरे टेस्ट में धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का 40 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और साथ ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में चार अंक काटे गए। आईसीसी मैच रैफरी डेविड बून ने पाया कि आस्ट्रेलियाई टीम ने निर्धारित समय में दो ओवर कम फेंके हैं जिसके बाद टिम पेन की टीम को यह सजा सुनाई गई। भारत ने दूसरा टेस्ट आठ विकेट से जीता। आईसीसी ने बयान में कहा, ''खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ से जुड़ी आईसीसी आचार संहित के नियम 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर गति के अपराध से जुड़ा है, खिलाड़ियों पर अपनी टीम के निर्धारित समय में प्रत्येक ओवर कम फेंकने के लिए उनकी मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।''

बयान के अनुसार, ''इसके अलावा आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के खेलने के हालात के नियम 16.11.2 के अनुसार टीम पर प्रत्येक कम ओवर फेंकने के लिए दो अंक का जुर्माना लगाया जाता है। नतीजतन, आस्ट्रेलिया के कुल अंकों से चार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक काट दिए गए।'' आईसीसी ने कहा, ''पेन ने अपराध स्वीकार कर लिया और प्रस्तावित सजा भी स्वीकार कर ली इसलिए औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी।'' ये आरोप मैदानी अंपायरों ब्रूस आक्सेनफोर्ड और पॉल रीफेल, तीसरे अंपायर पॉल विल्सन और चौथे अंपायर गेरार्ड एबूड ने लगाए थे। आस्ट्रेलिया (0.766) जीते हुए प्रतिशत अंकों के आधार पर अभी शीर्ष पर चल रहा है जबकि उसके बाद (0.722) और न्यूजीलैंड (0.625) का नंबर आता है।

दक्षिण अफ्रीका ने श्रीलंका को पारी के अंतर से हराया, सीरीज में ली 1-0 की बढ़त

सेंचुरियन। (एजेंसी)।

दक्षिण अफ्रीका ने चोटिल खिलाड़ियों की समस्या से जूझ रहे श्रीलंका को पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में मंगलवार को यहां पारी और 45 रन से करारी शिकस्त देकर दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बनायी। श्रीलंका के पांच खिलाड़ी चोटिल हैं जिनमें से धनंजय डिसिल्वा दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिये भी नहीं उतरे। श्रीलंका की टीम अपनी दूसरी पारी में चौथे दिन लंच के कुछ देर बाद 180 रन पर आउट हो गयी। यह मैच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है और इस तरह से दक्षिण अफ्रीका को जीत से 60 अंक मिले। श्रीलंका की तरफ से कुसाल परेरा (64) और अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे वाहिंदु हसरंगा (59) ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करके अर्धशतक जमाये जिससे हार का अंतर कुछ कम हुआ।

दक्षिण अफ्रीका के लिये लुंगी एनगिडी, एनरिच नोर्जे, वियान मुल्डेर और लुथो सिपाम्ला ने दो - दो विकेट लिये। श्रीलंका ने अपनी पहली पारी में 396 रन बनाकर अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने इसके जवाब में फाफ डुप्लेसिस के 199 रन की मदद से 621 रन का विशाल स्कोर बनाकर 225 रन की बढ़त हासिल की थी। इस मैच में श्रीलंका के पांच खिलाड़ी चोटिल हो गये। आलराउंडर धनंजय डिसिल्वा पहली पारी में 79 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गये थे। तेज गेंदबाज कासुन रजिता केवल 2.1 ओवर कर पाये। उनके अलावा दिनेश चंदीमल, लाहिरू कुमारा और हसरंगा भी चोटिल हुए। श्रीलंका ने सुबह दो विकेट पर 65 रन से आगे खेलना शुरू किया तथा नौ ओवर के अंदर दिनेश चंदीमल (25), निरोशन डिकवेला (10) और परेरा के विकेट गंवा दिया।

इसके बाद दासुन शनाका (छह) और विश्व फर्नांडो (शून्य) भी लंच से पहले पवेलियन लौट गये। वियान मुल्डर ने इनमें से दो विकेट लिये। उन्होंने चोटिल चंदीमल को बोल्ड किया तथा डिकवेला को विकेट के पीछे कैच देने के लिये मजबूर किया। परेरा ने अपनी पारी में 10 चौके लगाये। हसरंगा को दौड़ने में दिक्कत हो रही थी और इसलिए उन्होंने लंबे शॉट लगाये। अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे हसरंगा ने अपनी 53 गेंद की पारी 12 चौके और एक छक्का लगाया। दूसरा टेस्ट मैच तीन जनवरी से जोहानिसबर्ग में खेला जाएगा।

एफसी गोवा की रक्षापंक्ति की कमजोरियों का फायदा उठाना चाहेगा हैदराबाद एफसी

वास्को। (एजेंसी)

लगातार दो हार से अंकतालिका में नीचे खिसकने वाली हैदराबाद एफसी की टीम इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में बुधवार को होने वाले मैच में एफसी गोवा की रक्षापंक्ति की कमजोरियों का फायदा उठाकर जीत की राह पकडना चाहेगी। हैदराबाद की टीम अंकतालिका में आठवें नंबर पर है। दूसरी तरफ गोवा छठे स्थान पर है लेकिन कमजोर रक्षापंक्ति उसके लिये चिंता का विषय है। उसने 10 गोल किये हैं लेकिन साथ ही नौ गोल भी खाये हैं। टीम ने अब तक एक मैच को छोड़कर बाकी मैचों में गोल खाये हैं।

हैदराबाद के कोच मैनुअल मारक्वेज गोव की कमजोरी से अवगत हैं और वह जानते हैं कि उनके पास यहां जीत का मौका रहेगा। मारक्वेज ने कहा, '' इस तरह की चीजें (गोल खाना) फुटबॉल में आम बात है। अगर आप आक्रामक टीम है, तो डिफेंस में आपके साथ समस्या हो सकती है। उनके पास अच्छे खिलाड़ी है और हर कोई यह जानता है। '' गोवा के कोच जुआन फेरांडो का ध्यान भी टीम की रक्षापंक्ति पर लगा है। उन्होंने कहा, ''सबसे पहले, मैं तीन गोल खाने को लेकर चिंतित नहीं हूं। अगर हम तीन गोल खाते हैं, तो हम चार गोल करते हैं लेकिन हम रक्षापंक्ति पर काम कर रहे हैं।

न्यूजीलैंड के पूर्व टेस्ट बल्लेबाज जॉन एफ रीड का निधन, 64 वर्ष कि आयु में ली अंतिम सांस

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के लिए 19 टेस्ट में छह शतक जड़ने वाले जॉन एफ रीड का निधन हो गया है। वह 64 बरस के थे। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने मंगलवार को उनके निधन की पुष्टि की। वह लंबे समय से बीमार थे। रीड ने नवंबर 1985 को ब्रिसबेन के गाबा मैदान में 108 रन की पारी खेलकर आस्ट्रेलिया के खिलाफ न्यूजीलैंड की पारी और 41 रन की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। बायें हाथ के बल्लेबाज रीड ने मार्टिन क्रो (188) के साथ तीसरे विकेट के लिए उस समय के रिकॉर्ड 225 रन की साझेदारी की थी जिससे न्यूजीलैंड ने अपनी एकमात्र पारी में सात विकेट पर 553 रन बनाए थे।

केएल राहुल साल 2020 में वनडे में विराट कोहली से आगे रहे, रोहित शर्मा का हाल रहा कुछ ऐसा

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

साल 2020 में कोविड-19 महामारी की वजह से कई क्रिकेट सीरीज रद्द हुई। मार्च के आखिरी से लेकर नवंबर तक टीम इंडिया ने कोई भी वनडे सीरीज नहीं खेली। इस साल भारत ने तीन वनडे सीरीज खेली जिसमें मार्च से पहले ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन-तीन मैचों की सीरीज शामिल थी तो वहीं ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तीन मैचों की वनडे सीरीज में भी भारत ने हिस्सा लिया। भारत ने इस साल कुल 9 वनडे मैच खेले जिसमें सबसे ज्यादा रन बनाने का कमाल केएल राहुल ने किया।

केएल राहुल ने 2020 में वनडे में बनाए सबसे ज्यादा रन: साल 2020 में केएल राहुल ने कुल 9 वनडे मैचों में हिस्सा लिया और इसकी 9 पारियों में 55.37 की औसत से 443 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने एक शतक और 3 अर्धशतक लगाया जबकि 29 चौके व 16 छक्के लगाए। भारत की तरफ से इस साल वनडे में सबसे ज्यादा रन केएल ने ही बनाए जबकि दूसरे नंबर पर विराट कोहली रहे जिन्होंने 9 मैचों में 47.88 की औसत से 431 रन बनाए। उन्होंने कुल 5 अर्धशतक लगाए और उनके बल्ले से इस साल 35 चौके व 5 छक्के निकले। इस साल रन बनाने के मामले में वो दूसरे नंबर पर रहे। रोहित शर्मा की बात करें तो वो इस साल वनडे में रन बनाने के मामले में सातवें नंबर पर रहे और 3 मैचों में 171 रन बनाए।

2020 में भारत की तरफ से वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप 7 बल्लेबाज-

केएल राहुल- 9 मैच- 443 रन
विराट कोहली- 9 मैच- 431 रन
श्रेयस अय्यर- 9 मैच- 331 रन
शिखर धवन- 6 मैच- 290 रन
रवींद्र जडेजा- 9 मैच- 223 रन
हार्दिक पांड्या- 3 मैच- 210 रन
रोहित शर्मा- 3 मैच- 171 रन

2020 में तीन भारतीय बल्लेबाजों ने वनडे में लगाए शतक- साल 2020 में भारत की तरफ से तीन खिलाड़ियों ने वनडे में शतक लगाए। इनमें श्रेयस अय्यर, केएल राहुल व रोहित शर्मा शामिल रहे। श्रेयस ने 103 रन, केएल राहुल ने 112 रन जबकि रोहित शर्मा ने इस साल वनडे की सबसे बड़ी 119 रन की पारी खेली। विराट कोहली इस साल वनडे में एक भी शतक लगाने में कामयाब नहीं रहे और उनका बेस्ट स्कोर 89 रन रहा।

सबसे ज्यादा छक्के केएल राहुल ने लगाए-

वर्ष 2020 में वनडे क्रिकेट में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा छक्के केएल राहुल ने लगाए। उन्होंने 9 मैचों में कुल 16 छक्के जड़े जबकि दूसरे नंबर पर मौजूद रवींद्र जडेजा ने 9 मैचों में 8 छक्के लगाए तो वहीं हार्दिक पांड्या व रोहित शर्मा ने तीन-तीन वनडे मैचों में 6-6 छक्के लगाए।

इरफान खान की लास्ट फिल्म साल 2021 में बड़े पर्दे पर होगी रिलीज

अभिनेता इरफान खान की आखिरी फिल्म 'द सॉन्ग ऑफ स्कॉर्पियन्स' 2021 में बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। 'पैनोरामा स्पॉटलाइट' के निर्माता एवं निर्देशक' अभिषेक पाठक ने एक बयान में कहा, '' हम इस फिल्म को दर्शकों को भारतीय सिनेमा के प्रिय सितारे को श्रद्धांजलि देने के रूप में पेश करेंगे। '' 'पैनोरामा एंड 70एमएम' ही फिल्म को 2021 की शुरुआत में भारत में रिलीज करेगा।

फिल्म का लेखन और निर्देशन अनूप सिंह ने किया है। अभिनेता इरफान का 54 साल की उम्र में इस साल अप्रैल में निधन हो गया था। वह फिल्म में ऊंट के व्यापारी की भूमिका में नजर आएंगे।

पति शोएब इब्राहिम की इस आदत से परेशान हुई दीपिका कक्कड़, कई बार हो चुकी है लड़ाई

टीवी जगत में कई ऐसी जोड़ियां है जिसको लोग साथ में देखना काफी पसंद करते हैं। कुछ टीवी शो में कपल की केमिस्ट्री लोगों को इतनी पसंद होती है कि वह चाहते हैं कि ये सितारें निजी जिंदगी में भी साथ रहे। ऐसा ही एक कपल हैं दीपिका कक्कड़ और शोएब इब्राहिम। ससुराल सिमर का शो में दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया। शो भी काफी लंबे समय तक चला था। साथ में काम करते-करते दोनों नजदीक आये। दोनों की दोस्ती प्यार में बदली और फिर शादी। दीपिका और शोएब की शादी ने काफी सुर्खियां बटौरी क्योंकि दोनों के धर्म अलग-अलग थे। इसे लेकर काफी विवाद भी हुआ था।

2018 में दोनों की शादी हुई थी विवादों के बाद दीपिका कक्कड़ बिग बॉस 12 में भी नजर आयी। उन्होंने शो जीता भी था। अब लंबे समय से दीपिका कक्कड़ और शोएब फिल्मों और शो से दूर हैं। दूरी बनाने के बाद भी दीपिका सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती है। वह अपनी और पति के साथ तस्वीर शेयर करती है। इसके अलावा वह यूट्यूब पर वह वीडियो भी शेयर करती करती है। हाल ही में उन्होंने एक वीडियो में बताया कि उनकी शोएब के साथ किस बात पर लड़ाई होती है।

वीडियो में उन्होंने बताया कि शोएब को सुबह उठकर किसी से बात करना पसंद नहीं है। वह सुबह उठने के बाद काफी देर तक शांत और गुस्से में रहते है। उस समय कोई उनसे बात करता है तो वह इरिटेट हो जाते हैं और गुस्सा करते हैं। ये बात मुझे पहले बिलकुल अच्छी नहीं लगती थी। हमारा कई बार इस बात पर झगड़ा हुआ है। अब धीरे-धीरे मैंने एडजस्ट कर लिया है। मैं सुबह के समय पेस के साथ समय बिताती हूं।

आपको बता दे कि लंबे समय से दोनों ने छोटे-बड़े पर्दे से दूरी बना रखी है। बिग बॉस 12 जीतने के बाद दीपिका कक्कड़ को एक शो कहा हम कहा तुम मिला था लेकिन शो को कुछ खास रिस्पॉन्स नहीं मिला। वहीं शोएब को इश्क में मरजावां में देखे गये थे।

सैफ अली खान की 'तांडव' से रिलीज हुए कास्ट के शानदार पोस्टर, खेला जाएगा राजनीतिक दंगल

अमेज़न प्राइम वीडियो पर सैफ अली खान की आगामी हिंदी वेब सीरीज तांडव रिलीज होने वाली है। सीरीज का टीजर हाल ही में रिलीज किया गया था जिसमें किरदारों की झलक दिखाई पड़ी थी। अब अमेजन ने अपने ऑफिशियल अकाउंट पर तांडव की कास्ट के पोस्टर रिलीज किए हैं। मुख्य भूमिका में सैफ अली खान हैं, इसके अलावा सीरीज का सपोर्टिंग एक्टर्स के साथ दमदार कास्ट है। यह श्रृंखला अली अब्बास जफर द्वारा निर्देशित एक राजनीतिक नाटक होगी।

पहले पोस्टर में सैफ को एक भावुक नेता के रूप में दिखाया गया है, जो जनता को उनके साथ चलने के लिए प्रेरित करते है। वह एक नीले रंग के कुर्ते में एक ग्रे जैकेट के साथ नजर आ रहे हैं, जो शो में शायद उनकी राजनीतिक पार्टी के पीले और नीले झंडे से घिरा है। पोस्टर पर लिखा है, 'राजनीति में, आप केवल सत्ता के साथ एक रिश्ता साझा करते हैं।'

एक दूसरे पोस्टर में अनुभवी एक्ट्रेस डिंपल कपाड़िया साड़ी में रुद्राक्ष माला पहने हुए दिखाई दे रही हैं। इस पोस्टर के साथ लिखा है- हर खिलाड़ी को राजनीति में केवल एक ही मौका मिलता है। एक तीसरे पोस्टर में मोहम्मद को दिखाया गया है। चौछे में जीशान अय्यूब और कृतिका कामरा को दो कार्यकर्ता के रूप में और अंतिम पोस्टर में अभिनेता सुनील ग्रोवर और उनके पीछे सैफ हैं।

मुन्ना भाई 3 के बनने में हो रही देरी को लेकर नाराज हैं अरशद वारसी

बॉलीवुड एटर अरशद वारसी 'मुन्ना भाई 3' बनने में हो रही देरी पर अपनी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने बताया कि फिल्म के लिए तीन स्क्रिप्ट लगभग तैयार है लेकिन फिर भी इसके निर्माण में दिलचस्पी नहीं दिखाई जा रही है। विधु विनोद चोपड़ा ने साल 2003 में संजय दा और अरशद वारसी को लेकर 'मुन्नाभाई एमबीबीएस' बनाई थी। इसके बाद साल 2006 में इस सीरीज की अगली फिल्म 'लगे रहो मुन्नाभाई रिलीज हुई थी लेकिन इसका तीसरा पार्ट फिल्म कुछ समय से निमार्णाधीन है। अरशद वारसी ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि इसके निर्माण में देर यों हो रही है।

अरशद वारसी ने एक इंटरव्यू में कहा, 'यह सबसे विचित्र बात है योंकि तीन पटकथाएं लगभग तैयार हैं और निर्माता भी फिल्म बनाना चाहते हैं। निर्देशक, अभिनेता और दर्शक भी तैयार हैं जो फिल्म देखना चाहते हैं फिर भी फिल्म नहीं बन रही है।'' इससे पहले अरशद वारसी ने 'मुन्ना भाई 3' की रिलीज को लेकर कहा था कि ऐसा होना मुश्किल है।

अरशद वारसी ने हिंदुस्तान टाइस को दिए इंटरव्यू में कहा कि 'मुन्ना भाई 3' के आने की संभावनाएं काफी कम हैं। अरशद ने कहा कि फिल्म के डायरेटर राजकुमार हीरानी कुछ अन्य प्रोजेक्ट्स में बिजी हैं। मजाकिया अंदाज में अरशद ने कहा, ''ऐसा कुछ नहीं होने वाला। मुझे लगता है कि आप लोगों को विधु विनोद चोपड़ा और राजू के घर जाना चाहिए और उन्हें इस पर तेजी से काम करने के लिए कहना चाहिए। मुझे नहीं लगता कि यह होने वाला है। काफी लंबा वत बीत गया है और राजकुमार हीरानी अब कुछ और प्रोजेक्ट्स में बिजी हैं। यह हमारे लिए दुख की बात है।

रोहित शेट्टी के साथ रणवीर सिंह ने शुरू किया 'सर्कस'

अभिनेता रणवीर सिंह और फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी 2018 में रिलीज हुई हिट फिल्म सिम्बा के दो साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। दोनों वर्तमान में अपनी अगली फिल्म सर्कस पर भी काम कर रहे हैं। फिल्म को लेकर कुछ समय पहले ही रोहित शेट्टी ने घोषणा की थी, अब फिल्म पर रणवीर सिंह के साथ मिलकर काम भी शुरू कर दिया है। रणवीर ने सोमवार को फिल्म के सेट से एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर साझा की। तस्वीर में आप उन्हें एक रंगीन पोशाक और टोपी में देख सकते हैं।

साझा की गयी तस्वीर में रोहित शेट्टी वॉकी-टॉकी लेकर बैठे दिखाई पड़ रहे हैं और रणवीर सिंह को हवा में छलांग लगाते हुए उनकी ओर कूदते हुए देखा जा सकता है। तस्वीर को शेयर करते हुए बाजीराव ने लिखा 'सार्कस के सेट पे सिम्बा 2 की फीलिडंग!

फिल्म सिंबा 2018 दिसंबर में रिलीज हुई थी। फिल्म रोहित शेट्टी की पुलिस स्वैग पर आधारित तीसरी सीरीज थी। फिल्म सिंबा में रणवीर सिंह के साथ सारा अली खान नजर आयी थी रोहित शेट्टी ने सिंबा से पहले अजय देवगन अभिनीत सिंघम और सिंघम रिटर्न्स बनायी थी जो पुलिस की हीरोगीरी पर आधारित थी। फ्रैंचाइज़ी की चौथी फिल्म, सूर्यवंशी, इस गर्मी 2020 में रिलीज़ होने वाली थी, लेकिन कोरोनोवायरस महामारी के कारण अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई थी। इसमें अक्षय कुमार, रणवीर और अजय एक साथ मुख्य भूमिका में हैं।

'हॉटस्टार' की सीरीज 'हनुमान' में नजर आएंगी शेफाली शाह

अभिनेत्री शेफाली शाह ओटीटी मंच 'हॉटस्टार' की आने वाली वेब सीरीज 'हनुमान' में नजर आएंगी। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अदाकारा ने इंस्टाग्राम पर रविवार रात अपने प्रशंसकों को यह जानकारी दी। शेफाली ने सीरीज का पोस्टर साझा करते हुए लिखा, '' नए सफर की शुरुआत... नया किरदार निभाने को उत्साहित हूं..घबराई हुई भी हूं.... पहले कभी ऐसा कोई किरादार नहीं निभाया... 'हॉटस्टार' की वेब सीरीज।''

उनकी पोस्ट के अनुसार 'हनुमान' की कहानी मोजेज सिंह, इशानी बनर्जी, स्तुति नायर और आसिफ मोयल ने लिखी है। इसका निर्माण शेफाली के पति एवं फिल्मकार विपुल अमृतलाल शाह करेंगे।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नववर्ष
नव उमंग जीवन का नव प्रवाह

लीजिये, हंसता और मुस्कुराता, खिलखिलाकर नव उल्लास बिखराता, निराशा को भगाता और आशा को बटोरता नया वर्ष फिर से आ गया। चारों ओर देखिये, पेड़ नये पों और कलियों के आगमन से कैसे झूम रहे हैं। पेड़-पौधे मुक्तहस्त होकर सुगंध बांट रहे हैं। भला कौन वह मूर्ख होगा, जो परिवार में आ रहे नये सदस्यो को देख खुश न हो। पशु हो या पक्षी, मानव हो या वनस्पति; सब पुराने के जाने पर दुखी होते हैं; पर वह दुख नवआगत के स्वागत के कारण धूमिल भी हो जाता है। यही सृष्टि का नियम है, इसलिए आज सब खुश है। आखिर यों न हों, नया साल जो आया है।

नववर्ष यानी वर्ष का पहला दिन 1 जनवरी को मनाया जाता है। इस दिन के साथ दुनिया के ज़्यादातर लोग अपने नए साल की शुरुआत करते हैं। नए का आत्मबोध हमारे अंदर नया उत्साह भरता है और नए तरीक़े से जीवन जीने का संदेश देता है। हालांकि ये उल्लास, ये उत्साह दुनिया के अलग-अलग कोने में अलग-अलग दिन मनाया जाता है योंकि दुनिया भर में कई कैलेंडर हैं और हर कैलेंडर का नया साल अलग-अलग होता है। एक अनुमान के अनुसार अकेले भारत में ही क़रीब 50 कैलेंडर (पंचांग) हैं और इनमें से कई का नया साल अलग दिनों पर होता है।

1 जनवरी को मनाया जाने वाला नववर्ष दरअसल ग्रेगोरियन कैलेंडर पर आधारित है। इसकी शुरुआत रोमन कैलेंडर से हुई है। पारंपरिक रोमन कैलेंडर का नववर्ष 1 मार्च से शुरू होता है। प्रसिद्ध रोमन सम्राट जूलियस सीज़र ने 47 ईसा पूर्व में इस कैलेंडर में परिवर्तन किया और इसमें जुलाई माह जोड़ा। इसके बाद उसके भतीजे के नाम के आधार पर इसमें अगस्त माह जोड़ा गया। दुनिया भर में आज जो कैलेंडर प्रचलित है, उसे पोप ग्रेगोरी अष्टम ने 1582 में तैयार किया था। ग्रेगोरी ने इसमें लीप ईयर का प्रावधान किया था। ईसाइयों का एक अन्य पंथ ईस्टर्न आर्थोडॉस चर्च तथा इसके अनुयायी ग्रेगोरियन कैलेंडर को मान्यता न देकर पारंपरिक रोमन कैलेंडर को ही मानते हैं। इस कैलेंडर के अनुसार नया साल 14 जनवरी को मनाया जाता है। इस कैलेंडर की मान्यता के अनुसार जॉर्जिया, रूस, यरूशलम, सर्बिया आदि में 14 जनवरी को नववर्ष मनाया जाता है।

भारत में नववर्ष

भारत कैलैंडरों के मामले में कम समृद्ध नहीं है। इस समय देश में विक्रम संवत, शक संवत, हिजरी संवत, फसली संवत, बांग्ला संवत, बौद्ध संवत, जैन संवत, खालसा संवत, तमिल संवत, मलयालम संवत, तेलुगु संवत आदि अनेक प्रचलित हैं। इनमें से हर एक के अपने अलग-अलग नववर्ष होते हैं। देश में सर्वाधिक प्रचलित संवत विक्रम और शक संवत है। माना जाता है कि विक्रम संवत गुप्त सम्राट विक्रमादित्य ने उज्जयनी में शकों को पराजित करने की याद में शुरू किया था। यह संवत 58 ईसा पूर्व शुरू हुआ था। विक्रम संवत चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से शुरू होता है।

नववर्ष की शुभकामनाएँ

इसी समय चैत्र नवरात्र प्रारंभ होता है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन उार भारत के अलावा गुड़ी पड़वा और उगादी के रूप में भारत के विभिन्न हिस्सों में नव वर्ष मनाया जाता है। सिंधी लोग इसी दिन चेटी चंद्र के रूप में नववर्ष मनाते हैं। शक सवंत को शालीवाहन शक संवत के रूप में भी जाना जाता है। माना जाता है कि इसे शक सम्राट कनिष्क ने 78 ई. में शुरू किया था। स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने इसी शक संवत में मामूली फेरबदल करते हुए इसे राष्ट्रीय संवत के रूप में अपना लिया। राष्ट्रीय संवत का नव वर्ष 22 मार्च को होता है जबकि लीप ईयर में यह 21 मार्च होता है। चैत्र शुक्ला प्रतिपदा को विक्रमीय संवत की दृष्टि से नववर्ष मनाया जाता है। ब्रज में इस दिन नीम की पती और मिश्री खाने की परपरा है ।

इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार

इस्लाम धर्म के कैलेंडर को हिजरी साल के नाम से जाना जाता है। इसका नववर्ष मोहर्रम माह के पहले दिन होता है। हिजरी कैलेंडर कर्बला की लड़ाई के पहले ही निर्धारित कर लिया गया था। मोहर्रम के दसवें दिन को आशूरा के रूप में जाना जाता है। इसी दिन पैगबर मोहमद के नवासे इमाम हुसैन बगदाद के निकट कर्बला में शहीद हुए थे। हिजरी कैलेंडर के बारे में एक दिलचस्प बात यह है कि इसमें चंद्रमा की घटती - बढ़ती चाल के अनुसार दिनों का संयोजन नहीं किया गया है। लिहाजा इसके महीने हर साल क़रीब 10 दिन पीछे खिसकते रहते हैं।

अन्य देशों में नववर्ष

यदि भारत के पड़ोसी देश और देश की पुरानी सयताओं में से एक चीन में भी अपना एक अलग कैलेंडर है। तकरीबन सभी पुरानी सयताओं के अनुसार चीन का कैलेंडर भी चंद्रमा गणना पर आधारित है। इसका नया साल 21 जनवरी से 21 फरवरी के बीच पड़ता है। चीनी वर्ष के नाम 12 जानवरों के नाम पर रखे गए हैं। चीनी ज्योतिष में लोगों की राशियाँ भी 12 जानवरों के नाम पर होती हैं। लिहाजा यदि किसी की बंदर राशि है और नया वर्ष भी बंदर आ रहा हो तो वह साल उस व्यक्ति के लिए विशेष तौर पर भाग्यशाली माना जाता है। 1 जनवरी को अब नये साल के जश्न के रुप में मनाया जाता है। एक-दूसरे की देखा-देखी यह जश्न मनाने वाले शायद ही जानते हों कि दुनिया भर में पूरे 70 नववर्ष मनाए जाते हैं। दिलचस्प बात यह है कि आज भी पूरी दुनिया कैलेण्डर प्रणाली पर एकमत नहीं हैं। इक्कीसवीं शतादी के वैज्ञानिक युग में इंसान अन्तरिक्ष में जा पहुँचा है, मगर कहीं सूर्य पर आधारित, कहीं चन्द्रमा पर आधारित तो कहीं सूर्य, चन्द्रमा और तारों की चाल पर धार्मिक मान्यताओं के अनुसार दुनिया में विभिन्न कैलेण्डर प्रणालियाँ लागू हैं। यही वजह है कि अकेले भारत में पूरे साल तीस अलग-अलग नव वर्ष मनाए जाते हैं। दुनिया में सर्वाधिक प्रचलित कैलेण्डर 'ग्रेगोरियन कैलेण्डर' है। जिसे पोप ग्रेगरी तेरह ने 24 फरवरी, 1582 को लागू किया था। यह कैलेण्डर 15 अक्तूबर, 1582 में शुरू हुआ। इसमें अनेक त्रुटियाँ होने के बावजूद भी कई प्राचीन कैलेण्डरों को दुनिया के विभिन्न हिस्सों में आज भी मान्यता मिली हुई हैं।

नए साल का वादा खुशियां बांटे, खुश रहे...

हम भगवान से यह प्रार्थना करें कि यह नववर्ष सबके जीवन में नया उल्लास और ढेर सारी खुशियां लेकर आए। जिस किसी के जीवन में जो अधूरा है, उसे पूरा करें। नवसृजन का संकल्प लें। आप स्वयं महसूस करने लगेंगे कि यह नवसृजन एक नवीन इबारत भी लिख देगी।

इस नए वर्ष में हर व्यक्ति को उत्साह एवं उल्लास के साथ नवीन शुभ संकल्प लेना चाहिए तथा अपने मन के नकारात्मक विचारों को त्याग कर सकारात्मक सोच रखते हुए दृढ़ निश्चय से आगे बढ़ना चाहिए।

खुशियों को सहेजें:
- कई बार हम बड़ी खुशियों की चाह में जीवन में आने वाली छोटी-छोटी खुशियों को नजरअंदाज कर देते हैं। मगर कभी इन छोटी-छोटी खुशियों को सहेजकर देखिए, आप पाएंगे कि बड़ी खुशियां स्वतः ही आपके खाते में चली आएंगी।

परिवार से जुड़ें रहें:
'रहिमन धागा प्रेम का मत तोड़ों चटकाए, टूटे से फिर न जुड़े, जुड़े गांठ पड़ जाए'
- वर्तमान में भागमभाग भरी जिंदगी में लोग लगातार परिवार से दूर होते जा रहे हैं। अगर समय मिलता भी है तो वह गिले-शिकवे में ही निकाल देते हैं। मगर यह नहीं जानते कि रिश्ते प्रेम की डोर होते हैं जिनमें गांठ पड़ने पर खुलना मुश्किल हो जाता है।

वाणी पर नियंत्रण रखें:
'शब्द संभालकर बोलिए, शब्द के हाथ न पांव रे, एक शब्द औषधि करे, एक करे है घाव रे'
- शब्दों के बिना अभिव्यक्ति नहीं की जा सकती। मगर इन शब्दों को कहने का तरीका भी समझना होगा। हर एक से मीठा बोलें क्योंकि गलत बोलने में तो समय नहीं लगता, पर यह किसी को कितनी तकलीफ दे सकते हैं, उस पर विचार बहुत जरूरी है। अतः जब भी बोले मीठा बोले। अपनी वाणी पर नियंत्रण बनाएं रखें।

नजरिया बदलें:
'नजरें तेरी बदली तो नजारे बदल गए, कश्ती ने रुख मोड़ा तो किनारे बदल गए'
- हर बात में एक ही राय कायम न करें। परिस्थितियों को देखते हुए अपने नजरिए में परिवर्तन करना वर्तमान की एक आवश्यकता है। हमेशा किसी चीज में बुराई ढूंढ़ने के बजाए मौजूद गुणों को देखिए। जाने-अनजाने आपके खाते में कुछ अच्छा ही जुड़ेगा, इस बात का ध्यान रखिए।

हो हौसला बुलंद :
- किसी क्षेत्र में विजय पाने के लिए मजबूत हौसलों की जरूरत है। यह हौसले आपको अपने अंदर पैदा करने होंगे तभी तो आप दूसरों की हौसला अफजाई भी कर सकेंगे और जिंदगी के कड़े मुकामों को आसानी से पार कर सकेंगे।

सपने देखना न छोड़ें :
- सपने देखिए, सपने देखेंगे तभी उन्हें पूरा करने का माद्दा आप में जागृत होगा। इन्हीं सपनों के बलबूते पर आप अपनी मंजिल पर आसानी से पहुंच सकेंगे।

व्यावहारिक बने :
- जीवन में व्यावहारिकता बहुत जरूरी है। यदि आप व्यावहारिक होंगे तो आपके बच्चे भी आपसे यही सीखेंगे। इससे दूसरों को भी आपसे सीखने में मदद मिलेगी।

लक्ष्य से नजर न हटने दें :
- जीवन में कुछ भी असंभव नहीं है। हम में अर्जुन की तरह लक्ष्य साधने की क्षमता होना चाहिए। हमारे संकल्प की दृढ़ता हर मुश्किल को आसान कर देती है। लक्ष्य तक पहुंचने के लिए सब दरवाजे खुल जाते हैं।

खुद को पहचान दीजिए :
'खुदी को कर बुलंद इतना, कि हर तकदीर से पहले खुदा बंदे से पूछे बता तेरी रजा क्या है'
- भगवान की नियामत के रूप में यदि यह जीवन मिला है, तो इसे पहचान देने की कोशिश कीजिए। कुछ ऐसा करिए जो आने वाली पीढ़ियों के लिए यह सकारात्मक और यादगार बन जाए।

दूसरों को दें खुशियां :
- जिंदगी बहुत खूबसूरत है, मगर इसे दूसरों की जिंदगी में भी मिठास घोलते हुए बिताया जाए तो इसके मायने ही बदल जाते हैं। खुशियां देने से बढ़ती हैं, इसलिए देने का नियम बनाइए। कोशिश करें आपकी वजह से हर इंसान के चेहरे पर खुशी आएं।

वर्तमान में जिएं :
- अतीत से चलते हुए वर्तमान में जब आपने कदम रख दिए हैं तो उसमें सुधार के बारे में चिंता कीजिए। आपका भविष्य खुद-ब-खुद ही संवर उठेगा।

सहज बने रहें :
सहज जीवन ही स्वस्थ एवं सुंदर जीवन की नींव होता है। जीवन में जितना सहज होंगे उतनी ही संतोष और संतुष्टि आपके पास अन्य लोगों के मुकाबले ज्यादा होगी।

चुनौती स्वीकारें :
'मुश्किलें दिल के इरादें आजमाती हैं, स्वप्न के परदे निगाहों से हटाती हैं,
हौसला मत हारकर गिरकर ओ मुसाफिर, ठोकरें इंसान को चलना सिखाती हैं।'
- जीवन में कोई भी कार्य करते हुए अगर हमारा लक्ष्य सकारात्मक और निःस्वार्थ है तो आगे बढ़ने का रास्ता यूं ही आसान हो जाता है। फिर कड़ी चुनौतियां भी आपका कुछ भी बिगाड़ नहीं सकतीं।

ताज़गी भरा हो नया साल

नयासाल यानी कि नई खुशियां, नई उम्मीद, ढेर सारे वादे। नया साल बस आ गया है क्यों इस बार कुछ अलग करके देखें। कुछ ऐसा जो सबसे ज़्यादा पसंद हो।

नया साल अपने साथ नई तारीखें लेकर आता है। अरे भई, साल का अंक तो बदल ही जाता है। अगर इसे भी पिछले अंक की तरह ही निभाया, तो जीवन में विकास के नाम पर केवल अंक भी बदलेंगे, साल के फिर उम्र के। चलिए, इस साल कुछ नया करते हैं। सचमुच एक नई शुरुआत...

अपनीखुशी पहचानें

सभीको लगता है कि वो अपनी ख़ुशियों के बारे में जानते हैं। उन्हें क्या पसंद हैं या किस चीज़ को करने से ख़ुशी मिलती है लेकिन ये पूरी तरह से सच नहीं हैं। क्योंकि कई बार ऐसा होता है अपनी ख़ुशी को हम पहचान ही नहीं पाते। ऐसे में परेशानी आती है ये जानने में कि हमें अच्छा क्या लगता है यानी कि जिसे करके हमें बेहद ख़ुशी मिलती है। इसलिए अपने ख़ुश रहने की वजह को तलाशने की कोशिश करें।

लक्ष्यऐसे तय करें

किसीहुनर को सीखना चाहते हैं तो एक साल को दो से तीन हिस्से में बांट लें। जो भी सीखना हैं उसमें कितना वक़्त लगेगा, बचे समय में क्या कर सकते हैं इसके बारे में लिख लें। नृत्य सीखना हैं या सिर्फ़ ख़ास स्टेप्स सीखना हैं ये तय कर लें। खाना बनाना सीखना चाहती हैं या सिर्फ़ कुछ ख़ास डिश में निपुण होना चाहती हैं। इस बारे में जान लें। ज़रूरी नहीं हैं कि साल में कई चीज़े एक साथ सीखें।

घरसे करें शुरुआत

सीखनेकी शुरूआत घर से कर सकती हैं। जैसे कुछ नए तरीक़े का खाना बनाना चाहती हैं तो तीन या छह महीने का वक़्त ले सकती हैं। इससे आप अपने समय के मुताबिक बेहतरी से काम करेंगी। घर को सजाना हैं लेकिन वक़्त नहीं मिलता तो लक्ष्य बनाएं कि दो महीने या तीन महीने में कमरे में थोड़े बहुत बदलाव करेंगी। सामान को एक जगह से दूसरी जगह रखकर भी बदलाव किया जा सकता है। ड्रेसिंग टेबल या साइड टेबल पर कुछ बदलाव कर सकती हैं, जैसे साइड टेबल पर फूलों को सजाना, ड्रेसिंग टेबल को खाली रखना या मेकअप का सामान रखकर सजाकर सकती हैं।

प्रगतिके लिए सीखें

हुनरकोई भी हो सकता है। कॅरिअर के लिहाज से भी कुछ नया सीख सकते हैं। जैसे नई भाषा को सीखना, नई टेक्नोलॉजी की जानकारी लेना, पर्सनेलिटी में सुधार लाने के लिए कोई कोर्स कर सकते हैं। इसके लिए समय तय कर लें। ताकि आपको पता रहे एक साल में आपने किसी लक्ष्य को पूरा किया है।

अपनेशहर को जानें

हमजिस शहर में रहते हैं। कई बार हमें उसके बारे में पूरी तरह से जानकारी ही नहीं होती। जैसे वहां की मशहूर जगह कौन सी हैं, क्या ख़ास मिलता है। इस बारे में पता नहीं होता या वहां क्या कुछ घूमने के लिए है, बच्चों के साथ कहां जाया जा सकता है। ऐसी जगह के बारे में जानें ताकि आप वहां घूम सकें।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भाजपा सांसद मनसुख वसावा के इस्तीफे के बाद 27 पदाधिकारियों का इस्तीफा

क्रांति समय दैनिक

सांसद मनसुख वसावा के इस्तीफे से भरुच जिले में भाजपा को बड़ा झटका लगा है7 मनसुख वसावा के इस्तीफे के बाद भरुच जिला भाजपा के 27 पदाधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया है। बता दें के भरुच से भाजपा सांसद और पूर्व केन्द्रीय मंत्री मनसुख वसावा ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है और अपना त्यागपत्र गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील को भेज दिया है।

साथ ही मनसुख वसावा ने कहा कि बजट सत्र के दौरान वह लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सदन की सदस्या से अपनी इस्तीफा सौंप देंगे। सीआर पाटील को भेजे अपने त्यागपत्र में मनसुख वसावा ने लिखा 'भाजपा ने मुझे मेरी क्षमता से अधिक बहुत कुछ दिया है।

इसके लिए पार्टी और केन्द्रीय नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्तकरता हूं। मैंने संभव हो उतनी पार्टी के प्रति पूरी वफादारी निभाई है। पार्टी के मूल्यों को जीवन में उतारा है। लेकिन आखिरकार मैं भी एक इंसान हूं और इंसान से जाने

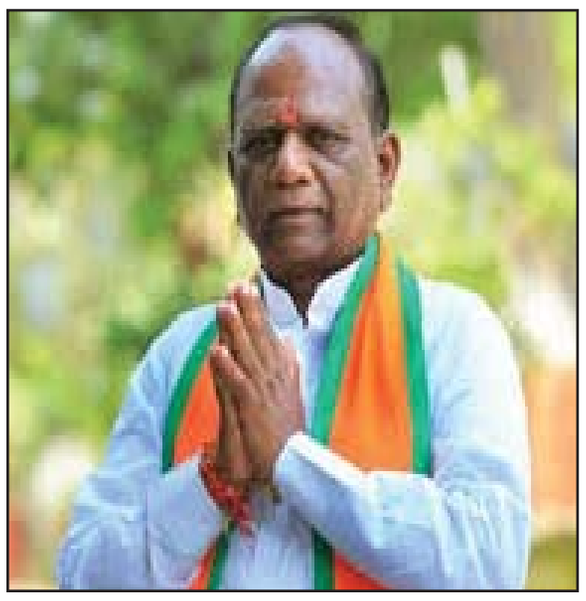

अंजाने गलतियां हो जाती हैं। मेरी गलतियों की वजह से पार्टी को कोई नुकसान न हो, इसके लिए मैं भाजपा से इस्तीफा दे रहा हूं।

जिसके लिए मैं पार्टी से क्षमा प्रार्थी हूं। बजट सत्र के दौरान लोकसभा की सदस्यता से अपना इस्तीफा स्पीकर से मुलाकात कर उन्हें सौंप दूंगा।' मनसुख वसावा के इस्तीफे के बाद भाजपा के सागबारा के प्रमुख, महासचिव, पूर्व जिला पंचायत प्रमुख, तहसील जिला भाजपा के सभी पदाधिकारियों समेत 27 लोगों के इस्तीफे से राजनीति गरमा गई है।

उत्तराखंड की राज्यपाल श्रीमती बेबी रानी मौर्य की गुजरात के राज्यपाल से मुलाकात

गांधीनगर,उत्तराखंड की राज्यपाल श्रीमती बेबी रानी मौर्य ने मंगलवार को गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत से मुलाकात की। इस मौके पर लेडी गवर्नर श्रीमती दर्शनादेवी भी मौजूद रहीं। गांधीनगर स्थित राजभवन में राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने श्रीमती बेबी रानी मौर्य का स्वागत किया। गुजरात यात्रा पर आईं उत्तराखंड की राज्यपाल ने सरदार पटेल की विश्व की सबसे विराट प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, सोमनाथ मंदिर और गिर अभ्यारण्य के प्रवास पर प्रसन्नता व्यक्त की।

साथ ही गुजरात की हस्तकला की प्रशंसा की।

पुत्र ने मां की हत्या कर शव जलाने का प्रयास किया, पुलिस ने किया गिरफ्तार

वडोदरा शहर के गोत्री क्षेत्र के जय अंबेनगर में एक कलयुगी पुत्र ने अपनी माता की हत्या कर दी और उसके बाद उसका शव जलाने का प्रयास किया। आग देख आसपास के लोग जमा हो गए और पुलिस को सूचना दे दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर उसकी माता के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक वडोदरा के गोत्री क्षेत्र के जय अंबेनगर में 27 दिव्येश सरदारसिह बारिया अपनी 50 वर्षीय माता भीखीबेन बारिया के साथ रहता है। दिव्येश बारिया ड्राइविंग का काम करता है और उसके माता घरेलू कामकाज करती थी। सोमवार की रात मां-बेटे के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ, जो इतना बढ़ गया कि दिव्येश ने शीशे के टुकड़े अपनी माता के सीने और पेट में घोंप दिए। गंभीर रूप से घायल भीखीबेन की वहीं मौत हो गई। घटना को छिपाने के लिए दिव्येश ने अपने घर के पिछले हिस्से में मां का शव जलाने का प्रयास किया और वहीं खड़ा होकर ओम नमः शिवाय के जाप करने लगा।

दिव्येश के घर के पीछे आग देख आसपास के लोग जमा हो गए और वहां का नजारा देख तुरंत गोत्री पुलिस को घटना की जानकारी दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने दिव्येश बारिया को गिरफ्तार कर लिया और उसकी माता को पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।

आधुनिक व सुनियोजित नगर विकास को लेकर गुजरात से हैं बड़ी अपेक्षाएं- मुख्यमंत्री

अहमदाबाद मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने गुजरात की अभिनव पहल 'आत्मनिर्भर नगर सेवा' के अंतर्गत 16 नगरपालिकाओं में 28 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) और वाटर ट्रीटमेंट प्लांट (डब्ल्यूटीपी) का ई-शिलान्यास करते हुए कहा कि विकास के रोल मॉडल गुजरात से दुनिया के लोगों की आधुनिक, विकसित और सुनियोजित नगर विकास को लेकर बड़ी अपेक्षाएं हैं।

इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि सरकार योजनाबद्ध प्रयासों के जरिए यह सुनिश्चित कर रही है कि नगरों के सड़क, सीवर, लाइट और पानी के कार्यों में कहीं कोई कमी न रह जाए साथ ही छोटे-बड़े शहर और नगर समय के अनुकूल सर्व-सुविधा संपन्न बने।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को गांधीनगर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राज्य की सुरेन्द्रनगर, वलसाड़ और गोधरा नगरपालिका में कुल 103.26 करोड़ रूपए की लागत से तैयार एसटीपी का लोकार्पण तथा 18 नगरपालिकाओं के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

उन्होंने राजपीपला नगर की 17.77 करोड़ रूपए लागत की भूमिगत सीवर योजना का भी ई-शिलान्यास किया।

इस अभिनव पहल के लिए रूपाणी ने गुजरात अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन और शहरी विकास निगम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी नगर एसटीपी और डब्ल्यूटीपी की सुविधा से लैस हों, नागरिकों को शुद्ध पेयजल 'नल से जल' के रूप में मिले और इस्तेमाल किए हुए गंदे पानी का शुद्धिकरण कर खेतीबाड़ी, बाग-बगीचे और तालाबों को भरने जैसे कार्यों में पुनःउपयोग हो उस दिशा में नगरीय प्रशासन आगे बढ़े। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर राज्य सरकार की ओर से जारी नई ऐतिहासिक सोलर पॉलिसी के अंतर्गत स्वायत्त और स्थानीय स्तर पर सौर ऊर्जा की खपत को व्यापक प्रोत्साहन देने का उल्लेख किया।

उन्होंने राज्य की नगरपालिकाओं से आह्वान किया कि वे अपनी संपत्ति पर सौर ऊर्जा का उत्पादन करे और स्वयं की खपत के बाद बची हुई अतिरिक्त बिजली को बेचकर आय के नए स्रोत पैदा करें। रूपाणी ने कहा कि अतीत में कांग्रेस के शासनकाल में नगरों में विकास कार्यों, पानी और ड्रेनेज जैसी बुनियादी सुविधाओं के कार्यों के लिए कोई योजना ही नहीं थी।

लोगों को शुद्ध पेयजल सुलभ नहीं था और नगरों में ड्रेनेज के अभाव में मलेरिया जैसी बीमारियां भी फैलती थीं।

उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यभार संभालने के बाद यानी पिछले दो दशक से नगरों और महानगरों के ड्रेनेज, फिल्टर वाटर और घर-घर जल जैसे मूलभूत जरूरत के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब नगरों में सौर ऊर्जा उत्पादन के जरिए हरित ऊर्जा को गति देने के साथ ही बिजली के बिल में कटौती करने और नगरपालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी विशेष ध्यान दे रहे हैं। एक ही दिन में 136 करोड़ रूपए से अधिक के विकास कार्यों का ई-लोकार्पण करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि फाटक मुक्त गुजरात की संकल्पना साकार हो रही है। उन्होंने कहा कि दंगा मुक्तगुजरात, खुले में शौच क्रिया मुक्तगुजरात, रोग मुक्तगुजरात और अब कोरोना मुक्तगुजरात का निर्माण कर हमें देश में अग्रणी स्थान पर रहना है।

मुख्यमंत्री ने 16 नगरपालिकाओं में 22 एसटीपी और डब्ल्यूटीपी के लिए सौर ऊर्जा संयंत्रों का भी शिलान्यास किया।

इसके चलते नगरपालिकाओं के बिजली बिल में सालाना 4 करोड़ रूपए से अधिक की बचत होगी।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि नगरपालिकाओं के मार्फत विभिन्न नगरों में सौर आधारित बिजली उत्पादन के जरिए आय के नए स्रोत पैदा कर गुजरात देश को विकास की नई राह दिखाएगा और प्राथमिक सुविधा के साथ आधुनिकता के समन्वय से गुजरात के शहर स्मार्ट सिटी बनेंगे।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री भूपेन्द्रसिंह चूड़ास्मा, सांसद केसी पटेल, देवसिंह चौहान, मितेशभाई पटेल, प्रभुभाई वसावा, विधायक भवानभाई पटेल, सीके राउलजी और राजेन्द्रसिंह आदि कार्यक्रम स्थल पर मौजूद थे।

शहरी विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव मुकेश पुरी, आयुक्त म्युनिसिपैलिटी एडमिनिस्ट्रेशन राजकुमार बेनीवाल, गुजरात अर्बन डेवलपमेंट कंपनी (जीयूडीसी) के प्रबंध निदेशक लोचन शहेरा तथा निदेशक हार्दिक शाह आदि गांधीनगर से कार्यक्रम में जुड़े।

16 नगरपालिकाओं को सौर -ऊर्जा आधारित बनाने के लिए सोलर पावर प्लांट का ई-शिलान्यास

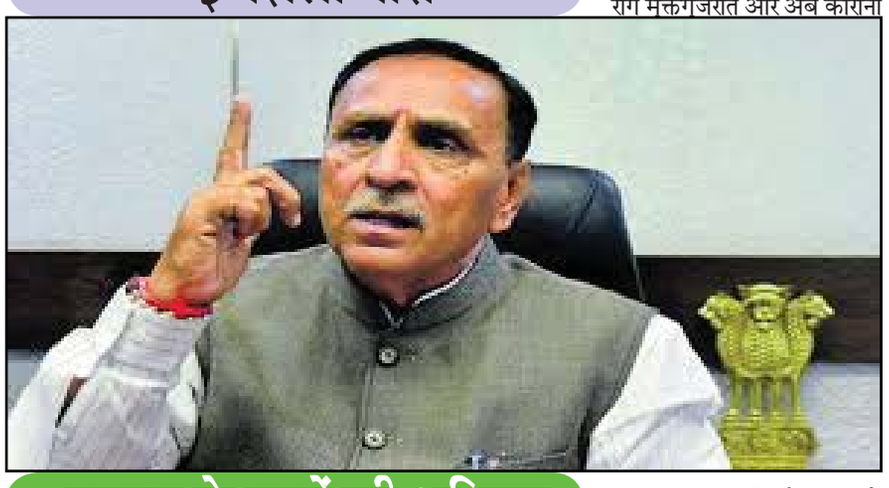

गुजरात के नगरों की अभिनव पहल 'आत्मनिर्भर नगर सेवा'

भाजपा सांसद मनसुख वसावा का पार्टी से इस्तीफा

अहमदाबाद भरुच से भाजपा सांसद मनसुख वसावा ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील को भेजे इस्तीफे में मनसुख वसावा ने लिखा है कि आखिर मैं भी एक इंसान हूं। भाजपा ने मुझे क्षमता से अधिक दिया है, इसके लिए केन्द्रीय नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। पार्टी के प्रति सदा वफादार रहा हूं और पार्टी मूल्यों को जीवन में अमल किए। लेकिन मैं भी इंसान हूं और जाने अंजाने कोई गलती हुई हो और उससे पार्टी को कोई नुकसान नहीं पहुंचे, इसके लिए इस्तीफा दे रहा हूं। वसावा पत्र में आगे लिखा कि बजट सत्र के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से प्रत्यक्ष रूप से मुलाकात कर सदन की सदस्यता से अपना इस्तीफा सौंप दूंगा। मनसुख वसावा के इस्तीफे को लेकर गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर

पाटील ने कहा कि वह हमारे वरिष्ठ सांसद हैं और उन्होंने मेरे समक्ष अपनी भावनाएं व्यक्त की हैं। भावनाशील मनसुख वसावा लोगों के लिए संघर्ष करना अपना कर्तव्य समझते हैं, जिसे वह आगे भी जारी रखेंगे। यह हमारे गर्व की बात है कि मनसुख वसावा जैसे व्यक्ति हमारे सांसद हैं। पाटील ने कहा कि वसावा की पेशकश के बारे में आज मैंने मुख्यमंत्री विजय रूपाणी से मुलाकात की है और उनकी नाराजगी खत्म की जाएगी। गौरतलब है कि मनसुख वसावा ने नर्मदा जिले के 121 गांवों को ईको सेन्सेटिव जोन में शामिल किए जाने का विरोध किया था। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के सरकार द्वारा अधिकारियों से भी मनसुख वसावा नाराज थे। कुछ दिन पहले मनसुख वसावा ने उत्तर प्रदेश की भांति गुजरात में लव जेहाद के खिलाफ सख्त कानून बनाने की सरकार से मांग करते हुए कहा था कि स्त्रियों की मजबूरी में आदिवासी लड़कियां बिक रही हैं। संभव है कि अपनी मांगों को नजरअंदाज किए जाने की वजह से मनसुख वसावा नाराज चल रहे हों और इसकी वजह से उन्होंने भाजपा से इस्तीफा दे दिया हो।

गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने मंगलवार को वर्ष 2021 के कैलेन्डर का विमोचन किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री के सचिव अश्विनी कुमार, उद्योग विभाग के सचिव सदीप कुमार, अतिरिक्त सूचना निदेशक अरविंद पटेल, पुलक त्रिवेदी, सरकारी मुद्रण एवं लेखन सामग्री.

औडी कार ने डेढ़ साल के बच्चे को कुचला, अस्पताल में मौत

राजकोट शहर के भक्तिनगर सर्कल के निकट दर्दनाक घटना में डेढ़ साल के एक बच्चे की मौत हो गई। सोमवार की इस घटना में औडी कार ने मासूम बच्चे को कुचल दिया और ड्राइवर कार समेत वहां से फरार हो गया। भक्तिनगर पुलिस थाने में बच्चे के माता-पिता ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है, जिसके आधार पर पुलिस ने यश बगडाई नामक कार ड्राइवर को हिरासत में लेकर जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक राजकोट की वेलनाथ सोसायटी निवासी और शहर के भक्तिनगर सर्कल के निकट सब्जी का व्यापार करते जगदीश सुरेला नामक युवक अपनी पत्नी के साथ सोमवार की दोपहर अपने धंधे व्यस्त था। जगदीश सुरेला डेढ़ साल का बेटा वंश अपने पिता की रेहडी के निकट खेल रहा था। उस वक्त वहां से गुजरी औडी कार ने मासूम वंश को कुचल दिया। घटना के वक्त कार चालक मोबाइल में व्यस्त था और बच्चे के कुचले जाने के बाद मौके से फरार हो गया। बेटे के कार की चपेट में आने के बाद माता-पिता तुरंत उसके करीब पहुंच गए, लेकिन और उसे अस्पताल ले गए। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। दूसरी ओर बच्चे को कुचलकर भाग रही कार के पीछे आसपास के लोग दौड़े, परंतु वह हाथ नहीं आई। बच्चे के माता-पिता की शिकायत पर राजकोट की भक्तिनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही कार चालक यश विमल बगडाई को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

सार-समाचार

कपड़ा मार्केट दुकान में लगी आग, चार अलग अलग फायर स्टेशन से फायर कर्मी पहुचे।

सूरत। शहर के रिंग रोड इलाके में स्थित अंबाजी मार्केट में एक ड्रेस मटिरियल्स की दुकान में देर शाम को आग लग गई।आग की घटना की वजह से मौके पर अफ़रातफ़री मच गई।घटना के बारे में जानकारी दिए जाने पर अलग अलग चार फायर स्टेशन से फायर कर्मियों का काफिला घटना स्थल पर पहुचा और आग बुझाने में जुट गया।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रिंग रोड पर स्थित अंबाजी मार्केट में बल्ला एंड संस नामक ड्रेस मटीरियल की दुकान है।सोमवार शामको करीब पौने छह बजे दुकान में आचनक आग लग गई।घटना की वजह से मौके पर भगदड़ मच गई।घटना के बारे में जानकारी दिए जाने पर मांनदरवाजा,घाची शेरी,नवसारी बाजार और दुम्भाल फायर स्टेशन से फायर कर्मियों का काफिला घटना स्थल पर पहुचा और आग बुझाने में जुट गया।आधे से एक घंटे के भीतर आग बुझाकर घटना पर काबू पाया गया।फायर ऑफिसर ने बताया कि आग में ड्रेस मटिरियल्स का जत्था जल गया।आग लगने का कारण पता नही चला है।लेकिन इस घटना में कोई जानहानि नही हुई है।जिससे सभी ने राहत की सास ली

मार्केट और कॉम्पलेक्स की 1500 दुकानें सील की गई।

सूरत। फायर सेफ्टी को लेकर अनदेखी करनेवालों पर फायर विभाग की गाज गिरी।गत रात फायर विभाग ने कार्यवाही करते हुए अलग मार्केट और औ॰ कॉम्प्लेक्स में स्थित 1500 दुकान तथा 6 हॉल सील कर दिए। फायर की इस सख्त कार्रवाई से दुकानदार सकते में आ गए। गए थे।उनमें भागदौड़ मच गई थी।

मिली जानकारी के अनुसार तक्षशिला आर्केड, रघुवीर सिलियम जैसे आग की बड़ी दुर्घटनाओं के बाद से फायर विभाग फायर सेफ्टी को लेकर सक्रिय हो गया है।इसी को लेकर शहर के अलग अलग विस्तारो में मार्केट,शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, ट्यूशन क्लास, हॉस्पिटल, होटल में फायर सेफ्टी की जांच और निरीक्षण किया जा रहा है।इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए फायर विभाग द्वारा गत रात फायर विभाग की टीम ने अंबाजी मार्केट की 650 दुकानें, न्यू अंबाजी मार्केट की 80 दुकानें, मधुसुदन हाउस की 100 दुकानें, शंकर मार्केट की 110 दुकानें, मनीष मार्केट की 200 दुकानें,पेरिस प्लाजा भेस्तान की 54 दुकानें, वखारिया टेक्सटाइल मार्केट की 40 दुकानें, गौतम टेक्सटाइल मार्केट की 80 दुकानें, अमोरा आर्केड कतारगाम की 91 दुकानें तथा राधिका पॉइन्ट की 95 दुकानें और वराछा स्थित तीर्थ काम्प्लेक्स के 6 हॉल सहित 1500 दुकानें और 6 हॉल सील किये गए इसके अलावा उधना इलाके में स्थित ड्रीम हौंडा सिटी शो रूम को भी सील किया।इस कारवाई के चलते दुकानदारो में हडकम्प मच गया और उनमें दौड़भाग हो गई।

प्राइवेट ट्रावेल्स कंपनी की 7 बसें आग में जलकर स्वाहा

अहमदाबाद, शहर के घोडासर क्षेत्र में आज तड़के करीब पौने चार बजे खुले मैदान में पार्क प्राइवेट ट्रावेल्स कंपनी की एक बस में अचानक आग लग गई। एक बस में लगी आग ने देखते ही अन्य 6 बसें और एक कार को अपनी आगोश में ले लिया। आग में पांच बसें जलकर स्वाहा हो गईं। जबकि दो बसें और एक कार को थोड़ा नुकसान हुआ है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के घोडासर बीआरटीएस रोड पर ब्रह्माणी ट्रावेल्स कंपनी का निजी पार्किंग है, जहां कई लक्जरी बसें पार्क थीं। आज सुबह 3.40 बजे अचानक एक बस में आग लग गई और देखते ही देखते अन्य छह बसों को भी अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों से मिली सूचना के आधार पर फायर विभाग की गाडियों समेत टीम घटनास्थल पर पहुंच गई और 10 मिनट में आग पर काबू पा लिया। आग में ट्रावेल्स कंपनी की 7 बसें और एक कर जल गई। जिसमें 5 बसें पूरी तरह स्वाहा हो गईं, जबकि 2 बसें और एक कार को थोड़ा नुकसान हुआ है।

समूचा गुजरात कड़ाके की ठंड की चपेट में, नलिया में ठंड का पारा 2.7 डिग्री

शहर समेत पूरा गुजरात कड़ाके की ठंड की आगोश में है। सौराष्ट्र-कच्छ समेत उत्तरी गुजरात जबर्दस्त ठंड से लोग ठिठुरने लगे हैं। अगले तीन दिन रिकार्ड ठंड़ पडने की मौसम विभाग ने संभावना व्यक्त की है। उत्तरी गुजरात के पाटन, मेहसाणा और बनासकांठा में ठंड कड़ाके की ठंड पड़ रही है। सबसे अधिक ठंड कच्छ में महसूस हुई है, जहां के नलिया में न्यूनतम तापमान 2.7 डिग्री पर पहुंच गया। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें कच्छ के अबडासा में कड़ाके की ठंड के बीच बर्फ चादर बिछ गई है। बीटा के निकट स्थित सोलर पावर की प्लेटों पर आज सुबह बर्फ जमी दिखाई दी। न्यूनतम तापमान जब शून्य डिग्री के निकट पहुंच जाता है तब ओस जम जाती है। कच्छ के जिन इलाकों में तापमान लुढका है वहां ओस के जम जाने की संभावना है। मौसम विभाग ने स्पष्ट किया है कि कच्छ जिले में कहीं भी बर्फबारी नहीं हुई। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 8 दिनों तक कड़ाके की ठंड पड़ेगी। पाकिस्तान में बने वेस्टर्न डिस्टर्बन्स आगे बढ़कर उत्तरी गुजरात पहुंचेगा, राज्य के 12 शहरों को न्यूनतम तापमान सिंगल डिजिट पर पहुंच गया है। कच्छ का नलिया राज्य का सबसे ठंडा शहर रहा, जहां न्यूनतम तापमान 2.7 डिग्री रिकार्ड हुआ। वहीं जूनागढ के केशोद में 6.2 डिग्री, बनासकांठा के डीसा में 6.6 डिग्री, राजधानी गांधीनगर में 7.5 डिग्री, कच्छ के कंडला एयरपोर्ट में 7.5 डिग्री, पोरबंदर में 7.8 डिग्री, राजकोट में 8.3 डिग्री, भावनगर के महुवा मं. 8.3 डिग्री, आणंद के विद्यानगर में 9.1 डिग्री, दीव में 9.5 डिग्री, वडोदरा में 10 डिग्री, अहमदाबाद में ठंड का पारा 10.2 डिग्री, अमरेली और सुरेन्द्रनगर में 10.5 डिग्री, भावनगर में 10.9 डिग्री, गिर सोमनाथ के वेरावल में 11.7 डिग्री और सूरत में न्यूनतम तापमान 12.4 डिग्री रिकार्ड हुआ7 मौसम विभाग के मुताबिक गुजरात में आज से 31 दिसंबर 2020 तक लहू जमा देने वाली ठंड पड़ेगी और न्यूनतम तापमान में औसत 3 डिग्री और घट सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार-समाचार

छत्तीसगढ़ से मजदूरों को UP ले जा रही बस शहडोल में पलटी, 2 की मौत और 30 से ज्यादा घायल

शहडोल. छत्तीसगढ़ से मजदूरों को उत्तर प्रदेश ले जा रही एक बस मंगलवार की सुबह मध्य प्रदेश के शहडोल में पलट गई. जिससे बस में सवार दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई. जबकि 30 से 35 मजदूर घायल हो गए. इनमें 7 से 8 मजदूरों की हालत गंभीर है. हादसा शहडोल राजमार्ग के टोटके मोड़ का बताया जा रहा है. सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जयसिंह नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जबकि गंभीर रूप से घायलों को शहडोल जिला अस्पताल में भर्ती कराया है.

जयसिंह नगर पुलिस के मुताबिक बस में 50 के करीब मजदूर सवार थे. बस की स्पीड सामान्य से ज्यादा थी. जिसकी वजह से ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया और बस पलट गई. बस में सवार सभी मजदूरों को ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाल लिया गया है. वहीं, मृत मजदूरों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. फिलहाल मामले में आगे की जांच की जा रही है.

बिना बताए बुआ के घर कार्यक्रम में गई पत्नी, गुस्साए पति ने घोंप दिया चाकू

सागर. सागर जिले के गढ़ाकोटा थाना अंतर्गत ग्राम दरारिया में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया. जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई है. जिसे इलाज के लिए सागर जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है. बताया जाता है कि व्यक्ति दहेज की रकम नहीं मिलने की वजह से नाखुश था. साथ ही उसके आज्ञा के बिना उसकी पत्नी ससुराल के एक कार्यक्रम में शामिल हो गई थी.

जानकारी के मुताबिक गढ़ाकोटा थाना अंतर्गत नवलपुर की रचना पटेल का विवाह 13 दिन पूर्व दमोह के हृदयपुर में रोमेश पटेल के साथ हुआ था. शादी के बाद रचना अपने मायके आई हुई थी. शुक्रवार को रचना के बुआ के घर दस्टोन (बच्चा पैदा होने के 10 दिन बाद होता है) का कार्यक्रम था. जिसमें शामिल होने से उसके पति ने मना कर दिया था. साथ ही रचना को भी नहीं शामिल होने के लिए कहा था. लेकिन रचना कार्यक्रम में पति को बिना बताए शामिल होने चली गई.

जैसे ही उसके पति रोमेश को यह बात पता चली वह आग-बबूला हो गया और वह कार्यक्रम स्थल के पर पहुंच गया. इसके बाद उसने अपनी पत्नी रचना को बाहर बुलाया और उस पर चाकू से हमला कर दिया. जिससे वह घायल होकर गिर गई. कार्यक्रम में शामिल होने आए अन्य मेहमानों ने उसे आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां से उसे सागर जिला चिकित्सालय भेज दिया गया.

समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के ड्यूटी डॉक्टर विकास राज ने बताया कि चाकूओं से ताबड़तोड़ हमले की वजह से रचना का ज्यादा खून निकल गया था. जिसकी वजह से वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी. उसकी हालत को देखते हुए उसे सागर जिला अस्पताल भेज दिया गया है.

Baran में Parvan नदी पर पुलिया निर्माण के लिए ग्रामीणों का अनिश्चितकालीन धरना शुरू!

बारां. पुलिया (Culvert) बनाने की मांग को लेकर चैथ्या और मायथा के लोगों ने परवन नदी (Parvan River) पर बनाए अडानी पावर प्लांट (Adani Power Plant) के एनीकट से हो रही परेशानी को लेकर के पास धरना शुरू कर दिया है. चैथ्या और मायथा गांव के बीच परवन नदी पर अडानी फांउडेशन कंपनी की ओर से बनाए गए एनीकट (Anicut) के बाद आवाजाही में ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

पुलिया निर्माण संघर्ष समिति का चयन कर ग्रामीणों ने पूर्व में जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों सहित अडानी फांउडेशन कंपनी के अधिकारियों को भी कई बार ज्ञापन देकर पुलिया निर्माण की मांग की, जो अभी तक पूरी नहीं हुई है. मांग नहीं मानने पर करीब 10 दिन पहले कार्यवाहक कलेक्टर को बारां में ज्ञापन भी सौंपा लेकिन सुनवाई नहीं होने पर ग्रामीणों ने चैथ्या और मायथा गांव के पास परवन नदी पर टेंट लगाकर नदी पार क्षेत्र के कई गांवों के बड़ी संख्या में महिला-पुरुषों ने मिलकर धरना शुरू कर दिया है.

क्या कहना है ग्रामीणों का

ग्रामीणों ने बताया कि अडाणी कंपनी ने एनीकट बनने से पहले परवन नदी पर पुलिया बनाने का आश्वासन दिया था, जो पूरा नहीं हुआ है. जब तक मांग पूरी नहीं होती है, तब तक धरना जारी रहेगा. परवन नदी पर पुलिया निर्माण के लिए दिए जा रहे धरने में पूर्व विधायक रामपाल मेघवाल, प्रधान अजयसिंह हाड़ा, किशनपुरा सरपंच रुकमणी मेघवाल, रिछंदा सरपंच निर्मला मीणा, सकतपुर सरपंच राजेंद्रप्रसाद बैरवा, भैसड़ा सरपंच द्वारका बाई सहित आसपास के कई गांवों के महिला-पुरुष बड़ी संख्या में लोग पहुंचे.

इन गांवों के लोगों ने भी जताया आक्रोश

किशनपुरा, भौंरा, खेड़ली रावन, नराभांडा, बेहलावन, आमलीजागीर, रिछंदा, सुभाषपुरा, किरपुरिया, भैसड़ा, आटोन, दीवाली नयापुरा, बमोरी, सकतपुर, नोहल्या, खानपुरिया, खेड़ली माताजी आदि गांवों के ग्रामीणों ने अडानी कंपनी और जिला प्रशासन के खिलाफ आक्रोश जताया.

हज हाउस घोटाला: फिर मुश्किल में आजम खां, निर्माण कंपनी के अधिकारियों से पूछताछ करेगी सरकार

▸जानकारी मिली थी कि गाजियाबाद के आला हजरत हज हाउस और लखनऊ के मौलाना अली मियां मेमोरियल हज हाउस के निर्माण में जरूरत से ज्यादा पैसा खर्च किया गया था.

लखनऊ. बीते 10 महीने से जेल में बंद सपा कार्यकाल के दौरान अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री रहे आजम खां पर अब हज हाउस निर्माण घोटाले को लेकर शिकंजा कसता दिखाई दे रहा है. अब मामले की जांच तेज हो रही है और एसआईटी (Special Investigation Team) इसमें अनियमितता के लिए कार्यदायी संस्था C&DS (Construction & Design Services) के इंजीनियर्स की भूमिका तय कर रही है. जानकारी के मुताबिक जल्द ही नोटिस भेजकर कंपनी के अधिकारियों और इंजीनियर्स से पूछताछ की जाएगी. माना जा रहा है कि इसमें कई राज खुल सकते हैं.

हज हाउस के निर्माण में खर्च हुआ ज्यादा धन

जानकारी मिली थी कि गाजियाबाद के आला हजरत हज हाउस और लखनऊ के मौलाना अली मियां मेमोरियल हज हाउस के निर्माण में जरूरत से ज्यादा पैसा खर्च किया गया था. 2004 से 2006 के दौरान लखनऊ में हज हाउस का निर्माण किया गया था. उस दौरान मुलायम सरकार का कार्यकाल चल रहा था. उसी समय गाजियाबाद में हिंडन नदी के किनारे हज हाउस के लिए जमीन ली गई थी. 2012 में जब अखिलेश यादव सीएम बने तो गाजियाबाद हज हाउस बनकर तैयार हुआ. बता दें, इन दोनों सपा कार्यकाल के दौरान अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री आजम खां थे.

NGT ने कराया था हज हाउस को सील

फरवरी 2020 में एनजीटी (National Green Tribunal) के आदेश पर प्रशासन ने गाजियाबाद में बने हज हाउस को सील कर दिया था. जानकारी मिली थी कि इसमें सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट नहीं है. इस वजह से बिल्डिंग से निकलने वाला पानी हिंडन नदी को गंदा कर रहा है. मौजूदा समय में इन दोनों हज हाउस घोटाले की जांच अब आखिरी दौर में है और कुछ लोगों से पूछताछ की जानी है. बता दें, मौजूदा सरकार यह बात कह चुकी है कि निर्माण में सरकारी पैसे का दुरुपयोग करने वाले अधिकारियों और इंजीनियर्स को ढूंढ़ कर उनकी सैलरी से वसूली की जाएगी.

गांव के समग्र विकास से ही आत्मनिर्भर बनेगा बिहार: तारकिशोर प्रसाद

पटना. एसोचैम (ASSOCHAM) द्वारा आयोजित नॉलेज मैनेजमेंट वर्चुअल मीट ग्रामोत्थान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बिहार के उप मुख्यमंत्री तार किशोर प्रसाद ने कहा कि गांव के उत्थान एवं समग्र विकास से ही बिहार आत्मनिर्भर बनेगा.

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण विकास एक क्रांतिकारी एवं जमीनी मुद्दा है और देश के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है.

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (Narendra Modi) एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार (Nitish Kumar) के नेतृत्व में बिहार में ग्रामीण विकास पर ध्यान केंद्रित किया है एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, चिकित्सा सुविधाओं, सड़क, बिजली आदि पर काफी काम हुए हैं. सभी गांव का विद्युतीकरण किया जा चुका है. गांव एवं टोले को संपर्क पथों से जोड़ा गया है. लोगों के घरों में शौचालय के निर्माण के लिए ?12000 की प्रोत्साहन राशि देकर स्वच्छ भारत अभियान के तहत कार्य हुए हैं.

डिप्टी सीएम ने कहा कि सरकार के सकारात्मक प्रयास से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर स्वास्थ्य सुविधाओं में उत्तरोत्तर बेहतरी आई है. स्वास्थ्य बीमा के माध्यम से लोगों को अस्पतालों में चिकित्सा सुविधा प्रदान करने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है. लोगों की तकनीकी प्रतिभा को विकसित करने के लिए पॉलिटेक्निक कॉलेज खोले गए हैं एवं नए पाठ्यक्रमों को भी उसमें समाहित किया गया है.

उन्होंने कहा कि पृथक रूप से कौशल विकास विभाग के गठन की कार्रवाई की जा रही है.

रोजगार सृजन के दृष्टिकोण से युवाओं को रोजगार का अवसर प्रदान करने हेतु उद्योग विभाग की ओर से नए उद्योगों को खोलने के लिए बेहतर कार्यक्रम बनाए गए हैं. नई तकनीक के विषय में युवाओं को प्रशिक्षित एवं सशक्त बनाने के लिए भी कार्यक्रम संचालित किए गए हैं.

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर ग्रामीण भारत ही आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला है. वहीं, विकास भारती के सचिव पद्मश्री अशोक भगत ने कहा कि जब तक गांव विकसित नहीं होंगे, तब तक हम विकसित भारत का सपना नहीं देख सकते.

इसके लिए उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योगों की विनिर्माण इकाइयां खोलने की आवश्यकता पर बल दिया है.

हिंदू-मुस्लिम संगठनों की मांग- फर्जी काजियों-पंडितों को पकड़े सरकार, रुक जाएगा लव जेहाद

भोपाल. मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार राज्य में लव जेहाद और जबरन धर्मांतरण पर रोक लगाने के लिए मंगलवार को अध्यादेश के जरिए मध्य प्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2020 लाने जा रही है. शिवराज कैबिनेट की 29 दिसंबर को सुबह 11 बजे होने वाली बैठक में इस अध्यादेश को मंजूरी मिल जाएगी. उससे पहले राज्य के हिंदू और मुस्लिम संगठनों ने सरकार से मांग की है कि ऐसे अपराध रोकने के लिए सबसे पहले फर्जी काजियों और पंडितों को चिन्हित किया जाए.

संस्कृति बचाओ मंच ने सरकार से क्या की मांग

संस्कृति बचाओ मंच ने सरकार से मांग की है कि लव जेहाद कानून के साथ ही सरकार रजिस्टर्ड काफी और फर्जी काजियों को चिन्हित करे. क्योंकि फर्जी काजी ही ऐसे निकाह कराते हैं, जिनमें लव जेहाद का मामला होता है. संस्कृति बचाओ मंच ने साथ ही मांग की है कि सरकार फर्जी काजियों के साथ फर्जी पंडितों को भी चिन्हित करे. संस्कृति बचाओ मंच के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने कहा कि सबसे ज्यादा लव जेहाद की घटना उस तरफ से हो रही है. ऐसी घटनाओं पर रोक लगानी है तो फर्जी काजियों को सरकार चिन्हित करे. ऐसे काजी ही लव जेहाद जैसी शादियां कराते हैं.

मुस्लिम नेता औसफ शाहमीरी खुर्रम ने क्या कहा ?

वहीं मुस्लिम नेता औसफ शाहमीरी खुर्रम का कहना है कि सरकार जो कदम उठा रही है वह उसकी ड्यूटी है. लव जेहाद के मामले सामने आ रहे हैं. इस पर सरकार रजिस्टर्ड काजी और रजिस्टर्ड पंडित को चिन्हित कर दे. जब सरकार चिन्हित कर देगी तो इस तरीके के मामले नहीं होंगे. खुर्रम का कहना है कि कौन योग्य, कौन सर्टिफाइड है यह जांच का विषय है. जब असली लोग काम करेंगे तो गैर कानूनी काम नहीं होंगे. सरकार को कीजियों और पंडितों को रजिस्टर्ड कर देना चाहिए. जिनकी वजह से माहौल खराब होता हो ऐसे लोग काम नहीं कर पाएंगे तो इस तरह के मामलों पर रोक लगेगी.

UP Board Exam 2021: मार्च-अप्रैल में हो सकती हैं बोर्ड परीक्षाएं, पंचायत चुनाव को देखते हुए ऐलान जल्द

▸यूपी बोर्ड की हाईस्कूल, इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए केंद्रों पर संसाधनों की जांच के बाद अब एक-एक कर रिपोर्ट माध्यमिक शिक्षा परिषद की वेबसाइट पर अपलोड होने लगी है.

लखनऊ. उत्तर प्रदेश बोर्ड परीक्षा (UP Board Exam 2021) मार्च-अप्रैल में हो सकती है. पंचायत चुनाव को देखते हुए बोर्ड परीक्षा की तारीखों का ऐलान जल्द कर सकता है. हालांकि अभी पंचायत चुनाव की तारीखों का भी ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन माना जा रहा है कि सरकार इसके तारीखों का नोटिफिकेशन जारी कर सकती है.

अगले तीन दिन में घोषित हो सकती है डेटशीट

यह अनुमान लगाया जा रहा है कि बोर्ड (UP Board) UP Board 2021 परीक्षाओं के लिए पाठ्यक्रम में और कटौती करने की घोषणा कर सकता है. रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा (Dinesh Sharma) ने अगले वर्ष मार्च और अप्रैल के बीच UP Board 2021 परीक्षा आयोजित करने का सुझाव दिया है. यह भी अनुमान है कि P Board Exam 2021 की डेटशीट दिसंबर में घोषित की जाएगी.

आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 5 जनवरी तक

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने कक्षा 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं (UP Board 10th, 12th E&am 2021) के लिए ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 5 जनवरी, 2021 कर दी है.

साथ ही आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि के साथ-साथ परीक्षा शुल्क की जानकारी परिषद की वेबसाइट upmsp.edu.in पर अपलोड कर दी गई है.

यूपी बोर्ड की हाईस्कूल, इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए केंद्रों पर संसाधनों की जांच के बाद अब एक-एक कर रिपोर्ट माध्यमिक शिक्षा परिषद की वेबसाइट पर अपलोड होने लगी है. स्थानीय स्तर से शिक्षा विभाग की ओर से सत्यापन के बाद रिपोर्ट परिषद को भेजने की तैयारी चल रही है.

22,172 स्कूलों में होंगी परीक्षाएं

P Board E&am 2021 की परीक्षा आयोजित करने के लिए राज्य के कुल 27,832 स्कूलों में से 22,172 स्कूलों का चयन किया गया है. बोर्ड परीक्षा (Board E&am 2021) आयोजित करने के लिए चुने गए स्कूलों की जानकारी जल्द ही ऑनलाइन अपडेट की जाएगी. राज्य सरकार ने ऐसे स्कूलों को सेंटर बनाने को मना किया जहां 10 फीट चौड़ी सड़क न हो और स्कूल हाईटेंशन लाइन के नीचे हों.

MPPSC राज्य सेवा परीक्षा 2020 का नोटिफिकेशन जारी, यहां जानिए पूरी डिटेल्स

भोपाल. मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (MPPSC) ने राज्य सेवा परीक्षा 2020 का विज्ञापन जारी कर दिया है. जो अभ्यर्थी राज्य सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं वे आयोग की ऑफिशियल वेबसाइट पर डिटेल्स देख सकते हैं. आयोग की वेबसाइट पर परीक्षा से जुड़ी सभी डिटेल्स दी गई है.

नोटिफिकेशन के मुताबिक मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (MPPSC) की तरफ से राज्य सेवा परीक्षा 2020 के जरिए कुल 235 पदों पर भर्तियां की जाएंगी. जिसके लिए प्रीलिम्स की परीक्षा 11 अप्रैल 2021 को राज्य के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी. परीक्षा दो शिफ्टों में होगी.

11 जनवरी से भरे जाएंगे फॉर्म

ऑफिशियल वेबसाइट पर जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक राज्य सेवा परीक्षा 2020 के लिए ऑनलाइन आवेदन 11 जनवरी 201 से भरे जाएंगे, जबकि आवेदन की आखिरी तारीख 10 फरवरी 2021 होगी. वहीं, अभ्यर्थी फॉर्म में करेक्शन 15 जनवरी से 12 फरवरी 2020 तक कर सकेंगे.

ऐसे कर सकेंगे आवेदन 1- सबसे पहले आयोग की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाएं.

2- आयोग की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर अप्लाई लिंक पर क्लिक करें.

3- अपना पर्सनल डिटेल्स इंटर कर सबमिट करें.

4- संबंधित डॉक्यूमेंट्स अटैच करें.

5- फॉर्म की फीस जमा करें.

6- सबमिट करें.

आपको बता दें कि कोरोना महामारी और ओबीसी आरक्षण को लेकर नोटिफिकेशन जारी नहीं हो पा रहा था.

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हाथरस गैंगरेप केस में कोर्ट का आदेश

वकीलों को दिखाए जाएं ऑडियो विजुअल्स

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ में उत्तर प्रदेश के चर्चित हाथरस मामले से सम्बंधित आडियो विजुअल 16 जनवरी को सम्बंधित वकीलों और पक्षकारों को दिखाए जाएंगे। इससे वे आगे अपना पक्ष अदालत में पेश कर सकें। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान वकीलों को कहा कि उपलब्ध आडियो विजुअल सामग्री को अदालत ने देखा है। अदालत ने इसे पक्षकारों के अधिवक्ताओं,हाथरस के तत्कालीन जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक और पीड़िता के परिवार के एक या दो सदस्यों को भी दिखाए जाने की पेशकश की है, जिससे इस संबंध में आगे कार्यवाही सुनिश्चित हो सके। पक्षकारों के वकीलों की सहमति से अदालत ने 16 जनवरी को उच्च न्यायालय के वीडियो कांफ्रेंसिंग रुम या वहां अन्य किसी उपयुक्त जगह पर दिखाए जाने को कहा है जिसकी पूर्व सूचना सम्बंधित वकीलों और पक्षकारों को दी जाएगी। यह आदेश न्यायामूर्ति पंकज मित्तल और न्यायामूर्ति राजन रॉय की खंडपीठ ने 16 दिसंबर को चर्चित हाथरस मामले में स्वतः संज्ञान लेकर 'गरिमापूर्ण ढंग से अंतिम संस्कार के अधिकार' शीर्षक से कायम जनहित याचिका पर दिया, जो बाद में कोर्ट की वेबसाईट पर उप्लब्ध हुआ।

इस केस की पहले उच्चतम न्यायालय में भी सुनवाई हुई थी लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने सभी मामलों की सुनवाई उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ में ही होने का आदेश दिया था। गौरतलब है कि हाथरस जिले के चंदपा इलाके के बूलगढ़ी गांव में 14 सितंबर को चार लोगों ने कथित रूप से 19 साल की दलित युवती से सामूहिक दुष्कर्म किया था।

उद्योग, व्यापार-कारोबार और किसान को मिलेगा लाभ : पीएम

प्रयागराज में ईडीएफसी के परिचालन नियंत्रण केंद्र का भी शुभारंभ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए देश के पहले पूर्वी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (ईडीएफसी) के न्यू भाऊपुर- न्यू खुर्जा सेक्शन का उद्घाटन किया। ईडीएफसी का 351 किलोमीटर लंबा न्यू भाऊपुर-न्यू खुर्जा सेक्शन 5,750 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। यह सेक्शन मौजूदा कानपुर-दिल्ली मुख्य लाइन से भी भीड़भाड़ कम कर देगा और भारतीय रेलवे को तेज ट्रेन चलाने में सक्षम करेगा। इस कार्यक्रम में पीएम मोदी ने प्रयागराज में ईडीएफसी के परिचालन नियंत्रण केंद्र (ओसीसी) का भी शुभारंभ किया।

कल ही देश में 100वीं किसान रेल शुरू की गई है। किसान रेल से वैसे भी खेती से जुड़ी उपज को देशभर के बाजारों में सुरक्षित और कम कीमत पर पहुंचाना संभव हुआ है। अब किसान रेल और भी तेजी से अपने गंतव्य पर पहुंचेगी। - पीएम

विशेष तौर पर औद्योगिक रूप से पीछे रह गए पूर्वी भारत को ये फ्रेट कॉरिडोर नई ऊर्जा देने वाला है। इसका करीब 60% हिस्सा उत्तर प्रदेश में है, इसलिए यूपी के हर छोटे बड़े उद्योग को इसका लाभ होगा। - पीएम मोदी पीएम मोदी ने कहा कि ये फ्रेट कॉरिडोर आत्मनिर्भर भारत के बहुत बड़े माध्यम होंगे। उद्योग हों, व्यापार-कारोबार हों, किसान हों या फिर कंज्यूमर, हर किसी को इसका लाभ मिलने वाला है। हमारे यहां यात्री ट्रेन और मालगाड़ियां दोनों एक ही पटरी पर चलती हैं। मालगाड़ी की गति धीमीं होती है। ऐसे में मालगाड़ियों को रास्ता देने के लिए यात्री ट्रेनों को स्टेशनों पर रोका जाता है। इससे यात्री ट्रेन भी लेट होती है और मालगाड़ी भी।

पीएम मोदी ने कहा कि आज जब भारत दुनिया की बड़ी आर्थिक ताकत बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, तब बेहतरीन कनेक्टिविटी देश की प्राथमिकता है। इसी सोच के साथ बीते 6 साल से देश में आधुनिक कनेक्टिविटी के हर पहलू पर फोकस के साथ काम किया जा रहा है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पीएम मोदी ने अपने में कहा कि आज का दिन भारतीय रेल के गौरवशाली अतीत को 21वीं सदी की नई पहचान देने वाला है। भारत और भारतीय रेल का सामर्थ्य बढ़ाने वाला है। आज हम आजादी के बाद का सबसे बड़ा और आधुनिक रेल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट धरातल पर उतरता देख रहे हैं। प्रयागराज में ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर भी नए भारत के नए सामर्थ्य का प्रतीक है। ये दुनिया के बेहतरीन और आधुनिक कंट्रोल सेंटर में से एक है। इसमें मैजेनमेंट और डेटा से जुड़ी जो तकनीक है वो भारत में ही तैयार हुई है। पूर्वी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (ईडीएफसी) 1856 मार्ग किलोमीटर लंबा है।

संक्षिप्त समाचार

कोरोना वायरस का नया स्ट्रेनः ब्रिटेन से यूपी लौटे 570 लोगों को अब तक नहीं ढूंढा जा सका

लखनऊ। ब्रिटेन से यूपी आए 570 लोगों को अब तक नहीं ढूंढ़ जा सका है। 09 दिसम्बर के बाद प्रदेश में आए इन लोगों में से ज्यादातर के मोबाइल या तो स्वीच ऑफ हैं या फिर नेटवर्क से बाहर है। लिहाजा इन लोगों से स्वास्थ्य विभाग का सम्पर्क नहीं हो पा रहा है। इनमें से कोई संक्रमित हो और वह अपने आसपास संक्रमण न फैला दे इसको लेकर पूरे स्वास्थ्य महकमें में हड़कम्प मचा है। आने वाले समय में ये लापता लोग सिरदर्द न बन जाए इसके लिए सरकार ने जिले स्तर पर स्वास्थ्य विभाग की टीमें गठित करने का निर्णय किया है। ये टीमें लापता सभी लोगों के पासपोर्ट में दर्ज पते के आधार पर स्थानीय पुलिस व प्रशासन के सहयोग से इन्हें ढूंढ़ेगी। यहां यह उल्लेखनीय है कि नौ दिसम्बर के बाद यूपी आए 1655 लोगों में से अब तक मात्र 1085 लोगों को ही ढूढ़ा जा सका है। इन सब की आरटीपीसीआर जांच में आठ लोग पाजिटिव मिल चुके हैं। इनमें से भी सात ही यूपी में इलाज करा रहे हैं जबकि एक व्यक्ति दिल्ली के अस्पताल में भर्ती हो चुका है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की माने तो विभाग ने जिलों को चिन्हित करके वहां के सीएमओ को टीम गठित करने और चिन्हित पते पर जाकर सम्बन्धित व्यक्ति की जांच करने के निर्देश दे दिए गए हैं। यह भी कहा गया है कि इस कार्य में किसी भी स्तर पर कोई लापरवाही न बरती जाए। चिन्हित हर व्यक्ति की जांच हर हाल में कराई जाए और जांच में संक्रमित पाए जाने पर उस व्यक्ति को हर हाल में अस्पताल में भर्ती कराया जाए। यह भी ध्यान रखा जाए कि संक्रमित व्यक्ति कहीं ब्रिटेम में मिले कोरोना के नए स्ट्रेन से ग्रसित नहीं है। विभाग ने इस बात के निर्देश दिए हैं कि अगर किसी में नए स्ट्रेम का पता चलता है तो तत्काल उसे पूरी तरह से पृथक वार्ड में रखकर इसकी सूचना व विभागीय मुख्यालय व नियंत्रण कक्ष को दें।

अलीगढ के हॉस्पिटल में चूहे ने कुतरा नवजात का शव, जिला प्रशासन से बाल आयोग ने मांगी रिपोर्ट

अलीगढ़। अलीगढ़ के एक निजी अस्पताल में नवजात के शव को चूहों के द्वारा कुतरने पर राष्ट्रीय बाल अधिकारी संरक्षण आयोग गंभीर हो गया है। 30 दिन में जिला प्रशासन से मामले में अब तक की गई जांच रिपोर्ट तलब की है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की रजिस्ट्रार अनु चौधरी की ओर से डीएम चंद्रभूषण सिंह को पत्र जारी किया गया है। रजिस्ट्रार ने लिखा है कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम 2005 के सेक्शन-14 के तहत न्यायालीय अधिकारों से संपन्न है। किसी शिकायत को याचिका के रूप में स्वीकार कर उसे 1908 के सिविल प्रोसिजर कोड के तहत न्यायालीय प्रक्रिया द्वारा सुनकर निर्णय दे सकता है। अनुराग ज्योति ने शिकायत की है कि ग्राम पिलखुनी निवासी सपना पत्नी राजेश को 22 नंबवर को अतरौली के रामघाट रोड स्थित कीर्ति हॉस्पिटल में पुत्री हुई थी। पहले बच्ची को स्वस्थ बताया गया था। एक घंटे बाद बच्ची को मृत घोषित कर दिया गया था। शव को अगले दिन गया जो कि बुरी तरह क्षत-विक्षित था, चूहों ने उसे नोचा हुआ था। इस मामले की जांच कराकर 30 दिन के भीतर रिपोर्ट प्रेषित की जाए। चंद्रभूषण सिंह, डीएम का कहना है कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण द्वारा कीर्ति अस्पताल के संबंध में जांच रिपोर्ट मांगी गई है। जल्द ही आयोग को रिपोर्ट भेजी जाएगी। अतरौली के कीर्ति हॉस्पिटल में पिछले दिनों एक नवजात बच्ची के मुंह को चूहों द्वारा कुतरने का मामला सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था। इस मामले में तीन दिसंबर को डीएम के निर्देश पर डिप्टी सीएमओ डॉ. अनुपम भास्कर द्वारा की गई जांच में अस्पताल प्रबंधन व स्टाफ को दोषी करार दिया जा चुका है। अब प्रबंधन व स्टाफ की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

पति ने तलाक लेने के लिए पत्नी का अश्लील वीडियो कर दिया वायरल

बरेली। सरकारी टीचर ने महिला के साथ मिलकर अपनी पत्नी का ही अश्लील वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। पीड़िता के भाई ने अपने जीजा पर अन्य महिलाओं से संबंध रखने का आरोप लगाया है। आरोपी पति दहेज की मांग पूरी न होने पर पीड़ित पत्नी से जबरन तालाक लेना चाहता है। इस मामले में सुभाषनगर पुलिस ने आरोपी पति व महिला पर नामजद रिपोर्ट दर्ज की है। सुभाषनगर बदायूं रोड निवासी पीड़ित ने बताया कि उन्होंने अपनी बहन का विवाह 20 अप्रैल 2018 को पीलीभीत निवासी युवक से कराया था और उनके जीजा एक सरकारी टीचर हैं। पीड़ित ने बताया कि उनके जीजा के अन्य महिलाओं से संबंध थे और इसके साथ ही बहन के ससुराली उस पर दहेज लाने का दबाव बनाते थे। वहीं उनकी बहन का ससुरालियों ने उत्पीड़न करना शुरू कर दिया और झूठे आरोप लगाना शुरू कर दिये। जिससे तलाक हो जाये। आरोप है कि जीजा ने बारादरी थाना क्षेत्र की सनराइज कॉलोनी निवासी एक महिला के साथ मिलकर उनकी बहन की एक कुटरचित अश्लील वीडियो तैयार की। जिसको आरोपी जीजा ने व्हाट्सएप पर भेजी। इसके साथ ही धमकी दी की वह अपनी बहन से तालाक करवा दे वरना उसकी बहन को बदनाम कर देंगे। जिसको बाद में दोनों आरोपियों ने मिलकर कई जगह वायरल की है। इस मामले में सुभाषनगर पुलिस ने आरोपी पति व महिला के खिलाफ आईटी एक्ट का मुकदमा दर्ज किया है। इस मामले में लगभग 15 दिन पहले ही महिला थाने में महिला की ओर से दहेज एक्ट में मुकदमा दर्ज कराया गया था। जिसमें आरोप है कि ससुराली दहेज में कार, नकदी की मांग कर रहे है। वहीं पीड़िता की ओर से महिला थाना पुलिस ने आरोपी पति समेज सास, जेठ व ननद पर नामजद रिपोर्ट दर्ज की थी।

छतारी कस्बे में सुबह से ही लगा जाम, राहगीर परेशान

बुलंदशहर। छतारी कस्बे में लगने वाले जाम से लोगों को निजात नहीं मिल पा रही है। इसके चलते राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आरोप हैं कि लोगों द्वारा बड़े वाहनों पर दिन के समय प्रतिबंध लगाए जाने की मांग की जा चुकी है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई है। एनएच-91 पर अलीगढ़ जनपद के गभाना क्षेत्र में टोल प्लाजा पड़ता है। जिसके चलते अलीगढ़ की तरफ से आने वाले भारी वाहनों के चालक छतारी कस्बा होते हुए खुर्जा के लिए अपने वाहनों को निकालते हैं। खुर्जा में पहुंचने के बाद वह फिर से एनएच-91 पर वह वाहनों को लेकर चढ़ जाते हैं। इसी तरह से खुर्जा से होकर भारी वाहन छतारी होते हुए अलीगढ़ की तरफ निकलते हैं। इन भारी वाहनों के कारण आए दिन छतारी कस्बा जाम के झाम से जूझता रहता है। कई बार स्थानीय लोगों ने भारी वाहनों पर प्रतिबंध लगाए जाने की मांग करते हुए प्रदर्शन भी किया और अधिकारियों को शिकायतें भी दी, लेकिन उसके बाद भी कोई सुनवाई नहीं हुई है। अब बीते सप्ताहभर से सुबह से ही कस्बे की सड़कों जाम की गिरफ्त में आ जाती हैं। सोमवार को राहगीरों को महज दौ मीटर की दूरी तय करने में काफी समय से लग गया। जाम को खुलवाने में स्थानीय पुलिस दिनभर व्यस्त दिखाई दे रही है।

माफियाओं के डाक टिकट बनाने में एक सस्पेंड, दफ्तर सील

कानपुर। छोटा राजन और मुन्ना बजरंगी जैसे माफियाओं के डाक टिकट जारी होने के खुलासे से हड़कंप मच गया है। सुबह ही प्रधान डाकघर का फिलैटिली विभाग सील कर दिया गया। पोस्ट मास्टर जनरल ने उच्च स्तरीय जांच शुरू करा दी और प्राथमिक जांच के आधार पर एक जिम्मेदार को सस्पेंड कर दिया गया है। जांच की जद में कई कर्मचारी और अधिकारी हैं।

'हिन्दुस्तान' ने 'माई स्टैंप' जैसी एक अच्छी योजना की कमजोरी इंगित करने के लिए यह स्टिंग ऑपरेशन किया था। जिसमें बिना जांच-पड़ताल और जरूरी दस्तावेज लिए दो माफियाओं के डाक टिकट जारी कर दिए गए। इनमें से एक मुन्ना बजरंगी की तो बागपत जेल में हत्या भी हो चुकी है। अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन और पूर्वांचल के माफिया मुन्ना बजरंगी के नाम व फोटो वाला एक टिकट पांच रुपये का है। दोनों के 12-12 टिकट के दो सेट हैं।

यह खुलासा होते ही विभाग में खलबली मच गई है। पोस्ट मास्टर जनरल कानपुर परिक्षेत्र वीके वर्मा ने इसे गंभीर विभागीय चूक माना। प्रथम दृष्टया लापरवाही सामने आने पर प्रभारी रजनीश कुमार को निलंबित कर दिया गया है। अन्य कर्मचारियों को नोटिस जारी करके जवाब मांगा गया है। विभाग में माई स्टैंप टिकट के आवेदन फाइलों की जांच की जा रही है।

माफियाओं के डाक टिकट जारी होने का खुलासा होते ही प्रधान डाकघर ही नहीं बल्कि शहर के सभी डाकघरों मे अफरा-तफरी मच गई। तीसरी मंजिल पर स्थित फिलैटली दफ्तर नहीं खुला। 11 बजे तक कर्मचारी नहीं आए। अन्य सेवाएं भी कुछ देर के लिए अस्त-व्यस्त हो गईं। बाद में फिलैटली विभाग को खोला गया और माई स्टैम्प से जुड़ी फाइलों और दस्तावेजों को सीज कर दिया गया। अब एक-एक दस्तावेज की जांच की जा रही है। पूरे रिकार्ड का आडिट किया जा रहा है। बिना आधार और व्यक्ति के आए हुए ही डाक टिकट कैसे जारी कर दिया गया, इसकी पड़ताल हो रही है। साथ ही मृत व्यक्ति का डाक टिकट कैसे बन गया, इसे भी गंभीर चूक माना गया है। माई स्टाम्प योजना में केवल जीवित व्यक्ति का ही टिकट बन सकता है।

कुशीनगर में दो सिपाहियों को स्कॉर्पियो से कुचलने की कोशिश

कुशीनगर । कुशीनगर के तुर्कपट्टी थाना क्षेत्र के पिपरा रज्जब गांव में दो बदमाशों को पकड़ने गए पुलिसकर्मियों को बदमाशों ने स्कार्पियो से कुचलकर मार डालने की कोशिश की। वारदात के बाद बदमाश स्कार्पियो छोड़कर फरार हो गए। इस घटना एक पुलिस कर्मी गम्भीर रूप से घायल हो गया। उसे प्राथमिक उपचार के बाद कुशीनगर से गोरखपुर मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया। हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर पुलिस, दो बदमाशों की तलाश में जुट गई है।

कुशीनगर के तुर्कपट्टी थाना क्षेत्र के मधुरिया चौकी पर तीन दिन पहले एक लड़के ने पिपरा रज्जब गांव के दो लोगों पर मोबाइल लूटने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी थी। सोमवार की रात नौ बजे मधुरिया चौकी पर तैनात सिपाही अरुण यादव को सूचना मिली कि दोनों आरोपित राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित पिपरा रज्जब गांव के पास एक ढाबा पर बैठे हैं।

इस सूचना पर अरुण और धर्मेन्द्र यादव नामक दो सिपाही बाइक से आरोपितों को पकड़ने पहुंचे लेकिन अंधेरे का फायदा उठाते हुए दोनों मौके से भाग निकले। इसके बाद सिपाहियों ने आसपास के इलाके में गश्त लगानी शुरू की। वे फाजिलनगर के बघौचघाट मोड़ पहुंचे। कुछ देर वहां रुकने के बाद दोनों जब चौकी की तरफ लौट रहे थे तभी पिपरा रज्जब गांव के सामने बदमाशों ने उन्हें स्कार्पियो से कुचलने की कोशिश की। उन्होंने बाइक को ठोकर मार दी जिससे दोनों सिपाही नीचे गिर पड़े। इसके बाद उन्होंने सिपाहियों पर स्कार्पियो चढ़ाने की कोशिश की लेकिन स्कार्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे जाकर फंस गई। इसके बाद बदमाश स्कार्पियो छोड़कर वहां से फरार हो गए। इसी बीच घायल पुलिसकर्मियों की सूचना पाकर अतिरिक्त फोर्स भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने स्कार्पियो को अपने कब्जे में लेते हुए घायल सिपाहियों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फाजिलनगर पहुंचाया। डॉक्टरों ने गंभीर रूप से घायल सिपाही धर्मेन्द्र को मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। तुर्कपट्टी थाने के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपियों पर मोबाइल चोरी के अलावा अन्य कई मामलों में शामिल होने का अंदेशा है। उनकी लोकेशन मिलने पर पुलिसकर्मी उन्हें पकड़ने गए थे। दोनों वहां से फरार हो गए। इसके बाद चौकी लौट रहे सिपाहियों को कुचल कर मार डालने की कोशिश की। दोंनो के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारी के लिए प्रयास किया जा रहा है।

शायर मुनव्वर राणा की बेटी सुमैया ने थामा समाजवादी पार्टी का हाथ

लखनऊ। मशहूर शायर मुनव्वर राणा की बेटी सुमैय्या राणा ने मंगलवार को समाजवादी पार्टी का हाथ थाम लिया। इनके अलावा बसपा के पूर्व लोकसभा प्रत्याशी मसूद आलम और बसपा के मुख्य कोऑर्डिनेटर रमेश गौतम भी सपा में शामिल हो गए हैं। तीनों नेताओं के पार्टी में शामिल होने के बाद सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि इस बार ऐतिहासिक बदलाव होने वाला है। विधानसभा चुनाव के लिए ये तीनों नेताओं ने छोटे दलों से तालमेल की गुंजाइश रखेंगे।

अखिलेश ने प्रेस वार्ता में कहा कि हमारी सरकार बनने पर एनआरसी पर दर्ज मुकदमे वापस होंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अर्थव्यवस्था को खराब कर दिया है। सरकार किसानों को धोखा दे रही है। हाथरस मामले पर सरकार झूठी साबित हुई है। भाजपा सपा के कार्यों पर ही काम कर रही है। उत्तर प्रदेश सरकार का अपना विजन नहीं है तभी गोरखपुर में मेट्रो नहीं बन पा रही। बाकी जगह सपा के विजन पर मेट्रो बन रही।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा सिर्फ नफरत की राजनीति कर रही है। पश्चिम बंगाल के जनता से अपील करता हूं की भाजपा को हराये। भाजपा सरकार जब तक रहेगी तब तक लोकतंत्र को नहीं बचाया जा सकता। किसानों को वो एमएसपी मिलनी चाहिए जिससे किसानों की आय दुगनी हो।

कोरोना वैक्सीन की ऑन लाइन बुकिंग के बहाने जालसाजी

गोरखपुर। कहीं आप के पास कोरोना की वैक्सीन की ऑनलाइन बुकिंग के लिए फोन तो नहीं आ रहे हैं। अगर आ रहे हैं तो सावधान हो जाएं। यह जालसाजों के फोन हो सकते हैं और जालसाज इसी बहाने अपकी डिटेल जानकर बैंक से रुपये निकाल सकते हैं। जालसाजों ने अपनी कमाई का एक नया जरिया बना लिया है। वैक्सीन की ऑनलाइन बुकिंग के नाम पर जालसाल खातों का डिटेल जुटा रहे है और फिर खाता से रकम गायब कर रहे हैं। इस तरह की शिकायतें सामने आने के बाद एडीजी जोन दावा शेरपा ने जोन के सभी एसएसपी, एसपी को पत्र जारी कर लोगों को जागरूक करने के साथ ही साइबर सेल की मदद से कार्रवाई का आदेश दिया है।

जानकारी के मुताबिक कोरोना को लेकर लोगों के मन में डर बसा हुआ है। जहां से भी इसकी दवा की जानकारी होती है लोग उसको लेकर एक्टिव हो जाते है, इसीका फायदा जालसाज भी उठा रहे हैं। जालसाज लोगों को ऑनलाइन दवा उपलब्ध कराने का दावा करके ठगी का शिकार बना रहे हैं।

इनसे सतर्क रहना होगा अभी तक सरकार की ओर से कोई भी वैक्सीन ऑनलाइन बिक्री की अनुमति नहीं दी गई है। जालसाजों से बचने के लिए जहां लोगों में जागरूकता की जरूरत तो वहीं इन पर कार्रवाई के लिए अब साइबर सेल को लगा दिया गया है। एडीजी ने हर जगह पर साइबर सेल को सक्रिय करने का आदेश दिया है। एडीजी जोन दवा शेरपा ने बताया कि जालसाज सक्रिय हैं और लोगों को सतर्क रहना चाहिए पुलिस को कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

गोवंश लादकर ले जा रहे तस्करों से पुलिस की मुठभेड़

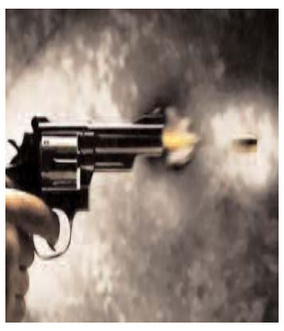

अमेठी। उत्तर प्रदेश में अमेठी के पीपरपुर थाना क्षेत्र में ट्रक पर गोवंश लादकर ले जा रहे गोवंश तस्करों से पुलिस की मुठभेड़ हो गई। जिसमें एक आरोपी पुलिस की गोली से घायल हो गया। पुलिस ने घायल आरोपी के साथ एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने ट्रक पर लदे 14 गोवंश बरामद किए हैं।

बीते सोमवार की रात लगभग 10 बजे पीपरपुर एसओ प्रवीण सिंह को मुखबिर से सूचना मिली की फतुहवा गांव में गोवंश तस्करों द्वारा ट्रक पर गोवंश लादे जा रहे हैं। जिसकी सूचना पर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे एसओ पर आरोपियों ने फायरिंग करते हुए भागने का प्रयास किया। पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक आरोपी के पैर में गोली लगी और वह गिर पड़ा। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। भाग रहे एक और आरोपी को पुलिस कर्मियों ने दौड़ाकर पकड़ लिया। घायल आरोपी की पहचान जौनपुर के सरपतहा निवासी शिव शंकर यादव के रूप में हुई। वही दूसरे आरोपी की पहचान कानपुर देहात के मूसापुर निवासी फहीम के रूप में हुई। ट्रक पर लदे 14 गोवंश को ग्रामीणों के सुपुर्द करते हुए पुलिस ट्रक को कब्जे में लेकर थाने लाई। इस संबंध में सीओ अमेठी अर्पित कपूर ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेजा जा रहा है।

विधायक विजय मिश्र से छुड़ाई गई जमीन पर बनेगा पर्यटन थाना

लखनऊ। यूपी की ज्ञानपुर सीट से बाहुबली विधायक विजय मिश्रा के कब्जे से मुक्त कराई गई जमीन पर पर्यटन थाना बनेगा। भदोही के डीएम और एसपी ने मंगलवार को मौके पर जाकर इस जमीन का मुआइना किया। जेल में बंद विधायक के कब्जे से दो बीघा, सात बिस्वा सरकारी जमीन मुक्त कराई गई थी। यह जमीन पर्यटन थाना बनाने के लिए जल्द ही पुलिस विभाग को सौंप दी जाएगी।

पर्यटन थाना के लिए चिन्हित यह जमीन प्रयागराज-वाराणसी नेशनल हाइवे के बीच भदोही के ऊंज थाना क्षेत्र के नवधन गांव में है। पुलिस के मुताबिक विधायक विजय मिश्रा ने हाइवे के किनारे एक जमीन की रजिस्ट्री कराई थी। उसी के आड़ में वह पांच करोड़ से अधिक कीमत की सरकारी जमीन पर कब्जा किए हुए थे। विधायक ने जमीन को

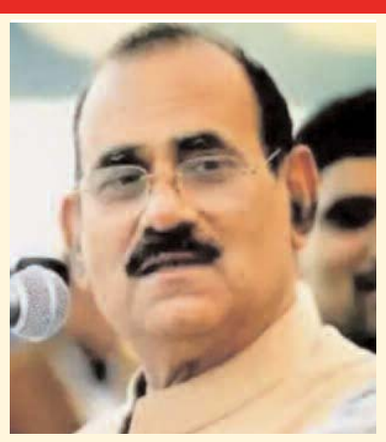

चहारदीवारी बनवाकर अपने कब्जे में कर लिया था। प्रशासन को जानकारी होने के बाद जेसीबी लगाकर चहारदीवारी तोड़ दी गई। उस पर विधायक का अवैध कब्जा हटवा दिया गया। डीएम और एसपी ने जमीन का स्थलीय निरीक्षण किया। डीएम राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि इस जमीन पर पर्यटन थाना बनाने की योजना है। इसके लिए जमीन पुलिस विभाग को हस्तांतरित की जाएगी।

विधायक पर अवैध कब्जे और रेप जैसे संगीन मामले हैं दर्ज

बाहुबली विधायक विजय मिश्रा इस वक्त आगरा जेल में बंद हैं। उन पर उनके रिश्तेदार कृष्ण मोहन तिवारी ने संपत्ति पर अवैध कब्जा करने सहित कई गम्भीर आरोप लगाए थे। उस मामले में विधायक की मध्य प्रदेश से गिरफ्तारी हुई थी। पिछले दिनों वाराणसी की एक कलाकार ने उनपर रेप का केस भी दर्ज कराया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली में टीकरी बॉर्डर पर सुरक्षा को लेकर पुलिस सतर्क

बॉर्डर पर सुरक्षाकर्मियों की एक कंपनी महिला पुलिसकर्मियों की है

नई दिल्ली। टीकरी बॉर्डर पर सुरक्षा को लेकर दिल्ली पुलिस सतर्क है। शनिवार रात से यहां सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाया गया है। दिन में दो बार सुबह व शाम के समय अधिकारी पुलिसकर्मियों को एहतियात बरतने के निर्देश दे रहे हैं। बॉर्डर पर सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पुलिसकर्मियों की तैनाती कितनी हो, यह इस बात पर निर्भर करता है कि प्रदर्शनकारी किसान कितनी तादाद में मौजूद हैं। फिलहाल, बॉर्डर पर 11 कंपनी तैनात हैं। इनमें दिल्ली पुलिस के अलावा अर्धसैनिक बल भी शामिल हैं। अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को भी यहां रिजर्व के तौर पर रखा गया है। दिन में जब भी पुलिस को लगता है कि बॉर्डर के नजदीक प्रदर्शनकारियों की तादाद बढ़ी है तो अतिरिक्त पुलिस बल को तैनात कर दिया जाता है।

महिला सुरक्षाकर्मी भी हैं तैनात

बॉर्डर पर सुरक्षाकर्मियों की एक कंपनी महिला पुलिसकर्मियों की है। दरअसल प्रदर्शनकारी किसानों में महिलाएं भी शामिल हैं। इसके अलावा दिन में कई व्यक्ति पूरे परिवार के साथ किसानों से मिलने आते हैं। ऐसे में पुलिस के लिए महिलाओं की तैनाती यहां जरूरी है। महिला सुरक्षाकर्मियों में दिल्ली पुलिस से अधिक संख्या में अर्धसैनिक बल की महिलाएं हैं। तमाम इंतजामों के बीच पुलिस प्रत्येक घंटे ड्रोन कैमरे के माध्यम से बार्डर के आसपास की प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखती है। यदि फुटेज में कहीं भी संदिग्ध गतिविधि नजर आती है तो उससे तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया जाता है। इसके बाद पुलिस उचित कार्रवाई करती है। सादी वर्दी में पुलिस की तैनातीबार्डर पर बड़ी संख्या में सादी वर्दी में पुलिस किसानों के बीच मौजूद रहकर असमाजिक तत्वों पर नजर रख रहे हैं। इसके लिए बाहरी जिला पुलिस के आपरेशन के अलावा विभिन्न शाखाओं से पुलिसकर्मियों का सहयोग लिया जा रहा है।पुलिस का कहना है कि बॉर्डर पर किसान सहित जो भी लोग हैं, सभी की सुरक्षा उनके लिए मायने रखती है। इस आशंका के बीच कि किसानों के नाम पर कोई असामाजिक तत्व उपद्रव फैला सकता है कि पुलिसकर्मियों की सतर्कता और बढ़ी नजर आती है।

टीकरी कलां की ओर से यदि किसी को रोहतक रोड के रास्ते किसानों के धरनास्थल के नजदीक पहुंचना होता है तो पहले उसे पुलिस की पूछताछ की प्रक्रिया से गुजरना होता है। पहले तलाशी और फिर परिचय पत्र दिखाने के बाद ही पुलिसकर्मी किसी को धरनास्थल के पास जाने की इजाजत देते हैं।

विपक्ष मजबूत होता तो हमें आंदोलन की जरूरत नहीं होती : राकेश टिकैत

नई दिल्ली । कृषि कानूनों के खिलाफ में पिछले 34 दिनों से किसानों का आंदोनल जारी है। दिल्ली की सीमाओं पर डटे किसानों और सरकार में अभी तक सहमति नहीं बन पाई है, हालांकि कल यानी बुधवार को बातचीत के फिर से आसार नजर आ रहे हैं। इस बीच भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने विपक्ष को कमजोर करार दिया है और कहा कि अगर विपक्ष मजबूत होता तो किसानों को आंदोलन शुरू करने की जरूरत ही क्या थी।

संक्षिप्त समाचार

पहाड़ों में बर्फबारी से दिल्ली में चली ठंडी हवाएं, ठिठुरन बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली के लोगों को मंगलवार सुबह से फिर शीतलहर का कहर झेलना पड़ा जबकि कई इलाकों में हल्के से मध्यम स्तर का कोहरा छाया रहा। पहाड़ों पर हुई बर्फबारी के चलते दिल्ली में कोहरा छाए रहने के साथ ठंडी हवाएं चली जिससे मंगलवार की सुबह अन्य दिनों की तुलना में ठंडी रही। मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली में आज न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस रहेगा। मौसम में होने वाले इस बदलाव की शुरूआत सोमवार से हो गई है। पश्चिमी विक्षोभ के चलते सोमवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान रविवार की तुलना में तकरीबन एक डिग्री की बढ़ोतरी के साथ 5.6 डिग्री पर दर्ज किया गया। इससे पहले, मौसम विभाग ने बताया था कि मंगलवार सुबह शीतलहर की शुरूआत के चलते न्यूनतम तापमान में गिरावट शुरू हो जाएगी, जो मंगलवार और बुधवार को चार डिग्री पर दर्ज किया जा सकता है, जबकि गुरुवार को न्यूनतम तापमान तीन डिग्री और शुक्रवार को एक डिग्री की बढ़ोतरी के साथ चार डिग्री पर दर्ज किया जा सकता है। मौसम विभाग ने शीतलहर के चलते जहां गुरुवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, वहीं मंगलवार, बुधवार और शुक्रवार के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के चलते सोमवार को दिल्ली की वायु गुणवत्ता में व्यापक सुधार हुआ है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने दिल्ली का समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक जो रविवार को 396 पर दर्ज किया था, जो गंभीर श्रेणी से 4 अंक कम था, वह सोमवार को 253 पर दर्ज किया गया है। इसे वायु गुणवत्ता मापने के पैमाने में खराब की श्रेणी में रखा जाता है। वहीं, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के प्रदूषण निगरानी संस्थान सफर के मुताबिक, रविवार देर रात हवा की गुणवत्ता में हुए सुधार की वजह से प्रदूषण के कणों को फैलाने में मदद की है। वहीं, पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने की वजह से 28 और 29 दिसंबर को वायु गुणवत्ता में और सुधार होने की संभावना है। हालांकि, 30 और 31 दिसंबर को वायु गुणवत्ता खराब हो सकती है, जो बेहद खराब की उच्च श्रेणी तक पहुंच सकती है।

यमुना नदी में अमोनिया बढ़ा, कई इलाकों में जलापूर्ति बाधित

नई दिल्ली। यमुना नदी में अमोनिया का स्तर बढड़े पर आज सुबह कई इलाकों में जलापूर्ति बाधित रहेगी। दिल्ली जल बोर्ड अधिकारियों के मुताबिक यमुना नदी में वजीराबाद में अमोनिया का स्तर बढ़ गया है। जिससे वजीराबाद, चंद्रावल और ओखला जल शोधन संयंत्र प्रभावित हुए हैं। इनसे कम क्षमता में पानी की सप्लाई हो रही है। जिसकी वजह से नई दिल्ली, उत्तर दिल्ली व दक्षिणी दिल्ली तीन जिलों में जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। **यह क्षेत्र प्रभावित**

सिविल लाइन, हिन्दू राव अस्पताल, कमला नगर, शक्ति नगर, करोल बाग, पहाडगंज, एनडीएमसी क्षेत्र, पुराना व नया राजेंद्र नगर, पटेल नगर, बलजीत नगर, प्रेम नगर, इंद्रपूरी, कालकाजी, गोविंदपुरी, मूलचंद, साउथ एक्स, ग्रेटर कैलाश, बुराड़ी आदि। लोगों को सलाह है कि वह केंद्रीय नियंत्रण कक्ष 1916, 23527679 पर पानी के टैंकर के लिए संपर्क करें।

आम जनता की राय से बनेगी दिल्ली की आबकारी नीति

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की वर्ष 2021-2022 की आबकारी नीति जनता के सुझाव से तैयार होगी। इस संबंध में दिल्ली सरकार ने आबकारी विभाग को निर्देश दिए हैं। विभाग वेबसाइट पर आबकारी नीति तैयार करने संबंधी बनी विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट अपलोड कर जनता से सुझाव मांगेगा। 24 दिन तक सुझाव लेने के बाद विभाग अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप देगा। सरकार इस बारे में कैबिनेट की बैठक में फैसला लेगी। दिल्ली में हर साल एक अप्रैल तक आबकारी नीति जारी की जाती है, जो 31 मार्च तक लागू रहती है। इस नीति को तैयार करने के लिए सरकार ने आबकारी आयुक्त की अध्यक्षता में सितंबर में एक कमेटी गठित की थी। कमेटी ने अपनी रिपोर्ट आबकारी मंत्री मनीष सिसोदिया को सौंप दी थी। मनीष सिसोदिया ने रिपोर्ट को आनलाइन अपलोड कर उस पर जनता से सुझाव लेने को कहा है। शराब कारोबार से जुड़े लोगों के भी सुझाव लिए जाएंगे।

चिड़ियाघर घूमने के लिए अब घर बैठे टिकट करा सकेंगे बुक

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के चिड़ियाघर में घूमने के लिए आने वाले लोगों को राहत मिलेगी। चिड़ियाघर प्रबंधन ने अपनी नई वेबसाइट लांच की है। केंद्रीय राज्यमंत्री बाबुल सुप्रियो ने वेबसाइट को लांच किया। अब चिड़ियाघर घूमने के लिए आने वाले लोग घर बैठे ही अपना टिकट बुक कर सकेंगे। इससे उन्हें अब कतार में नहीं लगाना पड़ेगा, जिससे पर्यटकों का समय बचेगा। इसके साथ ही चिड़ियाघर की बुक भी लांच की गई, जिसमें चिड़ियाघर और उसमें रहने वाले जानवरों की जानकारी दी गई है। इस मौके पर सभी पदाधिकारियों के साथ पर्यावरण मंत्रालय के पदाधिकारी भी मौजूद रहे। चिड़ियाघर के निदेशक रमेश कुमार पांडेय ने बताया कि पिछले कई महीनों से लगातार मंत्रालय के साथ मिलकर वेबसाइट अपडेट करने का काम किया जा रहा था, जिसे अब जाकर पूरा किया गया है। नई वेबसाइट पर चिड़ियाघर के इतिहास, जानवरों की संख्या और उनके बारे में सारी जानकारी दी जाएंगी। इसके साथ ही जो लोग दिल्ली या दिल्ली के बाहर से आकर चिड़ियाघर घूमना चाहते हैं तो उन्हें अब कतार में नहीं लगना पड़ेगा। लोग अपने घर ही टिकट बुक कर सकेंगे। साथ ही चिड़ियाघर की लोकेशन भी वेबसाइट पर दी गई है, जो लोगों के मिलेगी और उन्हें चिड़ियाघर आने तक में कोई दिक्कत नहीं होगी। इसके अलावा वेबसाइट पर चिड़ियाघर में मौजूद जानवरों के बाड़ों के मानचित्र को भी अपलोड किया गया है। इससे लोगों को शेर, बाघ, भालू, हिरण, जैगुआर और पक्षियों के बाड़े तक पहुंचने में दिक्कत नहीं होगी। रमेश कुमार पांडेय ने कहा कि पर्यटक चिड़ियाघर की वेबसाइट पर जाकर यह टिकट बुक कर सकेंगे। हालांकि अभी चिड़ियाघर कोविड-19 की वजह से बंद चल रहा है, जिसे जल्द पर्यटकों के लिए खोला जाएगा। गौरतलब है कि पिछले दो साल चिड़ियाघर की वेबसाइट अपडेट नहीं हुई हैं, जिसके चलते चिड़ियाघर के बारे में जानकारी लेने वाले लोगों को दिक्कत हो रही है। उन्होंने कहा कि इस दौरान राज्यमंत्री बाबुल सुप्रियो और अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने चिड़ियाघर की मैगजीन भी लांच की, जिसमें पक्षियों और जानवरों के बारे में विस्तार से जानकारियां दी गई हैं।

मिलेगा संपत्ति कर में छूट का तोहफा

कोरोना काल में निगम ने दी बड़ी राहत

पूर्वी दिल्ली। इस वर्ष संपत्ति कर के लिए आम माफी योजना से किसी भी कारणवश वंचित रह गए हैं तो पूर्वी निगम ये मौका फिर से देने जा रहा है। नए साल पर तीन महीने के लिए संपत्ति कर आम माफी योजना शुरू होने जा रही है। इस अवधि में संपत्ति कर जमा करने पर सौ फीसद जुमार्ना और ब्याज माफ होगा। इसके लिए सोमवार को हंगामे के बीच प्रस्ताव पास कर दिया गया है। नेता सदन प्रवेश शर्मा ने इस प्रस्ताव को रखा। इसका अनुमोदन पूर्व महापौर बिपिन बिहारी सिंह ने किया। प्रस्ताव के मुताबिक नियमित, अनियमित और अनाधिकृत कॉलोनियों में रिहायशी, गैर-रिहायशी और औद्योगिक संपत्तियों के लिए कर माफी योजना इस वर्ष 30 सितंबर तक लागू की गई थी। लेकिन कोरोना संक्रमण की वजह से कई लोग इस योजना का लाभ नहीं उठा पाए।

इसलिए अब नए साल पर ऐसे लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नव वर्ष पर यह योजना फिर से लाई जा रही है। सभी तरह की संपत्तियों को शामिल किया गया है। इसमें वर्ष 2019-20 की एकमुश्त पूर्ण बकाया और वर्ष 2020-21 का संपत्ति कर भुगतान करने पर जुमार्ना और ब्याज पूरी तरह से माफ करने का प्रावधान किया गया है। यह योजना एक जनवरी से 30 मार्च 2021 तक लागू रहेगी। महापौर निर्मल जैन ने कहा कि हम हंगामे के कारण लोगों को राहत देने वाले इस तरह के प्रस्ताव को रोक नहीं सकते थे। इसी वजह से इसे पास कर दिया गया है।

70 वर्गमीटर से कम रिहायशी क्षेत्र का संपत्ति कर भी हो सकता है माफ

पूर्वी निगम क्षेत्र में 90 वर्ग मीटर से कम रिहायशी क्षेत्र का संपत्ति कर भी माफ हो सकता है। इस आशय का एक प्रस्ताव पिछले दिनों शाहदरा उत्तरी जोन में पास हुआ था।

इस प्रस्ताव को सदन की भी हरी झंडी मिल गई है। हालांकि अभी इसे लागू करने में निगम को और समय लगेगा। इसके अलावा सदन की बैठक में एक और प्रस्ताव पास हुआ है जो डीबीसी (डेंगू ब्रीड चेकर) कर्मचारियों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। इस प्रस्ताव में डीबीसी कर्मचारियों को नियमित करने और निरीक्षक व सहायक निरीक्षक के पद के लिए प्राथमिकता देने की बात कही गई है।

इसके साथ 11 प्रस्ताव अनुशासनात्मक कार्रवाई को लेकर पास किए गए हैं।

पूर्वी नगर निगम की बैठक में

पार्षदों के बीच जूतमपैजार का मामला पहुंचा पुलिस थाने

नई दिल्ली। पूर्वी निगम के सदन की बैठक सोमवार को मयार्दा तार-तार हो गई। सत्ता पक्ष और विपक्ष के पार्षदों ने पहले तो जमकर हंगामा काटा। इसके बाद हाथापाई पर उतर आए। इतना ही नहीं, हाथापाई के दौरान ही चप्पल और जूते तक चलाए गए। महापौर निर्मल जैन की अपील का कोई असर नहीं हो रहा था। इसे देखते हुए महापौर ने नेता विपक्ष मनोज त्यागी, आप पार्षद मोहिनी जीनवाल को 15 दिन के लिए सदन से निलंबित कर दिया। इसके बाद भी हंगामा नहीं थमा। आप पार्षद गीता रावत महापौर के आसन पर पहुंच गईं और नारेबाजी करने लगीं।

इस पर महापौर ने उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए नोटिस जारी कर दिया है। हंगामे के दौरान ही निगम में लाए गए कई प्रस्तावों को बिना चर्चा पास कर दिया गया।

दोनों पक्षों ने थाने में दी शिकायत

सदन के अंदर हुई घटना को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष की तरफ से पटपड़गंज थाने में शिकायत दी गई है। नेता सदन प्रवेश शर्मा की तरफ से दी गई

शिकायत कहा गया है कि नेता विपक्ष मनोज त्यागी ने एजेंडा फाड़ने के साथ पूर्व महापौर बिपिन बिहारी सिंह और स्थायी समिति अध्यक्ष सत्यपाल सिंह व उनके साथ हाथापाई की। वहीं पार्षद मोहिनी जीनवाल ने हाथ में चप्पल लेकर भाजपा पार्षदों के साथ बदसलूकी की और धमकी दी।

वहीं मनोज त्यागी की तरफ से भी शिकायत दी गई है। इसमें उन्होंने आरोप लगाया कि बिपिन बिहारी सिंह ने उनके साथ धक्का-मुक्की की। बीच-बचाव करने पर पार्षद संतोष पाल और कन्हैया लाल ने गीता रावत के साथ धक्का-मुक्की की और अपशब्दों का प्रयोग किया। वहीं मोहिनी जीवनाल को थप्पड़ मारने के साथ-साथ जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया।

ऐसे शुरू हुआ हंगामा

सोमवार को सदन की बैठक की शुरूआत नेता सदन प्रवेश शर्मा ने एक पार्षद के स्वजन के निधन पर शोक प्रस्ताव से की। जब वह प्रस्ताव पढ़ रहे थे तभी नेता विपक्ष सिंघू बार्डर पर आंदोलन में जान गंवाने वाले किसानों पर शोक प्रस्ताव रखने लगे। वह उत्तरी निगम में ढाई हजार करोड़ रुपये के कथित घोटाले पर चर्चा की मांग करने लगे। इस पर महापौर ने कहा कि यह पूर्वी निगम के सदन का विषय नहीं है और आप राजनीति कर रहे हैं। इसके बाद विपक्ष के पार्षद भड़क गए और हंगामा करने लगे।

आप के पार्षद उत्तरी निगम में ढाई हजार करोड़ रुपये के घोटाले का प्ले कार्ड लहराने लगे और महापौर के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। विरोध में भाजपा के पार्षद भी बकाया फंड को लेकर दिल्ली सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। दोनों पक्षों के पार्षद महापौर की वेल में आकर हंगामा करने लगे। महापौर ने दोनों पक्षों के पार्षदों से अपनी-अपनी सीट पर बैठने की अपील की। लेकिन अपील का असर नहीं हुआ। हंगामे के दौरान महापौर के निर्देश पर नेता सदन ने बैठक के लिए लाए गए एजेंडा और प्रस्तावों को पढ़ना शुरू किया। इसी दौरान नेता विपक्ष मनोज त्यागी ने नेता सदन के साथ बैठे पूर्व महापौर बिपिन बिहारी सिंह के हाथ से एजेंडा की कॉपी छीनकर फाड़ने लगे।

मसाज और स्पा सेंटर में छापे के दौरान अंदर मिले युवक-युवती

नई दिल्ली। कोरोना वायरस संक्रमण के चलते लगाई गई रोक के बाद भी दक्षिण दिल्ली के ग्रेटर कैलाश इलाके में चल रहे स्पा पर पुलिस ने छापेमारी की। ग्रेटर कैलाश थाना पुलिस ने एक गुप्त सूचना के बाद स्पा पर छापा मारकर मालिक और मैनेजर के खिलाफ केस दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। सूत्रों ने बताया कि स्पा कई माह से चलाया जा रहा था, जहां बड़ी संख्या में लोगों का आना-जाना रहता था।

ग्रेटर कैलाश पार्ट-1 की एम-ब्लॉक मार्केट में बॉडी मसाज सेंटर और स्पा गैरकानूनी रूप से चलाया जा रहा था। पुलिस को इसकी सूचना मिली, जिसके बाद पुलिस टीम ने 26 दिसंबर की शाम को स्पा पर छापा मारा। जहां पुलिस टीम को स्पा के मालिक संजय आहुजा, मैनेजर नौशाद के अलावा एक युवती और युवक भी मिले, लेकिन पुलिस टीम को देखकर युवती और युवक स्पा के पिछले गेट से भागने में कामयाब हो गए। पुलिस टीम ने मालिक और मैनेजर को तुंरत हिरासत में लिया और उनके खिलाफ आइपीसी एक्ट और महामारी एक्ट की धाराओं में केस दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जांच में सामने आया कि यह स्पा कई माह से चल रहा था। यहां पर बता दें कि पिछले साल दिल्ली में कई मामले ऐसे सामने आए थे, जिसमें पता चला था कि स्पा और मसाज सेंटर के नाम पर अवैध व्यापार का धंधा चल रहा था। यहां तक कि एक स्पा सेंटर में तो तहखाना तक बनाया गया था। पुलिस और दिल्ली महिला आयोग की टीम ने छापा मारा तो यहां पर कई लड़के और लड़कियां बरामद हुए थे। इसके बाद कई और स्पा और मसाज सेंटर में गंदे काम को लेकर खुलासा हुआ था।

सरप्राइज गिफ्ट पाकर खुश हैं दिल्ली पुलिस के 2 आइपीएस

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के दो आइपीएस जसमीत सिंह व दीपक यादव पुलिस आयुक्त से सरप्राइज गिफ्ट पाकर बेहद खुश हैं। जसमीत, पूर्वी जिले के डीसीपी थे और दीपक की तैनाती नई दिल्ली जिले में एडिशनल डीसीपी के तौर पर थी। गत दिनों आयुक्त ने इनका तबादला कर दिया। जसमीत को दूसरी बार जिले के डीसीपी की जिम्मेदारी सौंप उत्तरी जिले का डीसीपी बना दिया, वहीं दीपक को पूर्वी जिले का डीसीपी बना दिया गया। जसमीत को लग रहा था उन्हें दिल्ली से बाहर भेजा जा सकता है। दीपक को भी नहीं लग रहा था उन्हें इतनी जल्दी जिले की जिम्मेदारी मिलेगी। दोनों को तबादले की जानकारी तब मिली जब उनके पास बधाई संदेश आने लगा। पहले ऐसा नहीं होता था। किस आइपीएस का तबादला किया जाना है अंदर खाने से अधिकतर आइपीएस को पता लग जाता था। आयुक्त ने इसमें पारदर्शिता लाया वे बगैर सिफारिश सुने मैरिट पर अकेले निर्णय ले रहे हैं।

लोगों के लिए मददगार साबित होगा बीट बूथ

दिल्ली की कानून व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए हर तरह की कवायद की जा रही है। गत दिनों इंडिया गेट पर स्थापित किया गया आधुनिक बीट बूथ नए प्रयोग का हिस्सा है। यह अपने तरह का देश का पहला बूथ है, जो किसी राज्य में नहीं है। काफी शोध के बाद इसे तैयार कराया गया है। 6 लाख की लागत वाला यह बूथ सोलर ऊर्जा से चलता है। मजबूती में ऐसा बनाया गया है कि पथराव पर जल्द छति नहीं पहुंचेगा। अंदर कुर्सियां, टेबल व वाईफाई है। 40 डिग्री तापमान पर भी अंदर अनुकूल तापमान रहेगा। पीए सिस्टम लगा है जिससे अनाउंस किया जा सकेगा। कंट्रोल रूम को तुरंत कोई सूचना दी जा सकेगी। बाहर डिजिटल मैसेज डिस्प्ले लगा है। अब आगे रायसीना हिस्ल व अन्य ऐसे जगहों पर लगाया जाएगा जहां बड़ी संख्या में लोग आते हैं। उन्हें किसी भी तरह की समस्या आने पर पुलिस समाधान कर सकें। इसमें पुलिस चौकी से अधिक सुविधाएं हैं।

बदमाश डाल-डाल तो पुलिस पात-पात

संगम विहार टिगरी के घोषित बदमाश राजेश कुमार ने दिल्ली पुलिस को चकमा देकर गुरुग्राम के लाइसेंच्सग विभाग में जोड़तोड़ कर फर्जी पते पर पिस्टल का लाइसेंस बनवा उसपर तीन हथियार खरीद लिया। गुरुग्राम पुलिस को भविष्य में जांच के दौरान फर्जी पते पर लाइसेंस बनवाने का पता न लग जाए इसके लिए उसने पलवल में एक प्रॉपर्टी खरीद उस पते पर डीसी कार्यालय से जुगाड़ कर लाइसेंस स्थानांतरित करा लिया था। राजेश की मां व भाई के खिलाफ भी शराब तस्करी के मुकदमें हैं। राजेश निर्दलीय से विधानसभा चुनाव भी लड़ चुका है। सितंबर में टसनबाजी में हवाई फायरिंग करने पर दिल्ली पुलिस ने राजेश को दबोच जांच की तब फजीर्वाड़े का पता चला। उसके तीनों हथियार जब्त कर लिए गए। गुरुग्राम व पलवल के संबंधित विभागों को जानकारी दी गई। दिल्ली में कोर्ट में भी जुगाड़ कर राजेश ने दो हथियार जारी करने का आर्डर करा लिया था। लेकिन आर्डर कराने से पहले दिल्ली पुलिस पलवल से इसका लाइसेंस ही रद करा दिया।

वीसी के जरिए होगी सालाना पत्रकारवार्ता ! कोरोना संक्रमण के कारण इस बार भी दिल्ली पुलिस की सलाना पत्रकारवार्ता हो पाना मुश्किल ही लग रहा है। पिछले साथ (नागरिकता संशोधन कानून) व एनआरसी के विरोध में शाहीनबाग में धरना प्रदर्शन होने व विधानससभा चुनाव को लेकर आचार संहिता लगे होने के बहाने तत्कालीन पुलिस आयुक्त ने सालाना पत्रकारवार्ता को टाल दिया था।

करोड़ों रुपये की ठगी में कंपनी का निदेशक गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (इओडब्ल्यू) ने सॉफ्टवेयर कंपनी का 12 करोड़ रुपये की ठगी में कंपनी के निदेशक को गिरफ्तार किया है। आरोपित अनुराग महाजन तुमलारे सॉफ्टवेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड और तुमलारे ट्रैवल प्राइवेट लिमिटेड का निदेशक था। उसने फजीर्वाड़ा कर कंपनी का रुपया अपने खाते में स्थानांतरित कर घपला किया था। मुकदमा दर्ज करने के बाद से ही वह फरार था। इओडब्ल्यू के संयुक्त पुलिस आयुक्त डॉ. ओ.पी. मिश्रा ने बताया कि पुलिस को तुमलारे सॉफ्टवेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड और तुमलारे ट्रैवल प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक अनुराग महाजन द्वारा ठगी किए जाने की शिकायत मिली थी। कंपनी ने पुलिस में दी शिकायत में बताया था कि अनुराग महाजन ने कंपनी के 12 करोड़ 84 लाख रुपये की धोखाधड़ी की है।

वहीं, पुलिस ने छानबीन शुरू की तो पता चला कि अनुराग महाजन को वर्ष 1999 में कंपनी का निदेशक बनाया गया था। वर्ष 1999 से 2004 के बीच वह निदेशक होने के साथ ही कंपनी का मुख्य लेखाकार की जिम्मेदारी भी निभा

रहा था। दोनों महत्वपूर्ण पद पास होने कारण रुपये की लेनदेन और प्रबंधन अनुराग महाजन के पास था। लिहाजा उसने जाली दस्तावेज के माध्यम से कंपनी के 12 करोड़ से ज्यादा रुपये अपने निजी खाते में स्थानांतरित कर लिया था। बाद में उन रुपये का उसने शेयर खरीदने के अलावा उसका अन्य स्थान पर निवेश कर दिया था। इससे कंपनी का भारी नुकसान उठाना पड़ा। धोखाधड़ी की पुष्टि होने पर वर्ष 2018 में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपित की तलाश शुरू की। लेकिन वह फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में थी।

इसी बीच जानकारी मिलने पर पुलिस की टीम ने 27 दिसंबर को आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अनुराग महाजन ने दिल्ली विश्वविद्यालय के रामजस कॉलेज से बीकॉम कर रखी है।

मेडिकल रिप्रेजेन्टेटिव सदाबहार कॅरिअर

जैसे-जैसे मल्टी नेशनल कंपनियां भारतीय दवा बाजार में पैर फैला रही हैं वैसे-वैसे हर कंपनी आक्रामक विपणन नीति का सहारा ले रही है। इसके लिए दवा कंपनियां मेडिकल रिप्रिजेंटिव की नियुक्ति करती हैं जो चिकित्सक, दवा कंपनियों और उनके ग्राहकों के बीच की बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है। इनके बिना कोई भी कंपनी अपना व्यवसाय फैला नहीं सकती।

गला काट प्रतिस्पर्धा के इस दौर में बाजार में टिके रहने के लिए कंपनियां विपणन नीति का सहारा ले रही हैं। इससे दवा कंपनियां भी अछूती नहीं हैं। भूमंडलीकरण ने इस प्रतिस्पर्धा को और बढ़ा दिया है। जैसे-जैसे मल्टी नेशनल कंपनियां भारतीय दवा बाजार में पैर फैला रही हैं वैसे-वैसे हर कंपनी आक्रामक विपणन नीति का सहारा ले रही है। इसके लिए दवा कंपनियां मेडिकल रिप्रिजेंटिव की नियुक्ति करती हैं जो चिकित्सक, दवा कंपनियों और उनके ग्राहकों के बीच की बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है। इनके बिना कोई भी कंपनी अपना व्यवसाय फैला नहीं सकती। लिहाजा इस क्षेत्र में भी रोजगार के बेहतर अवसर खुल रहे हैं।

मेडिकल रिप्रिजेंटिव के क्षेत्र में कॅरियर बनाने के इच्छुक अभ्यार्थी को विज्ञान स्नातक होना आवश्यक है। लेकिन फार्मेसी में डिग्री और डिप्लोमाधारी अभ्यर्थी को सभी दवा कंपनी प्राथमिकता देती हैं। हालांकि इस क्षेत्र में सफलता हासिल करने के लिए डिग्री से ज्यादा धैर्य, लगन तथा वाकपटुता की जरूरत होती है। इसके साथ ही आकर्षक व्यक्तित्व, बातचीत से दूसरे को प्रभावित करने की क्षमता और सकारात्मक सोच का होना भी जरूरी है।

एक मेडिकल रिप्रिजेंटिव यानी एमआर का काम मेडिकल व्यवसाय से जुड़े, व्यवसायियों, चिकित्सकों से संपर्क कर अपनी कंपनी द्वारा उत्पादित दवाओं की गुणवत्ता बताना होता है। उन्हें इस तरह समझाना होता है कि चिकित्सक रोगियों को उन्हीं की कंपनी की दवा लिखे। एक एमआर को अपनी कंपनी की उत्पादित तमाम दवाओं की जानकारी रखना होता है और चिकित्सकों और व्यवसायियों को बताना होता है। यानी वह कंपनी और व्यवसायियों के बीच एक पुल का काम करता है। एक तरह से उसके कंधे पर कंपनी की सफलता की पूरा दारोमदार टिका हुआ है।

एक एमआर को वेतन उसकी योग्यता और कंपनी के स्तर के आधार पर मिलता है। शुरुआत में एक एमआर को 5 से लेकर 15 हजार रुपए तक मिलते हैं। इसके अलावा वाहन, यात्रा भत्ता, हाउसिंग और सुविधाएं अलग से मिलती हैं। देश के कई संस्थानों में मेडिकल प्रशिक्षण और फार्मा मार्केटिंग मैनेजमेंट, बैचलर ऑफ फार्मेसी और डिप्लोमा इन फॉर्मेसी के कोर्स कराए जाते हैं। इनमें से कुछ प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं-

- हमदर्द कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मदनगीर, दिल्ली।
- कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, पुष्प विहार, महरौली, दिल्ली।
- महिला पॉलीटेक्निक, महारानीबाग, नई दिल्ली।
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- बॉम्बे कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मुंबई, महाराष्ट्र।
- बिहार कॉलेज ऑफ फार्मेसी, अनिसाबाद, पटना, बिहार।

सफलता का आईना हो आपका रिज्यूमे

नौकरी प्राप्त करने का पहला कदम रिज्यूमे प्रेषित करना होता है। आपका रिज्यूमे आपकी सफलता का आईना हो, जिसमें सब कुछ स्पष्ट दिखे। वह केवल आपकी सफलता ही नहीं, बल्कि आपके कार्य-इतिहास के बारे में भी सब कुछ कहे, ताकि नियोक्ता को कहीं कोई शंका न रह जाए।

आज के प्रतिस्पर्धा भरे माहौल में आपको दूसरों से अलग बनाती हैं आपकी सफलताएं। यहां हम आपको कुछ टिप्स बता रहे हैं, ताकि आपके रिज्यूमे में आपकी सफलताएं भली-भांति प्रदर्शित हों। जहां प्रतिस्पर्धा बहुत ज्यादा बढ़ चुकी है, वहां केवल योग्यता और कार्यानुभव के दम पर अच्छी नौकरी पाना आसान नहीं है। ऐसे में आपकी छोटी-बड़ी सफलताएं ही हैं, जो आपको अन्य लोगों से आगे रखती हैं। आप किसी कंपनी के लिए कितने तरीके से लाभदायी सिद्ध हो सकते हैं, इस बात को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और इसे बताने के लिए जरूरी है कि आपका रिज्यूमे बेहतरीन तरीके से तैयार किया जाए, जो आपको साधारण आवेदक की श्रेणी से विशेष की श्रेणी में पहुंचाएगा।

उत्तरदायित्वों को पेश करें

अपना रिज्यूमे तैयार करने का एक बढ़िया तरीका है कि आप शब्दों का चयन चतुराई से करें। यहां तक कि जब आप अपने कार्य उत्तरदायित्वों की बात करें तो उन्हें ऐसे पेश करें कि वे आपकी सफलताएं नजर आएं। मिसाल के तौर पर..

पहले- उत्तरी क्षेत्र में सेल्स की जिम्मेदारी।

अब- समूचे उत्तरी क्षेत्र के सेल्स प्रमुख।

देखिए कैसे 'जिम्मेदारी' की जगह 'प्रमुख' क्रिया का इस्तेमाल करते ही रिज्यूमे आपकी जो छवि बनाता है, उसमें कितना अंतर दिखाई देने लगा है। अगर एक रिज्यूमे में सिर्फ आपके उत्तरदायित्वों का ही जिक्र होता है तो किसी भी कंपनी को यह बिल्कुल समझ में नहीं आता कि आप असल में करते क्या थे! साथ में उन्हें बमुश्किल ही पता चल पाता है कि आप उनके लिए क्या कर सकते हैं। इस बात का खास ख्याल रखें कि अपनी रोजमर्रा की जिम्मेदारियों को बताने के लिए दमदार क्रिया-शब्दों जैसे लेड, इनीशिएटेड, स्पीयरहेडेड, कंट्रोल्ड, एक्सेलरेटेड, अटेंड, कॉन्सेप्चुलाइज्ड, कंडक्टेड, डिवाइस्ड, डायरेक्टेड, ड्राफ्टेड, एक्जीक्युटेड, एन्हैंस्ड, एस्टेब्लिश्ड आदि का इस्तेमाल करें। इन शब्दों के माध्यम से आपकी छवि एक सक्रिय कर्मचारी की बनेगी और कंपनी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। जब आप यह कहेंगे कि आपको क्या हासिल हुआ, बजाए इसके कि आप क्या संभालते थे तो आपकी छवि एक उत्तरदायी और पहल करने वाले कर्मचारी के रूप में बनेगी, न कि सिर्फ ऐसे व्यक्ति के रूप में, जो केवल दिया हुआ काम ही पूरा करता है।

जिम्मेदारियों के बारे में बताएं

किसी कंपनी को यह बताना भी बेहद महत्वपूर्ण है कि आप अपने काम को कितने अच्छे तरीके से संभालते हैं। इसके लिए भी आपको 'रिस्पॉन्सिबल फॉर' से कुछ अधिक कहना होगा, जैसे..

पहले- कंपनी में एमआईएस इंटरफेस की जिम्मेदारी।

अब- नए मार्केट्स की तलाश और क्लाइंट्स को बेहतर सेवा देने के लिए एमआईएस के साथ तकनीकी तरक्की के लिए कार्य (इंटरफेस)।

पहले जो रिज्यूमे में लिखा गया है, उससे कंपनी के दिमाग में यह बात स्पष्ट नहीं होती कि आप कितने प्रभावी तरीके से अपनी जिम्मेदारी संभाल रहे थे, वहीं दूसरे मामले में 'इंटरफेस' शब्द ने आपको एक सक्रिय आवेदक के रूप में प्रस्तुत किया है। इस तरह किसी भी कार्य के साथ जुड़ने ने यह दिखा दिया है कि आपका इसमें क्या योगदान रहा और यही आपकी सफलता भी है। साथ ही इससे कंपनी को यह भी समझ में आ गया कि भविष्य में आप किस प्रकार से उन्हें योगदान दे सकते हैं। दरअसल हम एक बेसिक रिज्यूमे में अपने संपर्क की जानकारी, अपना उद्देश्य, अपने बारे में जानकारी, कार्यानुभव, अतिरिक्त गतिविधियां और दूसरी जानकारी देने में काफी जल्दबाजी करते हैं। हम अक्सर ऐसी जगह आकर रुक जाते हैं, जहां हमें वास्तव में अपनी वर्तमान कंपनी में अपने योगदान का जिक्र करना चाहिए।

एक दमदार रिज्यूमे का मुख्य तत्व 'प्रमाण' होता है। प्रमाण इस बात का कि आपने रिज्यूमे में जो कुछ भी कहा है, आप उसकी इज्जत रखेंगे - और यह प्रमाण आपके वाइटल स्टेटस में होता है, जिसमें तथ्य व आंकड़े या परिणाम दर्शाने वाले कथन होते हैं। ये सब आपके वर्तमान कार्य को दर्शाते हैं व आपको एक सफल व कार्य करने के इच्छुक कर्मी के रूप में साबित करते हैं।

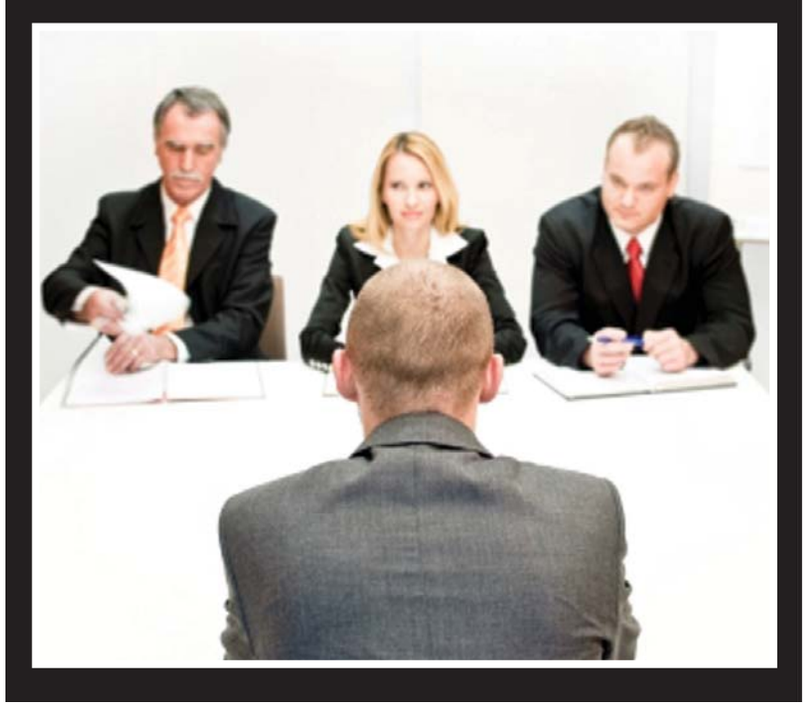

जब भटक जाए करियर प्लान

कॉलेज डिग्री के बाद आप कॉर्पोरेट जगत में अपना प्रोफेशनल जीवन शुरू करते हैं। इसके लिए आप इंटरव्यू की तैयारियां भी पूरे मनोयोग से करते हैं, जहां 'आप पांच वर्ष में खुद को कहा देखते हैं?' जैसे प्रश्नों की आप खास तैयारी करते हैं। लेकिन पांच या दस वर्ष बाद आपकी महत्वाकांक्षाएं कितनी पूरी हो पाती हैं? क्या आप अपनी प्रगति से संतुष्ट होते हैं या आपको लगता कि यदि एक और मौका मिले तो आप अपने प्रयास कुछ अलग तरीके से करना चाहेंगे ? जब करियर लक्ष्य पूरे न हों तो निराशा होनी स्वाभाविक होती है; फिर जरूरी हो जाता है कि आप अपनी मौजूदा स्थिति का आकलन करें और करियर ग्राफ को ऊपर ले जाने के लिए भावी योजना की रूपरेखा एक बार फिर तैयार करें।

निराशा से जूझना - क्या शुरुआत में वह नौकरी आपके हाथ से निकल गई थी जिसे आप सचमुच प्राप्त करना चाहते थे, और क्या आपका मौजूदा कार्य आपको तरक्की करने के पूरे मौके नहीं दे रहा और क्या कोई नया ऑफर भी आपकी ओर नहीं आ रहा, या फिर कई नौकरियां बदलने के बावजूद आप वहां नहीं पहुंच पा रहे जहां पहुंचने की आपने उम्मीद की थी, और इन सबके अलावा अर्थव्यवस्था का कठिन दौर भी आपके खिलाफ जा रहा है?

कई बार आपके सच्चे प्रयासों के बाद भी परिस्थितियां शुरू से ही आपके विपरीत रहती हैं। फिर भी, यहां यह ध्यान रखना होगा कि आप जो रास्ता पार कर चुके हैं, उस पर आप वापस तो नहीं

जा सकते, लेकिन भविष्य की तैयारी अपने अनुसार जरूर कर सकते हैं।

पुनःप्रयास - तो यदि आपको लगता है कि आपके करियर चार्ट में कुछ कमी है तो उसका सही **आकलन करें** - क्या यह वह बुनियादी हुनर है जिसकी कमी से आप बड़ी परियोजनाओं का हिस्सा नहीं बन पा रहे हैं या कोई सॉफ्ट स्किल है जो महत्वपूर्ण कार्य संबंधों को आपसे दूर रख रहा है? इसके बाद, उपरोक्त कमियों को दूर करने के लिए जरूरी प्रशिक्षण के बाद की परिस्थितियों का भी आकलन करें। यह भी जरूरी है कि आप अपने करियर के मौजूदा दौर में प्रशिक्षण की महत्ता को समझें।

फोकस बदलें - आपने अपनी सारी ऊर्जा एक ही दिशा में लगा दी थीं, परंतु वह आपके काम नहीं आई। तो अब समय आ गया है कि आप आगे बढ़ें और अन्य दिशाओं में अपने प्रयास शुरू कर दें। इसका मतलब करियर की दिशा में परिवर्तन नहीं होता, बल्कि मौजूदा कार्य के साथ नई जिम्मेदारियां उठाना, जिनमें आपको कुछ नए हुनर सीखने की जरूरत हो। याद रखें कई बार विपरीत परिस्थितियों में नए अवसर छुपे होते हैं; एक अदद निराशा को अपने समूचे करियर को नुकसान न पहुंचाने दें।

खुद पर भरोसा - दुविधा के समय अपने निर्णयों पर सवाल करना अक्सर एक प्राकृतिक क्रिया होती है; परंतु जरूरी है कि अपनी सोच और क्षमताओं पर विश्वास डगमगाना नहीं चाहिए। गलत नौकरी या विपरीत परिस्थितियों का शिकार होना ही आपके बारे में नहीं बताता। इसलिए, अपनी जमीन पर जमें रहें।

कैसे पाएं प्रोमोशन

फर्ज करें आपके बॉस, आपके बॉस के बॉस और अन्य कंपनी एग्जीक्यूटिव्स एक साथ बैठकर आपके बारे में विचार कर रहे हों। इस दौरान वह आपके कार्य चरित्र, आपकी लीडरशिप क्वालिटीज, आपके प्रोजेक्ट्स, आपके अधीनस्थों, आपके द्वारा प्राप्त नतीजों और गत वर्ष के दौरान आपकी परफॉरमेंस के बारे में चर्चा करते हैं। यह समिति एक बहुत महत्वपूर्ण नतीजा लेती है- आपको तरक्की मिलनी चाहिए या नहीं ? बेशक आपके संस्थान में इस कार्य से जुड़ा कोई अनौपचारिक तरीका न हो, लेकिन इस तरह की प्रक्रिया कमोबेश प्रत्येक छोटी या बड़ी कंपनी में होती है। दरअसल, इस प्रक्रिया के दौरान कुछ ऐसा होता है- प्रत्येक मैनेजर अपनी पसंद के प्रत्याशी को तरक्की प्राप्त करने के सबसे बड़े उम्मीदवार के तौर पर पेश करता है। उस समय समिति के अन्य सदस्य यह जानना चाहते हैं कि ऐसा क्यों है।

इसलिए ऐसे समय आपको एक ऐसे मैनेजर का सहयोग होना चाहिए जो आपके बारे में सही छवि पेश कर सके। आपके मैनेजर के साथ अन्य ऐसे मैनेजर्स और एग्जीक्यूटिव्ज भी होंगे जिन्होंने आपके साथ काम किया है, वह भी अपने विचार रखेंगे। इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि वह आपका सकारात्मक और असरकारी रूप सामने रखें। जाहिर है जब प्रत्येक मैनेजर अपने प्रत्याशी के पक्ष में बात सामने रखेगा, उस समय प्रतिस्पर्धा बहुत सख्त हो जाएगी। प्रत्याशियों की संभावी तरक्की के बारे में अधिकारियों के बीच यह मंत्रणा ईमानदार और कड़वी भी हो सकती है। यदि आपको कोई पसंद नहीं करता, तो वह भी ऐसे समय स्पष्ट हो जाता है। कई बाद हालात उस समय सचमुच बिगड़ जाते हैं जब अपने प्रत्याशी को किसी भी कीमत पर तरक्की दिलाने पर उतारू कोई मैनेजर अन्य प्रत्याशियों की बढ़-चढ़ कर बुराइयां करने लगता है। तो तरक्की पाने का आपका मौका तब अधिक होता है जब आपको -

- हाई परफॉरमेंस रिव्यूज मिले हों।
- आपने दिए गए सभी लक्ष्य प्राप्त कर लिए हों।
- आपने भावी सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने की शुरुआत कर दी हो।
- आपने टीम के कार्य पूरे कर दिए हों।
- कंपनी को बचत करने की विधि बताई हो।
- अतिरिक्त कार्यों की जिम्मेदारी ली हो।
- नए संबंध स्थापित किए हों।
- कार्य के दौरान ज्यादा देर तक काम किया हो।

परंतु कुछ बिंदु आपके खिलाफ भी जा सकते हैं यदि -

- समिति में सब आपको, आपके कार्य और उपलब्धियों से परिचित न हों।
- मंत्रणा के दौरान यदि ज्यादा लोगों ने आपके पक्ष में न बोला हो।
- आप दफ्तर की राजनीति से दूर रहते हों यानी आप समूचे 'खेल का हिस्सा' न हों।
- आपने दिए गए कार्य से अतिरिक्त कुछ और न किया हो।
- यदि नीति निर्धारक आपसे प्रभावित न हों और कम ही लोग आपके पक्ष में बात रख रहे हों।

यदि प्रोमोशन नहीं मिलती तब?

यदि ऐसा होता है तो तुरत-फुरत अपने रिज्यूमे अन्य स्थानों को भेजने न शुरू कर दें। इससे अनुभव लें और अगली बार के लिए तैयार रहें। कुछ उपाय-

बॉस से सही फीडबैक लें

प्रोमोशन से जुड़ी मीटिंग की अधिकाधिक जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करें। आपके बॉस बेशक ऐसे समय कुछ बातें आपको नहीं बताएं, परंतु फिर भी वह बिना नाम लिए जरूरी जानकारी आपको दे सकते हैं।

अपनी कमियों को भी जाहिर करें

रक्षात्मक न बनें। अपनी कमियों को दूर करने के लिए अपने बॉस के साथ काम करें। उदाहरण के लिए, यदि वरिष्ठ समूह कहता है कि आप वित्तीय मामलों में अधिक मजबूत नहीं हैं, तो कहें कि आप इस विषय में प्रशिक्षण लेने को तैयार हैं।

अगली मीटिंग का इंतजार न करें

यह कभी न सोचें कि आपका कार्य अपनी पहचान खुद बनेगा। आपका लक्ष्य होना चाहिए कि मीटिंग रूम में सब को आपकी उपलब्धियों का पहले से पता हो। इसके लिए कंपनी के हित में आपके कार्य के बारे में नीति निर्माताओं को समझाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करें।

तरक्की प्राप्त करने से जुड़े तीन उपाय

चूंकि अब आप जानते हैं कि इस दौरान 'खेल' खेला जाता है, तो प्रोमोशन प्राप्त करने से जुड़े कुछ उपाय जानिए।

बॉस को करें तैयार

इस बात पर ध्यान दें कि आपके बॉस के पास आपकी उपलब्धियों से जुड़ी सभी जानकारी दस्तावेजों के रूप में मौजूद हो।

बॉस को सहयोग दें

ऐसे कुछ बिंदुओं को तैयार करें जो बताएं कि आप क्यों आदर्श प्रत्याशी हैं। इन बिंदुओं के साथ अत्य तथ्यात्मक जानकारी भी दें जो कंपनी के हित से जुड़ी हो। कुछ बड़े ग्राहकों या उपभोक्ताओं से प्राप्त प्रशंसा पत्र आदि भी साथ रखें।

अन्य लोगों की प्रतिक्रियाओं का पूर्वानुमान

अपने सहयोगियों का लाभ लें और विरोधियों द्वारा संभावी नुकसान का आकलन करें। अपने बॉस को यह भी सूचना दें कि आपने मंत्रणा कक्ष में मौजूद लोगों की किस तरह मदद की थी। यदि कुछ विरोधी तत्व आपकी नजर में हैं तो उनकी जानकारी भी बॉस को दें। उनसे आपके बॉस कैसे निपटें, इस पर विचार किया जाना जरूरी होता है।

अप्रेजल का समय आने को है। इसके बहाने आप अपने कार्य की समीक्षा स्वयं भी कर सकते हैं। तो शुरुआत कीजिए इस कार्य की जो आपको इस वर्ष तरक्की के मार्ग पर आगे बढ़ाने जा रहा है। बता रहे हैं जोल गार्फिकल

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार पर लगाया संविधान का सम्मान नहीं करने का आरोप, कही यह अहम बात

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को जोर देकर कहा कि गुपकर गठबंधन देश के संविधान के दायरे में रहकर जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे की बहाली के लिए संघर्ष कर रहा है। उन्होंने तीन नए कृषि कानूनों को लेकर भाजपा नीत केंद्र सरकार की आलोचना भी की, जिसके खिलाफ किसान आंदोलनरत हैं।

श्रीनगर में एक पार्टी कार्यक्रम के दौरान महबूबा ने कहा कि सरकार कृषि कानून लाई और किसान इसके विरोध में कड़ाके की ठंड में भी सड़कों पर उतरे हुए हैं। अगर कानून किसानों को स्वीकार नहीं हैं तो क्या ये उनके फायदे के लिए हो सकते हैं? अगर आप ऐसे कानून लाते हैं जोकि लोगों को ही स्वीकार नहीं हैं तो आप देश के संविधान का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त करके सरकार ने संविधान का अपमान किया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने पूछा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस स्वायत्तता की बात करती है और यह संविधन के दायरे में है।

पटना में कृषि कानूनों के खिलाफ राजभवन की ओर जा रहे प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज, कई जख्मी

पटना। केंद्र के नए कृषि कानूनों के खिलाफ रैली निकालकर राजभवन की ओर जा रहे प्रदर्शनकारियों पर मंगलवार को पुलिस ने बल प्रयोग किया जिसमें अनेक लोग घायल हो गए। कई किसान संगठनों के सदस्यों और वाम समर्थकों समेत हजारों लोगों ने फ्रेजर रोड की ओर रूख किया जिससे यातायात ठप पड़ गया। पुलिस के मुताबिक डाक बंगला क्रॉसिंग पर प्रदर्शनकारियों को रोकने के प्रयास किए गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि इससे पहले, रैली शुरू होने के स्थान गांधी मैदान पर प्रदर्शनकारी, पुलिस तथा प्रशासनिक अधिकारियों के बीच झड़पें हुईं थीं क्योंकि प्रदर्शनकारियों ने मैदान में केवल एक द्वार के रास्ते ही प्रवेश देने पर आपत्ति जताई थी।

सूत्रों ने कहा कि यह प्रतिबंध भगदड़ जैसे हालात से बचने के लिए लगाया गया था लेकिन प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि यह उनकी आवाज दबाने का प्रयास है। पुलिस ने बताया कि बाद में प्रदर्शनकारी करीब डेढ़ किमी दूरी पर स्थित डाक बंगला क्रॉसिंग पर पहुंच गए जहां मौजूद अधिकारियों ने उन्हें बताया कि यहां से आगे उनके मार्च की इजाजत नहीं दी जाएगी। इस पर प्रदर्शनकारी राजभवन जाने पर अड़ गए तो पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए बल प्रयोग किया। उन्होंने बताया कि इसमें घायल व्यक्तियों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

क्या गोवा में होगी गांजे की खेती ? मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने दिया यह जवाब

पणजी। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार के सामने मारिजुआना की खेती की अनुमति देने के लिये एक प्रस्ताव पेश किया गया है, लेकिन इस संबंध में कोई अनुमति नहीं दी गई है। सावंत का यह बयान गोवा फॉर्वर्ड पार्टी (जीएफसी) के अध्यक्ष विजय सरदेसाई के उस दावे के बाद आया है कि राज्य में चिकित्सा उद्देश्यों के लिये मारिजुआना (गांजा) के उत्पादन का प्रस्ताव रखा गया है।

सावंत ने यहां पत्रकारों से कहा कि राज्य में मारिजुआना की खेती से संबंधित एक फाइल सरकार के सामने पेश की गई है, लेकिन उसे मंजूरी नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव रखा गया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उसे मंजूरी दे गई है। इस पर सरकार को फैसला लेना है। इस संबंध में सरकार के सामने कई प्रस्ताव रखे गए, लेकिन कभी उन्हें मंजूरी नहीं दी गई।

मोहन भागवत ने मीडिया अध्ययन एवं शोध केंद्र का किया उद्घाटन

कोझिकोड। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को यहां के पास चालाप्पुरम में 'केसरी मीडिया अध्ययन एवं शोध केंद्र' का उद्घाटन किया और कहा कि नई पीढ़ी को उस संघर्ष को याद रखना चाहिए जिससे संगठन आगे बढ़ा है। भागवत ने कहा कि संघ से संबद्ध साप्ताहिक 'केसरी' का प्रकाशन 1951 में शुरू हुआ था और यह 'भारत के उत्थान पर केंद्रित' विचारों का फल है।

परंपरागत दीप जलाकर केंद्र का उद्घाटन करने के बाद भागवत ने कहा, 'केसरी भारत के उत्थान पर केंद्रित कुछ निश्चित विचारों का फल है और नई पीढ़ी को उस संघर्ष को याद रखना चाहिए जिससे तमाम मुश्किलों के बावजूद संगठन आगे बढ़ा।' संघ प्रमुख ने कहा कि पिछले 70 वर्षों के दौरान 'केसरी' का सफर बहुत सुगम नहीं रहा और वर्तमान पीढ़ी को यह तथ्य समझना चाहिए। भागवत ने कहा, 'एक समय था जब सत्य प्रकाशित करने के लिये भी अनुमति लेनी पड़ती थीं। किंतु सत्य पर विश्वास और कड़े परिश्रम से सत्य के विजयी बनते है और आज यह उनमें से एक है।' उन्होंने कहा कि 'केसरी' का उद्देश्य धर्म के मार्ग को स्थापित करना है। संघ प्रमुख ने कहा, 'केसरी का उद्देश्य 'धर्म' के मार्ग को स्थापित करना है, कोई फर्क नहीं पड़ता भले ही हमें कुछ जीत मिले। सभी चुनौतियों के बावजूद, हमें धर्म के लक्ष्य को हासिल करने का अपना प्रयास जारी रखना चाहिए।' भागवत ने इस मौके पर आठ किताबों का विमोचन भी किया। बाद में उन्होंने केंद्र में एक पुस्तकालय का भी उद्घाटन किया।

महिला डॉक्टरों के सामने बड़ी चुनौती, अश्लील हरकतों का अड्डा बनता जा रहा है ऑनलाइन कंसल्टेशन

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

ऑनलाइन कंसल्टेशन देना अब महिला डॉक्टरों के लिए चुनौती भरा होता जा रहा है। यह दावा किया जा रहा है कि 24*7 ऑनलाइन कंसल्टेशन वेबसाइट महिला डॉक्टरों के उत्पीड़न का अड्डा बनता जा रहा है। एक खबर के मुताबिक ऑनलाइन कंसल्टेशन देने के दौरान महिला डॉक्टरों को शर्मसार होना पड़ता है। उनके सामने ही मरीज मास्टरबेट और भद्दी भद्दी बातें करने लगते हैं। हालांकि ऑनलाइन कंसल्टेशन के लिए एक दिशा निर्देश जारी किया गया था। दिशा-निर्देश के अनुसार यह कहा गया था कि टेलीमेडिसिन कंसल्टेशन के लिए मरीज और डॉक्टर एक दूसरे को जानने चाहिए। लेकिन वर्तमान समय में देखें तो ज्यादातर वेबसाइटें इस नियम का उल्लंघन कर रही हैं।

इतना ही नहीं, इन वेबसाइटों ने तो इस बात की जानकारी पुलिस को देना भी जरूरी नहीं समझा। लगातार इस तरीके की बातें वह छिपा रहे है और कुछ ऐसी तकनीक विकसित करने में लगे है जो इस मामले को कम कर सके। हालांकि फिलहाल उन्हें सफलता नहीं मिल पा रही है। फर्जी मरीज बनकर महिला डॉक्टरों के साथ लोग लगातार अश्लील हरकतें कर रहे हैं। इन वेबसाइटों पर रजिस्ट्रेशन करने के तुरंत बाद ही मरीजों को ऑनलाइन कंसल्टेशन के लिए डॉक्टर मिल जा रहे हैं। वर्तमान समय में ऑनलाइन कंसल्टेशन पर रजिस्ट्रेशन कराना कोई मुश्किल काम किसी के लिए भी नहीं है। कई मामलों में ऐसा भी देखा गया है कि खुद को मरीज बताने वाले लोग शराब के नशे में महिला डॉक्टरों से बात करते हैं।

अगर वेबसाइट की ओर से इस तरह की हरकत करने वाले मरीजों के मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी ब्लॉक कर दी जा रही है तो वह दूसरे नंबर और आईडी से रजिस्ट्रेशन करवा लेते हैं। इस बात की जानकारी ना तो ऑनलाइन कंसल्टेशन वेबसाइट को होती है और ना ही डॉक्टरों को। डॉक्टर को यह बात तब पता चलती है जब वह मरीज को देखना शुरू करते हैं। ज्यादातर मामलों में यह भी देखा जा रहा है कि जब एक ऑनलाइन कंसल्टेशन वेबसाइट किसी मरीज को ब्लॉक करता है तो वह दूसरे कंसल्टेशन वेबसाइट पर जाकर रजिस्ट्रेशन करवा लेता है और फिर से ऐसी हरकतें करना शुरू करता है। अब तो हद ही हो गई है, मरीज फेसबुक, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल नेटवर्किंग के जरिए डॉक्टर्स को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजते हैं और पर्सनल नंबर की मांग करते हैं। ऐसे में डॉक्टर्स अपनी प्राइवेसी को लेकर चिंतित है। हालांकि मामले लगातार ऐसे बढ़ रही है। लेकिन वेबसाइटों की ओर से कोई ठोस कदम अब तक नहीं उठाया गया है। डॉक्टर्स लगातार ऐसे मरीजों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

किसानों संग बातचीत से पहले सरकार का विचार-विमर्श, अमित शाह की अगुआई में बैठक शुरू

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्र सरकार और किसान संगठनों के बीच 30 दिसंबर को बातचीत होनी है। इससे पहले सरकार के स्तर पर विचार- विमर्श शुरू हो गया है। नॉर्थ ब्लॉक में किसानों के मसले पर गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स की बैठक शुरू हो गई है। इस बैठक में कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और रेल मंत्री पीयूष गोयल सहित गृह मंत्रालय के अधिकारी मौजूद हैं। सरकार और किसान संगठनों के बीच बुधवार को बातचीत होनी है। वार्ता से पहले ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स की बैठक काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सरकार से जुड़े सूत्र ने कहा कि बुधवार की बैठक के लिए सरकार की स्थिति पर चर्चा की और अंतिम रूप दिया। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, रेल मंत्री गोयल और वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री सोम प्रकाश किसानों के साथ वार्ता में केंद्र का प्रतिनिधित्व करेंगे।

नौ दिसंबर को अमित शाह ने किसान नेताओं

से की थी बातचीत

सरकार और किसान संगठनों के बीच अब तक पांच दौर की वार्ता हो चुकी है। इसके बाद छठे चरण की वार्ता के लिए नौ दिसंबर को प्रस्तावित बैठक से पहले गृह मंत्री अमित शाह ने किसान नेताओं के साथ अनौपचारिक बातचीत की थी। उन्हीं के सुझाव के आधार पर सरकार की ओर से किसान संगठनों को उन मुद्दों की सूची भेजी गई, जिन्हें पिछली वार्ताओं में चिन्हित किया गया था, लेकिन उस प्रस्ताव को किसान संगठनों ने खारिज कर आंदोलन को तेज करने की घोषणा कर दी।

साफ नियत और खुले मन से बातचीत के लिए प्रतिबद्ध

किसान संगठनों को भेजे गए अपने पत्र में कृषि सचिव संजय अग्रवाल ने उनके मुद्दों पर विस?तार से चर्चा करने की बात कही। संजय अग्रवाल ने कहा कि केंद्र सरकार साफ नियत और खुले मन से प्रासंगिक मुद्दों के तर्कपूर्ण समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। इससे सकारात्मक नतीजे पर पहुंचने की उम्मीद जगी है।

34 दिनों से दिल्ली की सीमाओं पर डटे हैं किसान

26 दिसंबर को किसान संगठनों ने केंद्र सरकार को चार शर्तों पर बातचीत का प्रस्ताव भेजा था, जिसमें पहली शर्त यही है कि तीनों कृषि कानून रद करने की प्रक्रिया पर सबसे पहले बात हो। इसके अलावा एमएसपी की गारंटी की मांग की गई है। अपनी मांगों के साथ हजारों किसान 34वें दिन भी दिल्ली के बॉर्डर पर डटे हैं।

ममता ने भाजपा को बताया बाहरी लोगों की पार्टी, बोलीं- धर्मनिरपेक्षता पर नफरत की राजनीति को नहीं होने देंगे हावी

बोलपुर। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा को 'बाहरी लोगों की पार्टी' बताते हुए मंगलवार को कहा कि नोबेल पुरस्कार से सम्मानित गुरूदेव रवींद्रनाथ टैगोर की भूमि धर्मनिरपेक्षता पर कभी भी नफरत की राजनीति को हावी नहीं होने देगी। बोलपुर में एक रैली के दौरान बनर्जी ने विश्वभारती के कुलपति विद्युत चक्रवर्ती को 'भाजपा का आदमी' बताया और कहा कि वह ''इस कैंपस के भीतर विभाजनकारी और सांप्रदायिक राजनीति' को बढ़ावा देकर विश्वविद्यालय की धरोहर को नुकसान पहुंचा रहे हैं। बनर्जी ने अपने संबोधन में कहा, ''जो महात्मा गांधी और देश के अन्य महापुरूषों का सम्मान नहीं करते, वे 'सोनार बांग्ला' बनाने की बात करते हैं। रवींद्रनाथ टैगोर कई दशक पहले ही 'सोनार बांग्ला' तैयार कर चुके हैं और हमें भाजपा के सांप्रदायिक हमलों से इस संस्थान को बचाने की जरूरत है।''

बनर्जी ने चार किलोमीटर का रोड शो भी किया। विश्वभारती के कुलपति पर निशाना साधते हुए तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ने कहा,

''टैगोर की सांस्कृतिक धरोहर को नुकसान पहुंचाने के प्रयासों को पूरी ताकत लगाकर रोकना होगा।'' मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, ''जब मैं विश्वभारती में सांप्रदायिक राजनीति को बढ़ावा दिए जाने के प्रयासों को देखती हूं तो मुझे बुरा लगता है। कुलपति भाजपा के आदमी हैं, वह सांप्रदायिक राजनीति को बढ़ावा दे रहे हैं, विश्वविद्यालय की धरोहर को नुकसान पहुंचा रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस के कुछ नेताओं द्वारा हाल ही में किये गये दलबदल पर उन्होंने कहा, ''आप कुछ विधायकों को खरीद सकते हैं, लेकिन तृणमूल कांग्रेस को नहीं खरीद सकते।

भाजपा सरकार जाएगी तभी बचेगा लोकतंत्र, अखिलेश बोले- 2022 में बनेगी समाजवादी की सरकार

लखनऊ। (एजेंसी)।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को दावा किया कि 2022 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि किसान दंभी भाजपा सरकार को सड़क पर ले आएंगे और यह सरकार जाएगी तभी लोकतंत्र बचेगा। सपा मुख्यालय में मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री ने गोंडा से बसपा के लोकसभा प्रत्याशी रहे मसूद आलम, पूर्व विधायक रमेश गौतम और मशहूर शायर मुनव्वर राना की बेटी सुमैया राना समेत कई प्रमुख नेताओं को सपा में शामिल कराने के बाद संवाददाताओं से कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने अन्याय- अत्याचार की सीमा पार कर दी है। कोई भी आवाज़ उठाता है, तो उसकी आवाज़ दबाने का काम सरकार कर रही है। यह सरकार जाएगी तभी लोकतंत्र बचेगा।

इसके पहले मंगवार को ही यादव ने ट्वीट किया कि भाजपा सरकार ने किसानों द्वारा बातचीत के

लिए प्रस्तावित दिन की जगह बातचीत की तारीख को आगे बढ़ाकर ये साबित कर दिया कि कड़ाके की ठंड में अपना जीवन न्यौछावर कर रहे किसान उनकी प्राथमिकता नहीं हैं। भाजपा लगातार किसानों का तिरस्कार कर रही है। किसान दंभी भाजपा को सड़क पर ले आएंगे। यादव ने कहा, किसानों के साथ सरकार छल कर रही है। इतना झूठ और भ्रष्टाचार किसी सरकार में नहीं रहा है और यह सरकार किसी के साथ कुछ भी कर सकती है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी किसानों के आंदोलन में पूरी तरह से उनके साथ है। सरकार ने सबसे ज्यादा झूठे मुकदमे समाजवादी पार्टी के नेताओं पर लगाए हैं।

उन्होंने आज फिर दोहराया कि सपा सभी को साथ लेकर चलेगी और छोटे दलों के लिए दरवाजा खुला रखेगी। यादव ने आरोप लगाया, भाजपा सरकार के फैसलों से देश की अर्थव्यवस्था बर्बाद हो गई है और नोटबंदी तथा लॉकडाउन इसके उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन में पैदल अपने घर जाते समय 90 से अधिक मज़दूरों की मौत हो गई लेकिन सरकार ने किसी की मदद नहीं की। सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया, भाजपा दूसरे दलों के नेताओं को तोड़ती है और उन्हें लड़ाती है, झगड़े कराती है और उसका फायदा उठाती है। पश्चिम बंगाल में भी यही कर रही है। उत्तरप्रदेश में भी विधानसभा चुनाव से पहले यही किया था। उन्होंने पश्चिम बंगाल की जनता से भाजपा को हराने की अपील की।

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में तीन इनामी नक्सलियों समेत आठ ने आत्मसमर्पण किया

दंतेवाड़ा। (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में तीन इनामी नक्सलियों समेत आठ नक्सलियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया है। दंतेवाड़ा जिले के पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि जिले में चल रहे लोन वर्राटू (घर वापस आइए) अभियान से प्रभावित होकर सोमवार को आठ नक्सलियों-- भैरमगढ़ के एरिया प्लाटून नंबर 13 के सेक्सन सी का कमांडर आयतू भास्कर (25), भैरमगढ़ एरिया कमेटी के चेतना नाट्य मंडली के अध्यक्ष राजू कारम (25), भूमकाल मिलिशिया कमांडर महेश कुमार डोडी (26), भूमकाल मिलिशिया सेक्सन ए का कमांडर लखमा

ताती (22), सीएनएम सदस्य भीमा बारसे (28), जनमिलिशिया सदस्य सोना ताती (20), जनमिलिशिया सदस्य माड़का बारसे (21), और मलांगेर एरिया कमेटी का सप्लायर पिट्टे उर्फ भीमा मण्डावी (35) ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में आयतू भास्कर पर तीन लाख रूपए तथा राजू कारम और महेश कुमार डोडी पर एक-एक लाख रूपए का इनाम है।

उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के खिलाफ पुलिस दल पर हमला करने, ग्रामीणों की हत्या करने, वाहनों में आगजनी करने तथा शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने समेत कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नक्सली भीमा बारसे, सोना ताती, माड़का बारसे और पिट्टे 2019 में भारतीय जनता पार्टी के विधायक भीमा मंडावी के वाहन को विस्फोट से उड़ाने की घटना में शामिल थे। इस घटना में विधायक मंडावी की मृत्यु हो गई थी। उन्होंने बताया कि दंतेवाड़ा जिले के विभिन्न गांवों के व्यक्ति जो प्रतिबंधित नक्सली संगठन में सक्रिय हैं, उन्हें आत्मसमर्पण कर सम्मान पूर्वक जीवन यापन करने लिए लोन वर्राटू अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत क्षेत्र के नक्सलियों का नाम थाना, शिविरों और ग्राम पंचायतों में चस्पा कर उनसे वापस घर लौटने की अपील की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पिछले सात माह में लोन वर्राटू अभियान से प्रभावित होकर 61 इनामी नक्सली समेत 226 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को 10-10 हजार रूपए प्रोत्साहन राशि प्रदान किया गया है।

बिहार में डबल इंजन की सरकार को 2 महीने भी नहीं हुए लेकिन बिगड़ने लगे सुर और ताल !

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बिहार में भले ही विधानसभा के चुनाव खत्म हो गए हैं और नई सरकार बन भी गई है लेकिन राजनीतिक सरगर्मियां लगातार तेज है। भाजपा और जदयू की सरकार को लगभग 2 महीने होने को आए लेकिन रिश्तो में टकराव की खबरें लगातार सामने आ रही है। दोनों दलों के प्रवक्ताओं की ओर से लगातार दावा किया जा रहा है कि गठबंधन अटूट है लेकिन अरुणाचल प्रदेश की घटनाक्रम को लेकर नीतीश कुमार भाजपा से काफी नाराज है। हालांकि, राजनीतिक विशेषज्ञ उसी दिन से यह दावा लगातार कर रहे थे कि बिहार में सरकार रही भी तो राजनीतिक सरगर्मियां तेज रहेंगी क्योंकि अब भाजपा बड़े भाई की भूमिका में है। वर्तमान में यही देखने को भी मिल रहा है। डबल इंजन की सरकार बने 2 महीने नहीं हुए की इसकी सुर, ताल और गति सब बदल गई। बिहार से लेकर दिल्ली तक के गलियारे में राजनीतिक अटकलबाजियां तेज हो गई हैं।

जदयू की कार्यकारिणी की बैठक से एक खबर सामने निकल कर आई और वह यह थी कि नीतीश कुमार ने एक बार फिर से दोहराया कि वह मुख्यमंत्री नहीं बनना चाहते थे। लेकिन भाजपा के ही निवेदन पर उन्होंने मुख्यमंत्री पद स्वीकार किया। अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या नीतीश कुमार गठबंधन का दबाव महसूस कर रहे हैं? रविवार को जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में पार्टी महासचिव एवं प्रवक्ता केसी त्यागी ने उनकी पार्टी के पास भाजपा से कम विधायक होने के बावजूद मुख्यमंत्री (कुमार) के अपने पद बने रहने के बार बार चर्चा होने का लेकर नाखुशी प्रकट की थी। त्यागी ने इस बात पर बल दिया था कि कुमार ने तो शुरू में ही राय व्यक्त कर दी थी कि अधिक संख्याबल के आधार पर भाजपा को अपना मुख्यमंत्री बनाना चाहिए। कार्यकारिणी की इसी बैठक में कुमार ने जदयू अध्यक्ष पद छोड़ दिया। बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 74 सीटें जीती थी जबकि उससे अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने वाले जदयू को 43 सीटें ही मिल पायी।

अब इस बात को लेकर चर्चा तेज हो गई है कि क्या नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद छोड़ देंगे? क्या भाजपा सरकार बनाएगी? क्या भाजपा का अगला मुख्यमंत्री होगा? फिलहाल भाजपा की ओर से इन सब बातों पर विराम लगा दिया गया है। भाजपा नीतीश की नाराजगी को समझते हुए इस विवाद को कहीं ना कहीं खत्म करना चाहती है। तभी तो कभी नीतीश कुमार के लक्ष्मण कहे जाने वाले सुशील मोदी ने खुलकर उनका समर्थन किया है। वरिष्ठ भाजपा नेता सुशील कुमार मोदी ने सोमवार को कहा कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री के पद बने रहने को लेकर अनिच्छुक थे और वह तब जाकर राजी हुए जब उन्हें याद दिलाया गया कि राजग ने उनके नाम पर वोट मांगे थे। कुमार के पिछले कार्यकालों में एक दशक से अधिक समय तक उपमुख्यमंत्री रहे मोदी ने एक दिन पहले जनता दल यूनाइटेड (जदयू) द्वारा दिये गये बयान के संबंध में पूछे जाने पर यह टिप्पणी की। कुमार और मोदी के बीच बहुत अच्छे समीकरण होने की चर्चा होती रही है।

मोदी ने कहा कि यह सच है कि नीतीश कुमार ने विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री के पद पर बने रहने की अनिच्छा प्रकट की थी और कहा था कि भाजपा को इस शीर्ष पद पर दावा करना चाहिए। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जब राज्य में राजग के घटक दलों--भाजपा, हम, वीआईपी ने उनसे पद पर बने रहने का अनुरोध किया और उन्हें याद दिलाया कि वोट उनके नाम पर मांगे गये थे, तब ही वह इस पद पर बने रहने के लिए राजी हुए। वर्तमान समय में भाजपा कोटे से बिहार में उप मुख्यमंत्री पद का दायित्व संभाल रही रेणु देवी ने भी भाजपा-जदयू

गठबंधन को अटूट बताया है और कहा है कि अरुणाचल की घटनाक्रम को लेकर बिहार में कोई खास फर्क पड़ने वाला नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि अरुणाचल में जदयू के विधायक हमसे जुड़ना चाहते थे और हमने उन्हें नहीं बुलाया। इस बीच राजद ने अब नीतीश कुमार को साधने की कोशिश शुरू कर दी है। राजद की ओर से कहा गया है कि फिलहाल नीतीश कुमार तेजस्वी यादव को समर्थन देकर मुख्यमंत्री बनाएं। राजद नीतीश को 2024 में प्रधानमंत्री बनाने में मदद करेगी। अभी देखना होगा आगे-आगे बिहार की राजनीति में होता क्या है? लेकिन इतना जरूर कहा जा सकता है कि यहां की राजनीति बड़ी दिलचस्प होती जा रही है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)